धनबाद
सोमवार 02.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-278 पृष्ठ- 12
अग्रहन शुक्ल पक्ष-1
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

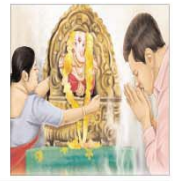

छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर मुठभेड़ में 7 नक्सली ढेर, हथियार बरामद

इसी हफ्ते बस्तर दौरे पर आने वाले हैं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

जगदलपुर,(ईएमएस): छत्तीसगढ़ में गृहमंत्री अमित शाह का दौरा होने वाला है। इस कुछ दिन पहले ही जवानों ने एक मुठभेड़ में सात नक्सलियों को मार गिराने में कामयाबी हासिल की है। बता दें गृहमंत्री अमित शाह में नक्सली मुक्त राज्य की बात करते रहे हैं।

छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर ग्रेहाउंड्स फोर्स ने महिला नक्सली समेत सात नक्सलियों को ढेर कर दिया है। जवानों ने मौके से एके-४७ समेत अन्य आधुनिक हथियार बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि सुबह से दोनों ओर से गोलीबारी हो रही थी। यह मुठभेड़ तेलंगाना के मुलुगु जिले के ईटूनगरम थाना क्षेत्र में हुई।

जानकारी के मुताबिक मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने सभी नक्सलियों के शव बरामद कर लिए। इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि नक्सली किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे, लेकिन साजिश का पता चलते ही जवानों को मुठभेड़ में उन्हें ढेर कर दिया। इस हफ्ते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी बस्तर दौरे पर आने वाले हैं।

मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की पहचान हो गई है। इनमें तेलंगाना स्टेट कमेटी मेंबर, डिविजनल कमेटी मेंबर, एरिया कमेटी मेंबर और पार्टी के दो मेंबर शामिल हैं। सुरक्षाबलों ने सभी नक्सलियों के शव अपने कब्जे में ले लिए हैं। प्रदेश में इस साल २०७ से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं।

सीमा सुरक्षा बल के 60वें स्थापना दिवस पर पीएम मोदी और गृहमंत्री ने दी बधाई

बीएसएफ साहस, समर्पण और रक्षा की एक महत्वपूर्ण पंक्ति के रूप में खड़ा है

नई दिल्ली (ईएमएस): सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ६०वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा- सीमा सुरक्षा बल को उसके स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। बीएसएफ साहस, समर्पण और असाधारण सेवा का प्रतीक और रक्षा की एक महत्वपूर्ण पंक्ति के रूप में खड़ा है। उनकी सतर्कता और साहस हमारे राष्ट्र की सुरक्षा में योगदान करते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जवानों को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा-बीएसएफ के जवानों और उनके परिवारों को स्थापना दिवस की बधाई। बीएसएफ के जवानों ने भारत के सम्मान और महत्वाकांक्षाओं की पूरी मजबूती के साथ रक्षा की है और इसके लिए जान की बाजी लगाने से कभी पीछे नहीं हटे हैं। उनकी वीरता और बलिदान ने देशभक्तों की पीढ़ियों को यह तय करने के लिए तैयार किया है कि हमारा राष्ट्र हमेशा आगे बढ़ता रहे। सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को मेरी श्रद्धांजलि।

बीएसएफ ने अपने एक्स पोस्ट पर लिखा- ६०वें सीमा सुरक्षा बल दिवस पर हम सीमा प्रहरी राष्ट्र रक्षा और राष्ट्र निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। अपने ध्येय वाक्य जीवनपर्यन्तकर्त्तव्य को आत्मसात करते ▶▶ 8

टीपू सुल्तान इतिहास की बहुत जटिल शख्सियत, सच सामने लाना गलत नहीं

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पुस्तक के विमोचन पर रखे अपने विचार

नई दिल्ली (ईएमएस): विदेश मंत्री एस जयशंकर ने टीपू सुल्तान को इतिहास की बहुत जटिल शख्सियत बताया है। जयशंकर ने कहा कि अब की राजनीति अपने हिसाब से तथ्यों को पेश करने की है। उन्होंने कहा कि काफी हद तक टीपू सुल्तान के मामले में भी ऐसा ही हुआ है। विदेश मंत्री ने दावा किया कि मैसूर के पूर्व शासक टीपू सुल्तान के बारे में पिछले कुछ सालों में एक विशेष विमर्श प्रचारित किया गया।

जयशंकर ने कहा कि पिछले दस सालों में हमारे राजनीतिक व्यवस्था में बदलाव के कारण वैकल्पिक दृष्टिकोण उभर कर सामने आए हैं। हम अब वोट बैंक के कैदी नहीं हैं और न ही असुविधाजनक सच को सामने लाना राजनीतिक रूप से गलत है। उन्होंने यहां 'टीपू सुल्तान: द सागा ऑफ मैसूर इंटरेग्नम १७६१-१७९९' पुस्तक के विमोचन के अवसर पर कहा कि कुछ बुनियादी सवाल हैं जिनका आज हम सभी को सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जटिल मुद्दों को वैसे नजरअंदाज किया गया है। साथ ही कैसे तथ्यों को शासन की सुविधा के अनुसार ढाला गया है। यह पुस्तक इतिहासकार विक्रम संपत ने लिखी है। ▶▶ 8

भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा पर कड़ा रुख दिखाया

इटली ने भी किया समर्थन

मुंबई (ईएमएस): भारत ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा और चरमपंथी घटनाओं को लेकर भारतीय सरकार ने बढ़ती चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे हमलों पर बांग्लादेश सरकार से उनके संरक्षण की अपील की है। भारत में रहें इतालवी राजदूत एंटोनियो बार्टोली ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी। राजदूत ने कहा कि इटली हमेशा सभी धर्मों और अल्पसंख्यकों के प्रति सम्मान का पक्षधर रहा है। हम क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए काम करते रहे हैं। हमें उम्मीद है कि इन घटनाओं का समाधान जल्द ही होगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत ने लगातार बांग्लादेश सरकार के समक्ष हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खतरों का मुद्दा मजबूती से उठाया है। यह बांग्लादेश सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। हालिया घटनाओं में ढाका में हिंदू पुजारी की गिरफ्तारी और चटगांव में मंदिरों पर हमले की घटना शामिल हैं। इन हमलों ने समुदाय के खिलाफ बढ़ती चिंता का संकेत दिया है। भारत ने बांग्लादेश सरकार से उम्र ▶▶ 8

मंईयां सम्मान योजना के तहत मिलेंगे 2500, 11 तक आयेगी पांचवीं किस्त

रांची (एजेंसी): झारखंड की महिलाओं के लिए खुशखबरी है. हेमंत सोरेन के दोबारा मुख्यमंत्री बनने के बाद मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं के खातों में २५०० रुपये की राशि ट्रांसफर की जायेगी. कल्याण विभाग ने पांचवीं किस्त जारी करने की तैयारी शुरू कर दी है. ११ दिसंबर को यह राशि महिलाओं के खातों में पहुंचने की उम्मीद है.

गौरतलब है कि मंईयां सम्मान योजना के तहत १८ से ५० वर्ष की महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है. करीब ५७ लाख महिलाएं इस योजना का लाभ उठा रही हैं. योजना के तहत अब तक चार किस्त महिलाओं के खातों में ट्रांसफर की गयी है. पहले महिलाओं को १००० रुपये दिये जा रहे थे. लेकिन चुनाव से पहले हेमंत सोरेन ने घोषणा की थी कि अगर झारखंड में अबुआ सरकार आयी तो दिसंबर से २५०० रुपये महिलाओं के खातों में ट्रांसफर की जायेगी.

मंईयां सम्मान योजना का विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को बड़ा फायदा हुआ. सरकार ने नवंबर में चौथी किस्त महिलाओं के खातों में ट्रांसफर किये थे, जिसका चुनाव में काफी असर देखने को मिला. कल्याण विभाग ने बताया कि योजना का रजिस्ट्रेशन अब भी जारी है. नई सरकार के गठन के बाद योजना के कार्य में तेजी आ गयी है. इस योजना ने महिलाओं को आर्थिक मजबूती किया है. साथ ही इस योजना ने महिलाओं में सरकार के प्रति सकारात्मक धारणा बनाने में मदद की है.

देश में बिगड़ते सांप्रदायिक संबंधों पर पूर्व अधिकारियों का पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र

नई दिल्ली (ईएमएस): पूर्व राजदूतों, मुख्य सचिवों और अन्य उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारियों के एक समूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर देश में बिगड़ते सांप्रदायिक संबंधों पर चिंता व्यक्त की। पत्र में कहा गया है कि हिंदुओं, मुसलमानों और ईसाइयों के बीच तनावपूर्ण संबंधों ने अल्पसंख्यक समुदायों के लिए 'अत्यधिक चिंता और असुरक्षा' पैदा कर दी है। ऐतिहासिक मस्जिदों और दरगाहों के सर्वेक्षण की ताजा घटना सांप्रदायिक सद्भाव को झटका देने वाली है।

इस पत्र में हस्ताक्षर करने वालों में एन। सी। सक्सेना (भारत के योजना आयोग के पूर्व सचिव), नजीब जंग (दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल), शिव मुखर्जी (ब्रिटेन में भारत के पूर्व उच्चायुक्त), अमिताभ पांडे (भारत सरकार के अंतर-राज्यीय परिषद के पूर्व सचिव), एस।वाई। कुरैशी (भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त), नवरेखा शर्मा (इंडोनेशिया में भारत की पूर्व राजदूत) समेत कई अन्य सेवानिवृत्त अधिकारी शामिल हैं। पूर्व अधिकारियों ने कहा ▶▶ 8

ओडिशा सरकार ने मध्याह्न भोजन मुहैया की आवंटित राशि को बढ़ाया

भुवनेश्वर (ईएमएस): ओडिशा सरकार ने स्कूली छात्रों को मध्याह्न भोजन मुहैया कराने के लिए आवंटित होने वाली राशि को बढ़ा दिया है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। 'पीएम-पोषण' के लिए राज्य के नोडल अधिकारी रघुराम आर अय्यर ने जिलाधिकारियों को सरकार के फैसले की जानकारी दी।उन्होंने बताया प्राथमिक विद्यालय के छात्रों (पहली से पांचवीं कक्षा) के लिए सामग्री की लागत ५.९० रुपये प्रति छात्र प्रति भोजन से बढ़ाकर ७.६४ रुपये कर दी गई है। उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्रों (छठी से आठवीं कक्षा) के लिए लागत ८.८२ रुपये प्रति छात्र प्रति भोजन से बढ़ाकर १०.९४ रुपये कर दी गई है। अय्यर ने कहा कि संशोधित लागत एक दिसंबर से लागू होगी। इसके पहले भोजन लागत में संशोधन अक्टूबर २०२२ में किया गया था।

नागालैंड भारत की समृद्ध सांस्कृतिक छवि पर हमारी विविधता का अनुपम उदाहरण

नागालैंड स्थापना दिवस पर राष्ट्रपति समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (ईएमएस): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सहित नेताओं ने नागालैंड के लोगों को राज्य के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- राज्य के स्थापना दिवस पर नागालैंड के लोगों को शुभकामनाएं। वनस्पतियों और जीवों की समृद्ध विरासत से संपन्न नागालैंड बहादुरी की भूमि है। कई विकास मापदंडों में नागालैंड की प्रगति सराहनीय है। इस खूबसूरत राज्य के लोगों को शांतिपूर्ण, समृद्ध और प्रगतिशील भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नागालैंड वासियों को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा नागालैंड दिवस पर नागा बहनों और भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएं। गौरवशाली संस्कृति और विरासत से समृद्ध, नागालैंड भारत की समृद्ध सांस्कृतिक छवि पर हमारी विविधता का एक अनुपम उदाहरण है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि सीएम नेफ्यू रियो के नेतृत्व में प्रदेश समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़े।

नागालैंड के सीएम नेफ्यू रियो ने प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए एक्स पोस्ट में लिखा- नागालैंड

के लोगों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। हम गर्व और कृतज्ञता के साथ राज्य के ६२ साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। यह एक प्रगति की यात्रा रही है। आइए हम अपनी विरासत का सम्मान करें और एक साथ मिलकर उज्जवल भविष्य के लिए प्रयास करें।

नागालैंड के राज्यपाल ला गणेशन ने राज्य के ६२वें राज्य दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दी और इसकी ऐतिहासिक यात्रा, उपलब्धियों और भविष्य की आकांक्षाओं पर प्रकाश डाला है। ▶▶ 8

फेंगल तूफान का असर : पुडुचेरी में बाढ़ जैसे हालात

90 किमी प्रतिघंटा से चली हवाएं, क्रॉस विंड में फंसा विमान

चेन्नई (ईएमएस): बंगाल की खाड़ी से उठा फेंगल तूफान पुडुचेरी के कराईकल और तमिलनाडु के महाबलीपुरम से शनिवार रात टकराया। लैंडफॉल प्रोसेस रात ११.३० बजे तक चला। इस दौरान भारी बारिश के साथ ९० किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चलीं। तूफान का असर केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भी दिखा।

आईएमडी के मुताबिक शनिवार को लैंडफॉल के बाद फेंगल तूफान यहीं अटक कर रह गया, लेकिन कुछ घंटों में धीरे-धीरे यह कमजोर हो जाएगा। इसके चलते रविवार को पुडुचेरी, कडलोर, विल्लुपुरम और चेन्नई में भारी बारिश का अनुमान है। पुडुचेरी में २४ घंटों के दौरान ४८.४ सेमी बारिश हुई। यह ३० साल में एक दिन में सबसे ज्यादा बारिश है।

तूफान से चेन्नई एयरपोर्ट दोपहर १२ बजे बंद कर दिया गया था, जो रात १ बजे शुरू हो पाया। आधी रात के बाद उड़ानें शुरू हुईं, लेकिन कई उड़ाने रद्द की गईं। कुछ उड़ाने देरी से पहुंचीं। तूफान के चलते २४ डोमेस्टिक फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। २६ इंटरनेशनल फ्लाइट्स में देरी हुई।

चेन्नई एयरपोर्ट का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें लैंडिंग के दौरान इंडिगो की फ्लाइट क्रॉस विंड में फंसकर लहराने लगी। पायलट प्लेन को वापस उड़ा ले गया। घटना पर इंडिगो का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

तूफान का असर तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और पुडुचेरी में हुआ है। तमिलनाडु तूफान से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां भारी बारिश से धान की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। नागपट्टिनम में करीब ८०० एकड़ से ज्यादा की फसल नष्ट हो गई है।

महबूबा मुफ्ती ने बांग्लादेश की स्थिति की तुलना भारत से की, भाजपा भड़की

श्रीनगर (ईएमएस): जम्मू-कश्मीर भाजपा नेताओं ने पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बांग्लादेश की स्थिति की तुलना भारत से करने वाली 'राष्ट्र-विरोधी' टिप्पणी पर कार्रवाई की मांग की।

भाजपा नेताओं ने कहा, महबूबा द्वारा बांग्लादेश की स्थिति की तुलना भारत से करने वाला विवादास्पद बयान पूरी तरह से गलत और निंदनीय है। दुनिया बांग्लादेश में सबसे खराब तरह के मानवाधिकार उल्लंघन से वाकिफ है, जहां अल्पसंख्यक समुदाय को लक्षित हमलों का सामना करना पड़ रहा है, महिलाओं का अपमान किया जा रहा है और एक निर्वाचित प्रधानमंत्री को देश छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है, इसके अलावा इसके संस्थापक की मूर्तियों को अपवित्र किया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर सरकार को महबूबा के राष्ट्र-विरोधी बयान और उनकी साजिशों पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। जम्मू-कश्मीर के पूर्व भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने यहां पार्टी के एक समारोह से इतर पीटीआई से कहा, "उनके

खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।"

इससे पहले जम्मू में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पीडीपी अध्यक्ष ने लोगों से भाजपा के ध्रुवीकरण के कथित प्रयासों का मुकाबला करने के लिए खड़े होने को कहा और पूछा कि बांग्लादेश और भारत में क्या अंतर है। उन्होंने कहा, "बांग्लादेश में हमारे हिंदू भाइयों पर अत्याचार हो रहा है लेकिन अगर हम यहां (भारत में) अल्पसंख्यकों के साथ ऐसा ही करते हैं तो क्या अंतर है? हमारे पास इतना महान देश है ▶▶ 8

लोकसंख्या शास्त्र का हवाला देकर कहा, कम से कम 3 बच्चे तो होना ही चाहिए:मोहन भागवत

जिस समाज की प्रजनन दर 2.1 से कम हुई वो विलुप्त हो गए

नागपुर (ईएमएस): संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में इस बात की वकालत की कि एक परिवार में कम से कम तीन बच्चे तो होना ही चाहिए। इसके लिए उन्होंने लोकसंख्या शास्त्र का हवाला दिया। संघ प्रमुख ने कहा कि जनसंख्या में गिरावट चिंता का विषय है।

आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) २.१ से नीचे चली जाती है, तो वह समाज धरती से लुप्त हो जाता है।

इस तरह से कई भाषाएं और समाज नष्ट हो गए। जनसंख्या २.१ से नीचे नहीं जानी चाहिए। हमारे देश की जनसंख्या नीति १९९८ या २००२ में तय की गई थी। इसमें यह भी कहा गया है कि किसी समाज की जनसंख्या २.१ से नीचे नहीं जानी चाहिए। हमें दो या तीन से अधिक की आवश्यकता है, यह

संख्या महत्वपूर्ण है क्योंकि समाज को जीवित रहना चाहिए।

मोहन भागवत ने आगे कहा कि हमारे देश की जनसंख्या नीति वर्ष १९९८ या २००२ में तय की गई थी। इसमें यह भी कहा गया है कि जनसंख्या वृद्धि दर २.१ से नीचे नहीं होनी चाहिए। इसलिए यदि हम २.१ की जनसंख्या वृद्धि दर चाहते हैं, तो हमें दो से अधिक बच्चों की जरूरत है। फिर भागवत ने ये भी कहा कि तीन तो होने ही चाहिए। ऐसा ही जनसंख्या विज्ञान भी कहता है। संख्या महत्वपूर्ण है क्योंकि समाज का बने रहना जरूरी है।

क्या 2.1 प्रजनन दर

भारत में आदर्श प्रजनन दर २.१ है, जिसका अर्थ है कि एक महिला को अपने जीवनकाल में औसतन २.१ बच्चे यानि २ से अधिक होने चाहिए। यह आंकड़ा विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित किया गया है और यह एक देश की जनसंख्या को स्थिर रखने के लिए आवश्यक प्रजनन दर है। अगर ऐसा नहीं होता है तो उस समाज में जनसंख्या असंतुलन होने का खतरा मंडरा जाता है।

प्रजनन दर (फर्टिलिटी रेट) एक देश या क्षेत्र में प्रति महिला औसत बच्चों की संख्या को दर्शाता है। यह आंकड़ा आमतौर पर प्रति महिला १५ से ४९ वर्ष की आयु वर्ग में औसत बच्चों की संख्या के रूप में व्यक्त किया जाता है।

संघ पहले भी करता रहा है ऐसी वकालत

इसके पहले भी कई मौकों पर आरएसएस यह कहता रहा है कि देश की एक समान जनसांख्यिकीय योजना न होने के चलते देश पर आबादी के असंतुलन का खतरा मंडरा रहा है जो भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरे का संकेत है। दरअसल जनसंख्याविदों मानते हैं किइस सदी के अंत तक भारत की आबादी गिरकर एक अरब १० करोड़ रह जायेगी। वर्ष २०३० तक भारत के सबसे ज़्यादा युवा जनसंख्या वाला देश बने रहने की संभावना है। उसके बाद भारत में युवा कम होते जाएंगे। शायद यही कारण है कि जनसंख्या नियंत्रण के संबंध में चल रही सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में केंद्र ने कहा था कि परिवार नियोजन को अनिवार्य बनाने के कानून बनाने के पक्ष में सरकार नहीं है।

जीटी रोड पर वाहनों की सुगम आवाजाही को

एलिवेटेड सड़क ही एकमात्र उपाय : सांसद ढुल्लू महतो

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर में जीटी रोड जाम की समस्या को लेकर जिप अध्यक्ष अमितेश सहाय ने ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह से बात की। जाम की समस्या का समाधान करने की अपील की। ट्रैफिक डीएसपी ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह खुद मंगलवार को गोविंदपुर की जाम की समस्या का अवलोकन करेंगे और गोविंदपुर सुभाष चौक पर नियमित ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि गोविंदपुर पुलिस भी इसमें सहयोग करेगी। गोविंदपुर पुलिस और ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से यातायात सुचारू होगा। श्री सहाय ने कहा कि गोविंदपुर जीटी रोड जाम की समस्या का समाधान हर हाल में कराया जाएगा। इसमें उनका पूरा सहयोग रहेगा।

गोविंदपुर पुलिस की सक्रियता और ४ घंटे तक ट्रैफिक पुलिस की तैनाती से रविवार को गोविंदपुर मे आधे दिन तक सड़क जाम नहीं रहा। ट्रैफिक पुलिस के धनबाद लौट जाने के बाद फिर महाजाम लग गया। गोविंदपुर पुलिस इंस्पेक्टर रुस्तम अली की अगुवाई में पुलिस ने खुद मोर्चा संभाला था। गोविंदपुर पुलिस और ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से रविवार पूर्वाहन लोगों ने राहत की सांस ली परंतु अपराह्न फिर महाजाम लग गया। बताया जाता है कि ट्रैफिक पुलिस की यहां स्थाई प्रतिनियुक्ति नहीं हो पाई है। इस कारण जाम हटाने के बाद ट्रैफिक पुलिस धनबाद लौट गई।

गोविंदपुर में पिछले दो दिनों से भीषण जीटी रोड जाम की समस्या को लेकर सामाजिक संस्था नागरिक समिति का प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल की अगुवाई में रविवार सुबह सांसद ढुलू महतो से मिला। सांसद ने जाम की

समस्या का समाधान करने का निर्देश वरीय पुलिस अधीक्षक को दिया। उन्होंने कहा कि गोविंदपुर में ट्रैफिक पुलिस की प्रतिनियुक्ति से जाम की समस्या का समाधान होगा। सांसद ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण दुर्गापुर के परियोजना निदेशक मनीष कुमार से भी बात की और गोविंदपुर बाजार इलाके में सड़क का निर्माण शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गोविंदपुर में पिछले दो माह से सड़क किनारे गड्ढा खोदकर छोड़ दिए गए हैं। इस कारण वाहन फंस जा रहे हैं और दुर्घटनाएं हो रही है। सांसद ने कहा कि गोविंदपुर और निरसा में जीटी रोड पर वाहनों की आवाजाही सुगम करने के लिए एलिवेटेड रोड ही एकमात्र उपाय है। एलिवेटेड रोड की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। इस कारण काम शुरू नहीं हो पाया है। उन्होंने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री को पत्र लिखकर गोविंदपुर और निरसा में एलिवेटेड रोड निर्माण की सारी प्रक्रिया यथाशीघ्र पूर्ण

करने की अपील की ।

सांसद ने गडकरी को पत्र में लिखा है कि गोविंदपुर और निरसा में जीटी रोड पर वाहनों का अत्यधिक लोड है। इस कारण हमेशा सड़क जाम रहता है। जीटी रोड पर लगातार दुर्घटनाएं हो रही है और लोगों की जाने जा रही है। जाम में एंबुलेंस एवं अनिवार्य आवश्यकता वाले वाहन भी फंस जा रहे हैं। सांसद ने राजमार्ग मंत्री से गोविंदपुर व निरसा में एलिवेटेड रोड की सारी सरकारी प्रक्रिया यथाशीघ्र पूरी कर निर्माण कार्य शुरू करा देने का आग्रह किया है। सांसद ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण दिल्ली के अध्यक्ष को भी पत्र लिखा है। पत्र में जीटी रोड एनएच २ के बरवाअड्डा-पानागढ़ खंड अंतर्गत धनबाद जिला के गोविंदपुर बाजार क्षेत्र में सड़क निर्माण यथाशीघ्र पूर्ण करने, ऊपर बाजार चौक, सुभाष चौक एवं फकीरडीह चौक पर ट्रैफिक पोस्ट एवं ट्रैफिक सिग्नल लाइट्स समेत सभी सुरक्षा के प्रबंध करने निर्देश दिया है।

सांसद ने लिखा है कि प्राधिकरण द्वारा पिछले दो माह से गोविंदपुर बाजार क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य लंबित रखने के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही है और सड़क जाम लग रहा है। इससे गोविंदपुर की जनता और जीटी रोड से होकर गुजरने वाले लोग तबाह है। सांसद ने गोविंदपुर बाजार क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण का कार्य यथाशीघ्र पूर्ण करने, उपरोक्त तीनों क्रॉसिंग पर ट्रैफिक सिग्नल लाइट्स, सुरक्षा साइनेज बोर्ड एवं गिरिडीह-बलियापुर सड़क के मुहाने पर रंबल स्ट्रिप की व्यवस्था जनहित में यथाशीघ्र करने, पश्चिम बंगाल की तरह झारखंड क्षेत्र में जीटी रोड में सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने, बरवाअड्डा से बराकर तक सड़क पर लाइट का प्रबंध करने का भी निर्देश दिया है। परियोजना निदेशक ने कहा कि अधूरा पड़ा चौड़ीकरण का काम रविवार से शुरू कर दिया गया है इस काम में सोमवार से और तेज गति लाई जाएगी तथा निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक लाइट समेत सुरक्षा के सभी उपाय किए जाएंगे। पत्र की प्रति दुर्गापुर के परियोजना निदेशक को भी दी गई है। सांसद से मिलने गए प्रतिनिधि मंडल में जितेश जायसवाल, अनूप साव, मयन चंद्र दसौंधी, बाबू भगत, राजा दास आदि शामिल थे। इधर

जाम की समस्या का सुभाष चौक क्रॉसिंग खुलने के बाद दो दिनों से महाजाम से जूझ रहा गोविंदपुर के लिए तीसरा दिन रविवार सुकून भरा दिन रहा। सुबह से ही थाना प्रभारी रुस्तम अली के नेतृत्व में गोविंदपुर पुलिस एवं ट्रैफिक पुलिस ने कमान संभाल लिया। ऊपर बाजार मोड़ में भी ट्रैफिक पुलिस मुस्तैद रही। स्वयं थाना प्रभारी भी यातायात को सुचारू रखने के लिए सक्रिय देखे गए। पुलिस गाड़ी ऊपर बाजार मोड़ से साहिबगंज मोड़ तक पेट्रोलिंग करती रही।

रॉन्ग साइड से आने वाले ऑटो एवं बाइक का चालान भी काटा गया। जीटी रोड पर स्टैंड करने वाले ऑटो वालों का भी चालान काटा गया। दुकानदार एवं आम लोग जाम से मुक्ति के बाद खुश थे। लोगों ने कहा कि अगर पुलिस पहले ही तत्पर हो जाती तो दो दिनों तक गोविंदपुर को महाजाम से जूझना नहीं पड़ता। हालांकि ट्रैफिक पुलिस दोपहर तक ही रही। इसके बाद पुलिस धनबाद चली गई । इस कारण फिर से जाम लगना शुरू हो गया।

बीआईटी में मनाया गया जनजातीय गौरव दिवस

सिंदरी (ससे) : रविवार को बीआईटी कल्चरल सोसाइटी ने जनजातीय गौरव दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह दस बजे प्रशासनिक भवन में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। पीपीटी प्रेजेंटेशन द्वारा जनजातीय गौरव दिवस (आदिवासी गौरव दिवस) के बारे मे संदेश दिया कि संस्कृति और पहचान को बनाए रखने में भारत के आदिवासी समुदायों के योगदान और बलिदान का सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। यह दिन एक सम्मानित आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी, नेता और समाज सुधारक बिरसा मुंडा की जयंती भी मनाता है। अतिथियों डॉ पंकज राय, डॉ आरके वर्मा, डॉ अजय उरांव, डॉ अभिषेक आनंद हेम्ब्रोम, डॉ जीतू कुजूर, डॉ निशिकांत किस्कू, डॉ राजेंद्र मुंडू सर और डॉ संग्राम हेम्ब्रोम ने भाषण दिया और छात्रों ने भी भाषण दिया। कार्यक्रम का समापन बीआईटी कल्चरल सोसाइटी के प्रभारी प्रोफेसर डॉ. अजय उरांव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सफलतापूर्वक हुआ।

चिरकुंडा में लगा नेत्र जांच शिविर

निरसा (ससे) : लायंस क्लब रघुनाथ खरकिया मेमोरियल नेत्र अस्पताल चिरकुंडा में रघुनाथ खरकिया की पुण्यतिथि पर रविवार को ९८१वां निःशुल्क नेत्र जांच व मोतियाबिन्द शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में ५१० लोगों की आंखों की जांच की गई, जिसमें ८३ लोगों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए। जिनका आपरेशन एक सप्ताह में किया जाएगा। साथ ही ३३० लोगों को दवा दी गई व १८४ लोगों की आंख के पावर की जांच की गई। शिविर का शुभारंभ नेत्र अस्पताल के निर्देशक सह उद्योगपति जगदीश अग्रवाल व उद्योगपति बिनोद अग्रवाल द्वारा किया गया। इस संबंध में जगदीश व बिनोद अग्रवाल ने कहा कि २८ वर्षो से यह सेवा निरंतर चल रही है। पूरे शिल्पांचल क्षेत्र के शहरी तथा ग्रामिक

क्षेत्र के लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होने कहा कि छह महीने ग्रामिक क्षेत्रों में घुमकर व शिविर लगा कर मुफ्त नेत्र जांच चलायेगा। मोतियाबिंद का आपरेशन भी किया जायेगा व मुफ्त दवाइयों का वितरण किया जाता है। वहीं छह माह अस्पताल कैंपस में यह शिविर लगाया जाता है। मौके पर उद्योगपति व समाजसेवी जगदीश अग्रवाल, बिनोद अग्रवाल, रितिका अग्रवाल, कृष्ण लाल रूंगटा, प्रदीप अग्रवाल, अजय शर्मा, सुनिल गढ़याण, दिनेश अग्रवाल, पवन गढ़याण, सत्यनारायण चौधरी के अलावे मारवाड़ी महिला समिति के अध्यक्ष सीमा अग्रवाल, भगवती रूंगटा, ललिता अग्रवाल, रेखा खरकिया, सुनिता खरकिया, रेणु जिंदल आदि थे। वही नेत्र डाक्टर के रूप में डॉ शांतनु देव, डॉ सूर्यकांत, डॉ सुरेश केडिया आदि थे।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली

धनबाद (कासं) : विश्व एड्स दिवस पर नर्मदा टीआई माईग्रेंट धनबाद की ओर से रविवार को एचआइव्ही एड्स से बचाव तथा इसकी रोकथाम के लिए जागरूकता रैली निकाली गई, जो जिले के रणधीर वर्मा चौक से होते हुए स्टेशन रोड तक गई। रैली में एचआइव्ही तथा इसकी रोकथाम के बारे में लोगों को जागरूक

किया गया। साथ ही रणधीर वर्मा चौक पर आईईसी मेटेरियल का स्टोल भी लगाया गया, जिसमे प्रवासियों को आईईसी मेटेरियल के माध्यम से लोगों को जागरुकत किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर विकास पासवान, हरी प्रसाद महतो, उर्मिला कुमारी, सागर कुमार तथा कृति भूषण महतो आदि का सराहनीय योगदान रहा।

बंगिया संगीत परिषद का दीक्षांत समारोह

धनबाद (कासं) : बंगिया संगीत परिषद का ७४वां वार्षिक दीक्षांत समारोह रविवार को धनबाद क्लब में बांगिया संगीत परिषद के झारखंड प्रतिनिधि जाने माने चित्रकार शिवशंकर धर के नेतृत्व में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि कर्नल जेके सिंह एवं विशेष अतिथि शुभ्रा केनार और काली प्रसाद बनर्जी के द्वारा कलाकारों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। कोलकाता से बंगिया संगीत परिषद के प्रतिनिधि श्यामल गांगुली ने धनबाद आ कर छात्रों को चित्रकारिता की बारीकियां को मार्गदर्शित कर इस कार्यक्रम को संपन्न किया। मुख्य अतिथि कर्नल जेके सिंह ने सफल छात्रों का अभिनंदन करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत एवं अथक प्रयास के बाद आप यहां पहुंच पाएं हैं। इसके लिए आपको बहुत सारी बधाई एवं शुभकामनाएं। कला शास्त्र भी है और शस्त्र भी है। समाज की कुरीतियों से लड़ने वाला ब्रह्मास्त्र भी है। आज मुझे प्रसन्नता हो रही है कि मैं कलाकारों के बीच में बैठा हूं जो वह हर चीज देख सकते हैं जो दुनिया नहीं देख सकती, कलाकार वह चीज महसूस कर सकता है जो आम आदमी कभी नहीं महसूस कर सकती है, कलाकार कल्पना में ऐसी जगह पहुंच जाते हैं जो दृष्टि के पार है। कला स्वतंत्र विचारों को प्रश्न से, क्लिक से, कैमरे से जीवन में सौंदर्य सच्चाई लाते है। आज मैं इन सभी कलाकारों के बीच अपने आप को धन्य महसूस कर रहा हूं और कहा कि अगर आप चाहते हैं जीवन में अच्छा इंसान बने, बड़े दिलवाले बने, उदार बने तो सबसे पहले कलाकार बनें।

दीक्षांत समारोह कार्यक्रम की शुरुआत नृत्य से हुई। नृत्यमल्लिका डांस अकादमी के कलाकारों ने बहुत ही प्रशंसनीय सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया एवं बरनाली मुखर्जी, जोयीता धर व राजदीप चटर्जी ने एक रवीन्द्र संगीत की प्रस्तुती दी। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन सोहिनी धर और बरनाली मुखर्जी ने किया। हांबी सेंटर की इस दिक्षांत समारोह की मुख्य आकर्षण स्मिता गुप्ता रही। जिन्होंने बंगिया संगीत परिषद की अष्टपरीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही करीब ६० विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट चित्रकला के लिए उपस्थित अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। उपस्थित अभिभावक अपने बच्चों के इस सम्मानननीय उपलब्धि से गौरांवित थे।

विधायक उमाकांत रजक से मिले सदानंद महतो

तोपचांची (ससे) : तोपचांची प्रखंड के सामाजिक कार्यकर्ता सह युवा नेता सदानंद महतो ने नवनिर्वाचित चंदनक्यारी के विधायक उमाकांत रजक से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उमाकांत रजक को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि तोपचांची आंदोलन का धरती रहा है। आंदोलन के

समय तक तोपचांची विशेष महत्व रखता था। मेरे राजनीतिक जीवन में तोपचांची में हमेशा मेरा आनाजाना रहा है। इसलिए वहां के मसलों पर हमेशा ध्यान रहेगा। इस मौके पर दुर्गा यादव व रमेश जायसवाल मुख्य रूप से मौजूद थे।

जूडो ट्रायल में शामिल हुए स्कूलों के खिलाड़ी

धनबाद (कासं) : २६२७ दिसंबर को रांची में आयोजित होने वाले झारखंड राज्य सब जूनियर सीनियर जूडो चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए धनबाद जिला जूडो ट्रायल का शानदार आयोजन धनबाद मार्शल आर्ट सेंटर नन्हे कदम प्ले स्कूल, धोवाटांड में किया गया। इसकी जानकारी देते हुए धनबाद जिला जूडो संघ के सचिव पप्पू कुमार ने बताया कि ट्रायल के लिए भारी संख्या में धनबाद के जूडोका सम्मिलित हुए।

सभी खिलाड़ियों की वजन माप, शारीरिक जांच, जूडो टेक्निक वा फाईट के पश्चात धनबाद जूडो टीम का चयन किया गया जिसमें सब जूनियर (लड़के) प्रशांत हेम्ब्रम, दिवाकर कुमार शर्मा, काव्यांश कुमार, आर्यन प्रकाश, उल्लास रंजन, हर्ष कुमार, अरन्व सिंह, सिध्दार्थ सैनी, मोहित कुमार ठाकुर, संघर्ष सुमन, आदर्श राज, प्रेरित कुमार, युवराज सिंह, सत्यम सिंह, मिहिर कुमार झा,युवराज शर्मा,शिवम दे, प्रियांशु राज, राजवीर राज, लक्ष्य कुमार सिंह। सीनियर लड़के संभव कुमार, सोमनाथ भट्टाचार्यजी, अंकित कुमार, रणवीर ठाकुर, अनिकेत भारद्वाज, संजीव कुमार भारती, देव कुमार राय। लड़कियां कोमल कुमारी, अर्पणा कुमारी, अनुप्रिया लाल, मानसी कुमारी, अलफिया जोहा, लक्ष्मी कुमारी, आरती कुमारी, आरती कुमारी शर्मा हैं। चयनित खिलाड़ियों मे राजकमल स.वि.मंदिर वा धनबाद पब्लिक स्कूल हिरक ब्रांच के छात्रों की संख्या ज्यादा है।सभी चयनित जूडोका २५ दिसंबर को रांची के लिए प्रस्थान करेंगें। धनबाद जिला जूडो संघ के अध्यक्ष शैयद मतलूब हाशमी, कोषाध्यक्ष विनय रिटोलिया, दिनेश मंडल, तोराब खान, पंचम लाल शर्मा, अरूण कुमार, संजय रवानी,मनोज सिंह, गणेश कुमार सिंह ने सभी चयनित खिलाड़ियों को आने वाले राज्य प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी।

कोई भी कर्म करें तो सोच विचार कर करें : हरिप्रियानंद

कृष्ण बिहारी मिश्र

अपनी इच्छा की आपूर्ति के लिए ईश्वर को अपनी आध्यात्मिकता का रिश्वत नहीं दे सकते। अगर आप सोचते हैं कि ईश्वर को अपनी इच्छा की पूर्ति के लिए आध्यात्मिकता का हवाला देते हुए अपनी मनोकामना पूर्ण कर लेंगे तो आप पूर्णतः गलत हैं। ईश्वर ऐसी इच्छा की पूर्ति कभी नहीं करता। ये बातें आज ब्रह्मचारी हरिप्रियानन्द ने रांची के योगदा सत्संग आश्रम में आयोजित रविवारीय सत्संग को संबोधित करते हुए योगदा भक्तों के बीच कही।

उन्होंने कहा कि कर्म का सिद्धांत हमारे जीवन पर लागू होकर ही रहेगा। इससे कोई आज तक बच नहीं सका। जो हमने बोया हैं। उसे हमें ही काटना हैं। हमारे जीवन में आनेवाले सौभाग्य या दुर्भाग्य हमारे कर्मफल के ही परिणाम

हैं। हमेशा याद रखें कि ईश्वर के पास अपने भक्तों को पुरस्कृत करने के लिए अनेक तरीके होते हैं।

हरिप्रियानन्द ने कहा कि आपने देखा होगा कि कोई व्यक्ति ईश्वर पर आस्था नहीं रखते हुए भी बहुत सुखीपूर्वक जीवन गुजार रहा होता है, जबकि दूसरी ओर ईश्वर पर आस्था व आध्यात्मिकता पूर्ण जीवन जीने के बावजूद कोई व्यक्ति जीवन भर दुखी ही रहता है। इसका मतलब यह है कि कर्मफल के सिद्धांत ने किसी को सुख से भर दिया तो किसी को दुख से परिपूर्ण कर दिया।

उन्होंने कर्मफल के सिद्धांत को बड़े ही सुंदर उदाहरण देकर लोगों को समझाया। उन्होंने योगदा सत्संग पाठमाला में उद्धत एक कथा जो दो दोस्तों के बीच की हैं। उसे बड़े ही सुंदर ढंग से रखा, कि कैसे श्याम जिसको ईश्वर पर आस्था नहीं थी, फिर भी वो आनन्दमय जीवन जीया और निर्मल जिसका पूरा जीवन आध्यात्मिकता के बीच गुजरा, फिर भी वो उसका जीवन दुखमय रहा।

हरिप्रियानन्द ने कहा कि आपको अपने पूर्व जन्म में किये गये कृत्यों को हर हाल में भोगना है। कर्म क्या है? दरअसल कर्म क्रिया का एक नियम है। मानसिक या शारीरिक रुप से सचेत या अचेत अवस्था में हम जो भी करते हैं। वो ही कर्म है। जिसके परिणाम हमें इस जन्म या आनेवाले जन्म में भोगने पड़ते हैं। अगर हमने गलत किया तो उसके परिणाम निश्चित रूप से गलत होंगे और अच्छा किया तो उसके परिणाम निश्चित रुप से लाभ के रुप में प्राप्त होंगे।

उन्होंने कहा कि याद रखें कि पृथ्वी पर जब हम आये हैं तो हमें हर हाल में कर्म करना होगा। हम कर्म से मुक्त नहीं हो सकते। अगर कर्म से मुक्त होना चाहते हैं तो आपका कर्म निस्वार्थ भाव से होना चाहिए, ईश्वर को समर्पित करके होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्म के फल तुरन्त अंकुरित नहीं होते, वो समय आने पर अंकुरित होते हैं।

उन्होंने कहा कि कर्म के चार प्रकार है। पहला पुरस्कार है। दूसरा प्रारब्ध हैं। जिसके दो भाग हैं। एक संस्कार और दूसरा संचित। तीसरा परारब्ध हैजो पूर्व जन्म के अनअंकुरित बीज के रूप में होते हैं। जो भवायह होता हैं और चौथा प्रहदार है। उन्होंने कहा कि कोई भी कर्म करें। तो हमेशा सोच विचार कर करें। निःस्वार्थ भाव से करें। क्रियायोग व ध्यान का आश्रय लेकर करें। अपने अवांछनीय कर्म इसी जीवन में दूर करने का प्रयास करें। आप सभी जन्मों के श्रेष्ठ कर्मों और ईश्वरीय सम्पर्क में आकर पूर्व जन्म में किये गये बुरे कर्मों के प्रतिफलों पर विजय पा सकते हैं। इसमें कोई किन्तु-परन्तु नहीं हैं।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. ✱ पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

प्लान फोर बैटर कार्यक्रम में बच्चों ने सुनाई अपनी व्यथा

धनबाद (कासं) : गुरूगोविंद सिंह पब्लिक स्कूल के बच्चों ने कहा कि हमारे घर में पानी का नल खुला छोड़ दें, पंखा, लाइट जलता हुआ छोड़ दें तो मां पिटती हैं पर सड़क पर बहता पानी देख कर, दिन में स्ट्रीट लाइट जलता देख मन करता है कि ये करने वाले को कौन पिटेगा ? मदर हलीमा के बच्चों ने अपना दर्द बताया कि कोलियरी क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के साथ हीरापुर में रहने वाले बच्चे नहीं खेलते हैं, ना साथ खाना खाते हैं। ये नया रंगभेद शुरु हो गया है। इसी तरह कई बच्चों ने अपना दर्द बताया। मौका था मिशन एयरपोर्ट धनबाद समूह के द्वारा आयोजित प्लान फोर बैटर धनबाद कार्यक्रम का। बच्चों ने जोरदार तरीके से अपना दर्द, समस्या उपस्थित जन प्रतिनिधियों को दिखाया।

उपस्थित अतिथि गण ने बच्चों के प्रयास, परिश्रम और सोच की भूरी भूरी प्रशंसा की। सभी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभी बच्चों को हम गंदगी को करेगें का थैला और सर्टिफिकेट दिया गया। दीप प्रज्ज्वलित सरयू प्रसाद, वीरेंद्र तिवारी, ममता बनर्जी, जगनारायण सिंह , पूजा रत्नाकर ने किया। बच्चों को सर्टिफिकेट गोपाल सिंह, वी के दुबे, दिलीप कुमार सिंह, शंकर चौधरी, अर्चना मिश्रा, कल्पना झा ने दिया। उपस्थित स्कूल डी वाई पाटिल इंटरनेशनल स्कूल, गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, पी के राय कालेज, डीएवी पब्लिक स्कूल बनिया हीर, डीएवी टाटा जामाडोबा, डीएवी मॉडल स्कूल डिगवाडीह, मदर हलीमा स्कूल धनबाद्। उपस्थित अतिथि गण राजेश कुमार पांडेय, सतेंद्र महतो, वंदना सिंह, पवन सिंह, उमेश सिंह, आसिफ इकबाल, इमरान मलिक, मिलन सिंह, सनोज कुमार आदि मौजूद थे।

मालगाड़ी से कटकर व्यक्ति की मौत

धनबाद (कासं) : धनबादमोमो रेल मार्ग पर ईस्ट बसेरिया रेलवे फाटक के समीप रविवार की दोपहर एक मालगाड़ी की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जाता है कि मुकेश कुमार गुप्ता नामक व्यक्ति रेलवे फाटक के समीप जा रहे थे। तभी अचानक मालगाड़ी आ जाने से व्यक्ति के दोनों पैर कट गया। जिसके बाद जीआरपी ने घायल को इलाज के लिए धनबाद के लाया। जहां लगभग २ घंटे के इलाज के बाद व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक केंदुआ बाजार के रहने वाला बताया जा रहा है।

भारतीय रेल मैनेजमेंट की बढ़ी चौकसी

धनबाद (कासं) : भारतीय रेल में यदि आप यात्रा कर रहे हैं, तो अब आप भी बेड रोल के हकदार होंगे। कारण आधी सीट पाने वाले यात्रियों को भी पूरा बेड रोल मिलेगा। सिर्फ इतना ही नहीं, आने वाले यात्री को अलग से तकिया, कंबल और दो चादर के साथ टॉवल भी मिलेंगे। वह कोच अटेंडेंट से इसकी डिमांड कर सकते है। कोच अटेंडेंट उन्हें यह सुविधा देने के लिए बाध्य होंगे। बात सिर्फ इतनी ही नहीं है, रेलवे ने अब कंबल की धुलाई की अवधि घटाकर ३० दिनों से १५ दिन का कर दिया है। रेलवे ने बेडशीट व कंबल आदि की सुविधा में कई बदलाव किए है. यात्रियों को यात्रा के दौरान साफ-सफाई के लिए यह सब किया गया है।

फिलहाल रेलवे एसी में सफर करने वाले हर यात्री को दो बेडशीट, कवर सहित एक तकिया, एक टॉवल तथा एक कंबल देता है। अब आरएसी के यात्रियों को भी दूसरे यात्रियों की तरह पूरी सुविधा देने का आदेश निकल चुका है।

रेलवे ने स्टैंडर्ड मशीनों और ब्रांडेड रसायनों से अब कंबलों की धुलाई कर रहा है. जानकारी के अनुसार पहले रेलवे यह सुनिश्चित करता था कि एक महीने के अंदर कंबल की धुलाई जरूर हो. लेकिन अब कंबल की धुलाई की अवधि घटाकर १५ दिन कर दी गई है।

कोच अटेंडेंट अगर यह सब सुविधा देने में आनाकानी करेंगे, तो ते रेल मदद या शिकायत पुस्तिका के माध्यम से कोई भी यात्री शिकायत कर सकता है. यह अलग बात है कि रेल यात्रा भी अब सस्ती नहीं रह गई है. ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्री भी जागरूक और सजग हो गये है। यही वजह है कि थोड़ी भी गड़बड़ी होने पर तुरंत खासकर सोशल मीडिया एक्स पर शिकायत दर्ज करा दी जाती है। इस वजह से रेल मैनेजमेंट भी चौकस हो गया है।

अवैध उत्खनन स्थल पर छापा, कोयला तस्कर फरार

धनबाद (कासं) : वन विभाग की ओर से रविवार को झरिया के पहाड़ी गोड़ा में अवैध उत्खनन स्थल पर छापामारी की गई। छापामारी होते ही कोयला तस्कर भाग निकले। वहीं दो अवैध मुहानों की भराई कराई गई।

इस दौरान एनटीएसटी जीनागोरा के कर्मी अल्कडीहा पुलिस और सीआईएसएफ बल मौजूद थी। बताया जाता है कि वन विभाग के प्रभारी वनपाल यमुना बर्मन ने कहा कि वन क्षेत्र पदाधिकारी के निर्देश पर हम लोग यहां छापामारी करने को पहुंचे है। जानकारी मिली थी कि वन विभाग की जमीन पर अवैध ढंग से मुहाना खोला गया है और कोयले की निकासी की जा रही है। यहां आने पर देखा गया कि दो मुहाने खुले हुए है। कोयला निकाल्ने की योजना बनाई जा रही थी। इसके पूर्व ही छापामारी हो गई। कोयला बरामद नहीं हुआ है।

छापामारी में वन विभाग के संतोष दत्ता, विक्की रजवार, सुमित प्रमाणिक, सुभाष चंद्र दास, अल्कडीहा ओ पी के आरके सिंह, दीपक पासवान तथा सीआईएसएफ की ओर से बीके यादव तथा बीसीसीएल की ओर से हीरानंद राउत ए एस मलिक, सीसी महतो, वीर बहादुर यादव आदि शामिल थे।

मोतियाबिंद जांच शिविर में लोगों ने कराई जांच

सिंदरी (ससे) : रविवार को शैल देवी पब्लिक स्कूल मोतीनगर, सिंदरी में हाईटेक हॉस्पिटल, मारवाड़ी महिला समिति सिंदरी एवं प्रधानाचार्य विनोद कुमार सिंह के सौजन्य से मुफ़्त मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु मोतियाबिंद जांच शिविर आयोजित किया गया। जिसमें ५७ रोगियों की जांच डॉक्टर विनीता कुमारी द्वारा की गई। समय पर हाईटेक हॉस्पिटल से संदीप गुप्ता, पूजा सोनी, रवि कुमार, मारवाड़ी महिला समिति से किरण गोयल, सीमा अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, विनिता जिंदल, शिक्षिका रुबी कुमारी, सीमा कुमारी, सुधा कुमारी, सुजाता कुमारी, विजेता कुमारी, पूनम कुमारी, रीना कुमारी एवं प्रधानाचार्य विनोद कुमार सिंह उपस्थित रहे।

विधायक अरुप चटर्जी से मिले सहिया साथी

जोड़ापोखर (ससे) : रविवार को सहिया साथी अपने प्रशिक्षक संघ के नेतृत्व में जिले के सहिया, सहिया साथी एवं बिटिटि निरसा के इंडिया गठबंधन के माले विधायक अरुप चटर्जी के कार्यालय में जाकर उनका स्वागत किया। वह अपने पूर्व मांग पत्र से अवगत कराई गई। राज्य सरकार की ओर से जो राशि बढ़ाई गई है। उनको जल्द से जल्द भुगतान कराने की मांग पत्र में सामिल हैं। विधायक अरूप चटर्जी ने एमडी से वार्ता कर दिलाने का आश्वासन दिया। मुख्य रूप से नेतृत्व कर रहे बिटिटि मनोहर आलम संगीता देवी बिपाशा महतो आदि की ओर से बताया ग्या की पिछले दिनों सभी का प्रोत्साहन राशि एवं मानदेय में बढ़ोतरी हुई है। रांची में लेटर भी आ गया है, लेकिन जिला के संबंधित द्वारा कोई ठोस पहल अभी तक नहीं की गई हैं। विधायक जी ने रांची जाकर जल्द से जल्द दिलाने की बात कही। सभी लोगों ने मिठाई खिलाई एवं जीत की बधाई दी गई। मौके पर नीलेमा पंडित मधुमति सिंह रूपा सिंहा, रेखा भट्ट सुनीता देवी, कुर्मी देवी गुणधार कुंभकार, ममता कुमारी दास, प्रीति कुमारी, सविता कुमारी रुक्मणी कुमारी यमुना मेहता, राखी देवी बबीता देवी आशा केसरी, ममता देवी, प्रियंका सिंह, छवि देवी गुड़िया देवी शांति देवी आदि महिलाएं उपस्थित थीं।

वासेपुर में फहीम के भाई नसीम खान पर फायरिंग

धनबाद (कासं) : रविवार देर शाम लगभग ७ बजे धनबाद शहर के वासेपुर का गैंगस्टर फहीम खान के भाई नसीम खान उर्फ शानो खान पर बाइक सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की और भाग निकले। हालांकि फायरिंग में फहीम खान का भाई बालबाल बच गये। फायरिंग और शोर सुनकर वासेपुर के अली नगर से दर्जनों की संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे। फायरिंग करने वालों की खोजबीन की गई, लेकिन वे लोग तेज रफ्तार से इलाके से निकल चुके थे। घटना की खबर पाकर बैंक मोड़ और भूली थाना की पुलिस भी पहुंच गई। फायरिंग की घटना को रंगदारी और जमीन विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। लोगों के बीच चर्चा है कि इस घटना के पीछे प्रिंस खान का हाथ हो सकता है। फिलहाल पुलिस नसीम खान और उसके रिश्तेदारों से पूछताछ कर रही है। घटना को लेकर इलाके में तरहतरह की चर्चा हो रही है।

महिला तालाब में डूबी, मौत

धनबाद (कासं) : शहर के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत लाहबनी धैया में रविवार की शाम तालाब में डूबने से एक महिला की मौत हो गई। बताया जाता है कि मृतक महिला का नाम मुन्नी देवी है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि काली मंदिर लाहबनी के समीप एक तालाब में महिला कपड़ा धोने गई थी। जिसके बाद महिला के घर नहीं लौटने पर परिजन खोजबीन में निकले। ख़ोजबीन के दौरान महिला को तालाब में उपलता दिखा। जिसके बाद परिजन महिला को आननफानन में इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच लाया गया। जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया गया है।

खेल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 8 को

धनबाद (कासं) : डॉ राजशेखर सिंह की अध्यक्षता में रविवार को बैठक हुई, जिसमें ८ दिसंबर को आयोजित खेल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, ऑन लाइन होगी जिसका आयोजन क्रीड़ा भारती द्वारा किया जाएगा। इसमें भाग लेने के लिए प्रतियोगिता में १२ वर्ष से २५ वर्ष तक बच्चे भाग लेकर इस प्रतियोगिता में २० बीस रुपए का शुल्क देकर सम्मिलित होकर अपनी योग्यता को निखारेंगे। इस प्रतियोगिता का प्रश्न कल ५ दिसंबर को अंतिम तिथि है।

इस प्रतियोगित में क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा में प्रथम आने वाला को एक लाख, द्वितीय पुरस्कार ५० हजार, तृतीय पुरस्कार २५ हजार, और चतुर्थ पुरस्कार ११ हजार ११ विजेता को क्षेत्र अनुसार दी जाएगी। बताते चले कि शिक्षा प्रतियोगिता खेल से जुड़े सभी छात्र छात्राओं को खेल ओर क्रीड़ा भारती से जुड़े होने से नौकरी कॉलेज और संस्थान में लाभ मिलती है। आज बैठक में अध्यक्ष जिला ग्रामीण सुरेश महतो मंत्री धनबाद महानगर आलोक चौधरी धर्मेंद्र कुमार सिंह, डॉ रणजीत कु सिंह वेडिंग जॉन के संस्थापक आनंद धनबाद महानगर क्रीड़ा, रामसिंह जी, अश्विनी कुमार दत्ता, विश्वनाथ सिंह प्रदीप कुमार सिंह अशोक निषाद ज्योति लाल महतो आलोक सर हीरा लाल प्रधान हेमंत कुमार महिपाल कुमार आदि शामिल हुए।

गया पुल पर ओवरब्रिज बनाने की मांग

धनबाद (कासं) : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रतिनिधि मनोज यादव (अधिवक्ता) ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर धनबाद श्रमिक चौक स्थित गया पुल में लग रहे जाम से निजात दिलाने के लिए जल्द ओवरब्रिज या दूसरा अंडरपास बनाने की मांग की। आगे उन्होंने कहा कि धनबाद श्रमिक चौक स्थित गया पुल में लग रहे जाम जिला की मुख्य ज्वलंत समस्या है, गयापुल में लग रहे जाम के चलते बैंक मोड़ से पूजा टॉकीज तक प्रतिदिन घंटो जाम की स्थिति बनी रहती है और धनबाद की जनता इस जाम से त्राहिमाम कर रहे हैं इस जाम के कारण मरीजों का एंबुलेंस एवं बच्चों से भरा स्कूल बसें घंटों घंटों तक फंसे रहता हैं। श्रमिक चौक गया पुल अंडर पास नया बाजार बैंक मोड फ्लाईओवर में जगहजगह गड्ढे बन गए हैं,अक्सर इस जाम एवं गड्ढों के कारण प्रतिदिन दुर्घटनाएं घटते रहती है। साथसाथ उक्त गया पुल अंदर से काफी जर्जर एवं उसमें बहुत जगहों में दरारें पड गई हैं, इसमें अविलंब संज्ञान नही लिया तो निश्चित रूप से आये दिन बडी दुर्घटना घट सकती हैं। धनबाद की जनता वर्षो से इस ज्वलंत जाम की समस्या को झेल रही है पर उन्हें सुधि लेने वाला कोई नहीं है,गया पुल जाम की इतनी बड़ी समस्या होने के बावजूद रेलवे विभाग हाथ पर हाथ धरे बैठा है! रेलवे विभाग ने अब तक इस समस्या का किसी प्रकार कोई सकारात्मक संज्ञान लिया है। आगे उन्होंने कहा कि इस जाम संबंधित समस्या का निराकरण करने को लेकर मैं रेल मंत्री के साथसाथ धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो एवं धनबाद के विधायक राज सिन्हा से आग्रह करता हूं कि गया पुल में ओवरब्रिज/अंडरपास का अविलंब निर्माण कराया जाए, अन्यथा कांग्रेस पार्टी वाध्य होकर सड़क पर उतर कर गया पुल ओवरब्रिज/अंडरपास की मांग को लेकर धरनाप्रदर्शन करेगी।

रेल कर्मचारियों ने निकाला मोटरसाइकिल जुलूस

धनबाद (कासं) : ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन धनबाद द्वारा रविवार को धनबाद शाखा दो से सुबह चुनावी जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत रेल कर्मी भारी संख्या में मोटरसाइकिल जुलूस निकाला। जो बेकार बांध ,हिल कॉलोनी,डी एस कॉलोनी, कॉलोनी,कोचिंग डिपो, पावर हाउस, तेतुलतला कॉलोनी, लोअर मटकुरिया, रांगा टांड कॉलोनी और धनबाद के सभी बड़े छोटे रेल कॉलोनी में प्रदर्शन करते हुए शाखा एक पहुंचे।

इस मोटर साइकिल जुलूस मे नेताजी सुभाष, सोमेन दत्ता, एन के खवास, जितेन्द्र कुमार साव, बी के दुबे, आर के सिंह, परमेश्वर कुमार, मृगभूषण सिंह, मो ज़फर सिद्धिकी, सी.एस.प्रसाद इजहार आलम, विमान मंडल, अजय कुमार सिन्हा, सुरेन्द्र कुमार चौहान, अमरजीत यादव, धीरज कुमार, संतोष गोंड, अजमुदीन अंसारी, प्रदीप मंडल, सागर पासवान, अरूण कुमार, नवीन कुमार,संजीत कुमार, पिंटू नंदन, रंजीत यादव, भानु प्रकाश बी के दुबे, रविंदर रवानी, राजीव कुमार, शिव जी प्रसाद, बी बीआज़ाद, चंद्रशेखर, राजकुमार, मिथलेश, अमित कुमार, अशोक कुमार और बिस्वजीत मुख़र्जी शामिल थे।

वेतन की मांग को लेकर झामाडा कर्मचारियों का प्रदर्शन

जोड़ापोखर (ससे) : चार महीने से वेतन न मिलने से नाराज झमाडा तथा नगर निगम के कर्मचारी व मजदूर रविवार को अमलेश कुमार तथा सुभाष रावत के नेतृत्व में वेतन की मांग को लेकर जामाडोबा झमाडा वाटर बोर्ड जल संयंत्र कार्यालय में एमडी सह नगर आयुक्त रवि राज शर्मा के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान वेतन नही तो काम नहीं का नारेबाजी किया। कर्मचारियों ने अधिकारियो पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। सुभाष रावत ने कहा की पहले का वेतन तो अभी तक नहीं मिला है, इधर सितम्बर माह से लगभग २०० कर्मचारियों का वेतन रोक कर रखा गया है। कुल ३० महीने का वेतन अभी तक बाकी है।

झमाडा एमडी सह नगर आयुक्त से वेतन की मांग कई बार की जा चुकी है, परन्तु सिर्फ आश्वाशन दिया जाता है। हर बार एमडी के तरफ से एक दो दिन में वेतन देने की बात कही जाती है, परन्तु नतीजा कुछ नहीं निकलता है। वेतन नहीं मिलने से हमलोगों के समीप भुखमरी की स्थिति बन गई है। बच्चो की फ़ीस तथा घर का राशन पर आफत आ चुकी है। उन्होंने कहा की अगर सभी कर्मचारियों का वेतन दो दिनों के अन्दर नहीं की जाती है तो मजबूरन हमलोग हड़ताल के लिए बाध्य होगे। जिसकी सारी जिम्मेवारी झमाडा तथा नगर निगम के उच्च अधिकारियो की होगी। हम ही लोग प्लांट चलते है और हमें ही वेतन नहीं मिलता है। अधिकारी को वेतन मिलता रहता है, लेकिन मजदूर की सुनने वाला कोई नहीं है।

बताते चले की धनबाद जिले के झरिया के जामाडोबा स्थित झमाडा जल संयंत्र केंद्र से लाखो की आबादी को पीने का पानी का उपलब्ध कराने वाले कर्मचारी तथा मजदूर का आर्थिक स्थिति को आज देखने वाला कोई नहीं है।

झरिया के लोगो को पानी की किल्लत न हो इसके लिए दिन रात मेहनत करते है। इसके बावजूद झमाडा तथा नगर निगम के उच्च अधिकारियो के उदासीन रवैये के कारण कई महीनो से वेतन न मिलने पर यहाँ के कर्मचारी आज भुखमरी के कगार पर पहुँच गए है। विरोध प्रदर्शन में सुभाष रावत, अमलेश कुमार, सोहराय महतो, सुभाष, जमील अख्तर, निमाई रवानी, सुरेंद्र यादव, राजेश महतो, सोनू तुरी, रौशन वर्णवाल, अखिलेश यादव, नासिर अंसारी आदि थे।

वेतन नहीं मिलने से नाराज कर्मचारी हड़ताल की चेतवानी दिया है। अगर हड़ताल होती है तो झरिया सहित धनबाद के लाखो लोगो को एक बार फिर पानी की किल्लत का सामना करना पड़ सकता है, जबकि कर्मचारी साफ कह दिया है की वेतन नहीं तो काम नहीं करेगे।

झारखण्ड के उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद झामाडा के अधिकारी की लापरवाही के कारण कर्मचारी को पिछले चार महीनो से वेतन नही मिला है। जबकि उच्च नयायालय का साफ आदेश है की कर्मचारियों का वेतन समय से दिया जाय। इसके अलावा पीएफ का जो भी पैसा बकाया है, हर महीने ५० हजार रूपये का भुगतान किया जाय। लेकिन जब कर्मचारी वेतन तथा पीएफ के पैसे की मांग करते है तो सिर्फ आश्वाशन मिलता है। अधिकारी उच्च न्यायलय का आदेश को भी नहीं मानते है।

ब्लास्टिंग से उत्पन्न खतरों पर संगोष्ठी

जोड़ापोखर (ससे) : खान सुरक्षा महानिदेशालय द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम लोदना गेस्ट हाउस में रविवार को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मनोज साहू और डिप्टी डायरेक्टर माइंस सेफ्टी रीजन टू ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ब्लास्टिंग से संबंधित खतरों के बारे में जागरूकता फैलाना था। इसके अलावा, ट्रांसपोर्ट मैगज़ीन में सावधानियाँ और उपयोग के तरीकों पर भी चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में ईजे एरिया के ब्लास्टिंग ऑफिसर, ब्लास्टिंग क्रू मैनेजर एजेंट और क्षेत्र के तीनों जायरामपुर, कुजामा और एनटीएसटी के सभी लोगों ने भाग लिया। लगभग पचास लोगों ने इस संगोष्ठी में भाग लिया और डीजीएमएस द्वारा दिए गए सुझावों से लाभान्वित हुए।

संपादकीय

गठबंधन में असमंजस की स्थिति से लग रहीं अटकलें

गठबंधन में चुनाव जीत कर बहुमत हासिल करने पर अक्सर मुख्यमंत्री पद को लेकर असमंजस की स्थिति बन जाती है। फिर, गठबंधन धर्म का निर्वाह और सहयोगी दलों के साथ सौहार्दपूर्ण समीकरण बिठाने में कई बार कठिनाई पेश आती है। महाराष्ट्र में भाजपा के सामने भी वही स्थिति है। वहां उसने एकनाथ शिंदे की अगुआई वाली शिवसेना और अजित पवार की अगुआई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ मिल कर चुनाव लड़ा था। सबसे अधिक सीटें भाजपा को मिलीं। स्पष्ट बहुमत से महज तेरह सीटें कम। इस लिहाज से मुख्यमंत्री पद पर उसी का हक बनता है। शुरू में एकनाथ शिंदे ने जरूर कुछ दबाव बनाने का प्रयास किया था, मगर आखिरकार उन्होंने भी भाजपा का नेतृत्व स्वीकार कर लिया। इस तरह भाजपा के लिए रास्ता साफ हो गया और देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे माना जाने लगा। मगर दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक के बाद भी मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की जा सकी। चुनाव नतीजों के सात दिन बाद भी इस मामले में निर्णय न लिए जा सकने से स्वाभाविक ही तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

पिछली सरकार में काफी उथल-पुथल बनी रही। तब शिवसेना के साथ मिल कर भाजपा ने चुनाव लड़ा था, मगर चुनाव नतीजों के बाद शिवसेना ने पाला बदल लिया और कांग्रेस तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस से हाथ मिला कर महाअघाड़ी की सरकार बना ली थी। फिर शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस में बड़ी टूट हुई और इन दलों के नेताओं ने भाजपा के साथ मिल कर एकनाथ शिंदे की अगुआई में सरकार बना ली थी। संभव है, वहां उलट-फेर की आशंका भाजपा को अब भी सता रही होगी, इसलिए वह नई सरकार के गठन में किसी भी तरह सहयोगी दलों को असंतुष्ट नहीं रखना चाहती। फिर, जातियों का समीकरण भी उसे साधना है। वह मराठा दबदबे से अलग पिछड़े और दलित वर्ग में पैठ बनाना चाहती है।

मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हरियाणा के विधानसभा चुनावों के बाद जिस तरह इन वर्गों को संतुष्ट करने का प्रयास किया, उससे यह कयास स्वाभाविक रूप से लगाया जाने लगा है कि महाराष्ट्र में भी भाजपा कोई हैरान करने वाला फैसला कर सकती है। राजनीति में केवल सरकार बना लेना महत्त्वपूर्ण नहीं होता, सरकार के माध्यम से अपने जनाधार का विस्तार करना भी होता है। भाजपा इसी रणनीति पर काम कर रही है।

मगर सरकार के गठन में देरी से प्रशासनिक कामकाज पर प्रतिकूल असर पड़ता है। मतदाता उन वादों को अमली जामा पहनते देखना चाहते हैं, जो चुनाव प्रचार के समय विजेता पक्ष ने किए थे। प्रशासनिक अमला इंतजार करता रहता है कि नई सरकार निर्देश दे कि उसे किन मसलों को तरजीह देना है और किन मसलों को मुल्तवी करना है। महाराष्ट्र आर्थिक रूप से समृद्ध राज्यों में शुमार है, इसलिए वहां सरकार गठन में होने वाली देरी का असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है।

यह ठीक है कि गठबंधन में संतुलन साधना कठिन होता है, मगर महाराष्ट्र में ऐसी कोई अड़चन नजर नहीं आती। भाजपा को ही अपने असमंजस से बाहर निकलना है। चूंकि वह बड़ी पार्टी है, उसे सहयोगी दलों के साथ उदारता पूर्वक व्यवहार करना और उनके सहयोग का सम्मान करना होगा, तभी महायुति की टिकाऊ और भरोसेमंद सरकार बन सकेगी। पहले ही महाराष्ट्र काफी उठा-पटक झेल चुका है, उसे राजनीतिक स्थायित्व की जरूरत है।

प्रदूषण की आग से घुट रहीं विकासशील देशों की सांसें

विकासशील देशों में प्रदूषण ने इंसान के सामने कैसी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, यह सब जानते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस समस्या से लड़ने के लिए बैठकें होती हैं, हर वर्ष नए उपाय बताए जाते हैं। मगर विडंबना है कि इस समस्या की गंभीरता और इसके कारणों के बिल्कुल स्पष्ट होने के बावजूद उससे निपटने के लिए ठोस कदम उठाना जरूरी नहीं समझा जाता। यही वजह है कि अब इस समस्या के बहुते दायरे ने व्यापक तबाही के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। हालांकि हवा में जहर घुलने से कई तरह की बीमारियों की चपेट में लोगों के आने के तथ्य एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं और इस हकीकत से मुंह मोड़ना अब संभव नहीं रह गया है। मगर हाल के वर्षों में जंगलों में लगने वाली आग की वजह से हवा में जो प्रदूषण घुल रहा है, उससे भारी संख्या में लोगों की जान जा रही है। स्वास्थ्य पत्रिका 'द लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन में इससे संबंधित जो ब्योरा सामने आया है, वह इसकी गंभीरता को रेखांकित करने के लिए काफी है।

गौरतलब है कि जंगलों और घास के मैदानों में लगने वाली आग और प्रदूषण से सांस संबंधी बीमारियों के कारण हर वर्ष लगभग साढ़े चार लाख लोगों की जान चली जाती है। इनमें नब्बे फीसद से ज्यादा मौतें निम्न और मध्यम आयवर्ग वाले देशों में होती है। अध्ययन में आशंका जताई गई है कि जंगल में आग की घटनाओं में बढ़ोतरी के साथ-साथ मरने वालों की संख्या में भी इजाफा होता जाएगा। ऐसी समस्या से निपटने के लिए विकसित देशों की ओर से विकासशील देशों को आर्थिक और तकनीकी मदद उपलब्ध कराने की जरूरत पर जोर दिया जाता रहा है, लेकिन समृद्ध देश हर ऐसे मौके पर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। हैरानी की बात है कि विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में चरम विकास के दौर में भी जंगल में आग की घटनाओं से बढ़ोतरी के साथ-साथ मरने वालों की संख्या में भी इजाफा होता जाएगा। ऐसी समस्या से निपटने के लिए विकसित देशों की ओर से विकासशील देशों को आर्थिक और तकनीकी मदद उपलब्ध कराने की जरूरत पर जोर दिया जाता रहा है, लेकिन समृद्ध देश हर ऐसे मौके पर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। हैरानी की बात है कि विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में चरम विकास के दौर में भी जंगल में आग की घटनाओं से पार पाना एक चुनौती बनी हुई है। सवाल है कि जब तक इस समस्या पर प्राथमिकता के साथ काम नहीं किया जाएगा, तब तक इसके हल का रास्ता निकालना कैसे संभव होगा!

आज का कार्टून

जीत और गठबंधन की मृगमरीचिका में आखिर कब तक भटकेगी कांग्रेस?

कमलेश पांडे

कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका देशव्यापी जनाधार है। लेकिन वह जीत और गठबंधन की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी, यह एक यक्ष प्रश्न है? आखिर कमजोर सियासी बैशाखियों के सहारे उसकी जीत कितना मुकम्मल कहलाएगी और स्थायी बन पाएगी, यह उससे भी ज्यादा विचारणीय पहलू है। वैसे भी जब कांग्रेस विभिन्न महत्वपूर्ण राज्यों में क्षेत्रीय दलों की वैशाखी ढूंढती है या फिर मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो मुझे इसके रणनीतिकारों पर तरस आती है। ऐसा इसलिए कि मैंने भू-जमींदारी देखी है, जहां पर लोग अपनी जमीनें ठेके या बंटाईदारी पर देकर अनाज और पैसे दोनों लेते हैं। ठीक उसी तरह से आज कांग्रेस के रसूखदार और धन्नासेठ नेता पार्टी संगठन में पद और चुनावी टिकट देने के वास्ते वोट और पैसा दोनों लेते/लिवाते हैं, यह जानते हुए भी कि सामने वाला न तो उनका जनाधार बढ़ा पाएगा और न ही चुनाव जीत/जीतवा पाएगा। ऐसा वो सिर्फ इसलिए करते हैं कि सामने वाला अमीर है, वफादार है, पिछलग्गू भर है या फिर निहित समीकरण वश किसी ने उसकी सिफारिश की है। बेशक कुछ अपवाद भी हो सकते हैं, लेकिन वही जिनके नेहरू-गांधी परिवार से ठीकठाक सम्बन्ध हैं।

अब बात पते की करते हैं। जैसे एक शातिर बंटाईदार अपने भूस्वामी की भूमि पर भी कब्जा कर लेता है और इसमें जब वह असफल होता है तो जमीन मालिक से कम कीमत में उसकी रजिस्ट्री करवाना चाहता है। अनुभवहीन भूस्वामियों को ऐसा करते हुए भी देखा सुना है। ठीक इसी प्रकार लालू प्रसाद और स्व. मुलायम सिंह यादव जैसे नवसियासी बटाईदारों ने कांग्रेस के साथ किया और आज क्षेत्रीय सियासी जमींदार बन बैठे हैं। ऐसा इसलिए सम्भव हो सका, क्योंकि निहित स्वार्थवश पीवी नरसिम्हाराव यही चाहते थे! उनके तिकड़म को सोनिया गांधी नहीं समझ सकीं!

वहीं, आज जब राहुल-प्रियंका गांधी की कांग्रेस की रीति नीति देखता हूँ तो इनकी राजनीतिक जमींदारी के ह्रास को महसूस भी करता हूँ। कांग्रेस माने या न माने, लेकिन समाजवादी, वामपंथी और राष्ट्रवादी सियासी जमींदारों ने उसकी राजनीतिक जमींदारी को क्षत-विक्षत करने में अहम भूमिका निभाई है और हैरत की बात यह है कि वह समझ नहीं पाई और नादान बनी रही। जबकि इसके खिलाफ ठोस और जमीनी रणनीति बनानी चाहिए। जैसे कि उसके बाद जन्मी भाजपा ने किया है।

माना कि सत्ता प्राप्ति के लोभ में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन यानी यूपीए/महागठबंधन की सोच तो सही है, लेकिन इनके इशारे पर कांग्रेस संगठन को हांकना कतई सही नहीं है। कांग्रेस इससे इंकार कर सकती है, लेकिन वह आज इसी की पूरी सियासी कीमत अदा कर रही है। आज वह सत्ता में नहीं है, फिर भी उन्हीं लोगों से सहारा ढूंढ रही है, जो उसकी सियासी पतन के लिए कसूरवार हैं। चूंकि मैंने एआईसीसी/बीजेपी/तीसरे मोर्चे को कवर किया है, इसलिए दावे के साथ कह सकता हूँ कि कांग्रेस के अंग्रेजी भाषी दलाल नेताओं ने उसके जमीनी नेताओं को भाजपा या क्षेत्रीय दलों में जाने के लिए अभिशप्त कर दिया। चूंकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए वो अपने व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इस बात में कोई दो राय नहीं कि किसी भी स्थापित दल को चलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय लायजनरों की जरूरत पड़ती है, लेकिन इनके निहित स्वार्थों के ऊपर यदि ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जनाधार रखने वाले नेताओं की उपेक्षा की जाएगी तो फिर वोट कहाँ से आएगा, यह सोचने की फुर्सत सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के पास नहीं होगी।

अतीत पर नजर डालें तो एक जमाना था जब गांव-गांव में कांग्रेस के मजबूत शुभचिंतक थे, लेकिन पार्टी की अव्यवहारिक रीति-नीति के चलते वह इससे दूर होते चले गए। दो टूक कहें तो भाजपा में या क्षेत्रीय दलों में शिफ्ट हो गए। ऐसे में आज कांग्रेस के पास सिर्फ उन धनपशुओं की टोली बची है, जिनको दूसरी राजनीतिक पार्टियां कभी तवज्जो नहीं देतीं। इनका काम कांग्रेस की सत्ता और संगठन के बड़े नेताओं के शाही खर्चों का इंतजाम करना भर है और इसलिए इनके समर्थक ब्लॉक, जिला, राज्य व राष्ट्रीय संगठनों पर हावी हैं। चूंकि इनका कोई जनाधार नहीं है और ये जनाधार वाले कार्यकर्ताओं को तवज्जो नहीं देते, इसलिए कांग्रेस खत्म होती चली गई। वहीं, जब से क्षेत्रीय कांग्रेस के नेता अस्तित्व रक्षा के लिए बिहार में राजद प्रमुख लालू प्रसाद व तेजस्वी यादव तथा उत्तरप्रदेश में सपा प्रमुख स्व. मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव जैसे मजबूत नेताओं के इशारे पर काम करने लगे, तब से पार्टी संगठन की स्थिति और अधिक दयनीय हो गई। आलम यह है कि कांग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टी, जिसे देश की आजादी का श्रेय प्राप्त है, जब जनजीवन व राष्ट्रीय हितों से इतर प्रमुख जातीय, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय समीकरणों पर खेलने लगी, तो उसकी जोड़-तोड़ से सत्ता तो बदलती रही, परंतु जनाधार छीजता चला गया। क्योंकि उसके प्रति निष्ठावान रहे प्रतिभाशाली पेशेवर, कारोबारी, प्रशासक और समाजसेवी आदि उससे दूर होते चले गए। चूंकि पहले क्षेत्रीय दलों और उसके बाद भाजपा ने उन्हें तवज्जो दी, इसलिए वो सब इनके साथ जुड़ गए, जिससे इन्हें अप्रत्याशित मजबूती मिली और कांग्रेस को कमजोरी मुबारक हुई। अब जब कांग्रेस की टूकाँपी भाजपा बनती जा रही है तो भी कांग्रेस के थिंक टैंक को असली मुद्दे समझ में नहीं आ रहे हैं। शायद उसकी इसी मनोवृत्ति पर चोट करते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि कांग्रेस को पुराने ढर्रे की राजनीति बंद करनी होगी और नए ढर्रे बनाने होंगे। अन्यथा सियासी सफलता मुश्किल है। लिहाजा कांग्रेस की इसी कमजोरी को मजबूती में बदलने का आह्वान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने किया है।

हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी और गठबंधन की हुई करारी हार के बाद हुई पहली कांग्रेस वर्किंग कमिटि की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दो टूक कहा कि अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि इन दोनों ही राज्यों में महज चंद महीने पहले पार्टी का प्रदर्शन काफी संतोषजनक रहा था। लेकिन अब जो नई दुर्गति सामने आई है, वह हमें नए सिरे से सोचने पर मजबूर करती है।

बता दें कि 29 नवंबर 2024 शुक्रवार को हुई कांग्रेस के सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई की इस समीक्षा बैठक में खरगे के अलावा तमाम सीनियर नेता, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद थीं। हालांकि बैठक खत्म होने से पहले ही राहुल और प्रियंका निकल गए। इसी मीटिंग में मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के नेताओं के सामने जहां एक ओर इस निराशाजनक प्रदर्शन के लिए तमाम वजहों को गिनाया, वहीं उन्होंने ईवीएम का मुद्दा भी उठाया।

खरगे का दो टूक कहना है कि पार्टी में अनुशासन की कमी और पुराने ढर्रे की राजनीति के जरिए जीत नहीं मिल सकती। क्योंकि कांग्रेस के भीतर आपसी गुटबाजी एक स्थायी भाव बन चुकी है। उन्होंने इस ओर इशारा करते हुए कहा कि आपसी एकता की कमी और एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी हमें काफी नुकसान पहुंचाती है। जब तक हम एक हो कर चुनाव नहीं लड़ेंगे, आपस में एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी बंद नहीं करेंगे, तब तक अपने विरोधियों को राजनीतिक शिकस्त नहीं दे पाएंगे। इसलिए हमें हर हाल में एकजुट रहना होगा।

वहीं, उन्होंने पार्टी में अनुशासन पर जोर देते हुए संकेत दिया कि पार्टी के लोग अपने स्तर पर अनुशासन में बंधें। वैसे तो पार्टी के पास अनुशासन का हथियार है, लेकिन हम नहीं चाहते कि अपने साथियों को किसी बंधन में डालें। वहीं, खरगे ने कांग्रेस की एक और बड़ी कमी की ओर इशारा करते हुए कहा कि पार्टी अपने पक्ष के माहौल को नहीं भुना पाती। उनका कहना था कि चुनावों में माहौल हमारे पक्ष में था। लेकिन केवल माहौल पक्ष में होना भर ही जीत की गारंटी नहीं होती। इसलिए अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि पार्टी में अनुशासन की कमी है। पार्टी के भीतर आपसी गुटबाजी एक स्थायी भाव बन चुकी है।सच कहूं तो लोकसभा चुनाव के बाद दो राज्यों में पार्टी की हुई करारी हार के बाद शुक्रवार को सीडब्ल्यूसी मीटिंग में खरगे द्वारा पार्टी की हार की वजहों का जिक्र कोई पहला मौका नहीं था, जब पार्टी ने अपनी कमियों की ओर इंगित किया हो। यह कड़वी सच्चाई है कि कांग्रेस समस्या जानती है, उसका निदान और उपचार भी जानती है, लेकिन इसके लिए जो इच्छा शक्ति की जरूरत होती है, वह पार्टी नेतृत्व में नजर नहीं आती। यही वजह है कि 2014 के आम चुनाव के बाद असेंबली चुनावों में पार्टी की हो रही लगातार हार के बाद 2016 में कांग्रेस के तत्कालीन महासचिव दिग्विजय सिंह ने पार्टी में मेजर सर्जरी की जरूरत बताई थी। लेकिन हुआ कुछ नहीं। उल्टे जी-23 में से ज्यादातर को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। इसलिए अब यह देखना दिलचस्प होगा कि खरगे द्वारा पार्टी की कमियों की ओर किया गया यह इशारा क्या वाकई पार्टी और नेताओं के भीतर कोई बदलाव लाएगा? क्या पार्टी अनुशासन की ब्लेड से मेजर सर्जरी कर पाएगी या फिर यह भी बस एक महज खानापूर्ति बन कर रह जाएगा? क्योंकि खरगे का यह सुझाव सही है कि हमें माहौल को नतीजों में बदलना सीखना होगा।

दौलत और दिखावे की दौड़ में हाशिये पर संवेदनशीलता

'चेन-केन-प्रकारेण मेरे पास पर्याप्त दौलत आ जाए, चुपचाप से छल कपट कर लूंज मेरा मतलब सिद्ध हो जाए, मुझे लाइन में इंतजार न करना पड़ जाएज मेरे घर के सामने कचरा न होज मैं बाहर से अच्छा और संभ्रांत नजर आऊं..!' इस तरह के चिंतन मनन और ऐसी मनोवृत्ति ने ही आज की सुविधाभोगी पीढ़ी को भर-भर कर अवसाद, कुंठा और उदासी दी है। एक बार फिर से हर घर में कबीर को सुनना चाहिए कि मानव अपने लालच के फंदे में फंसी वह मछली है जो जल में रहकर भी प्यासी है। यह अपने भीतर झांकने और आत्मचिंतन के लिए समय निकालने का समय है। हमें जाग जाना चाहिए।

पूनम पांडे

मनुष्यता को बचाने की लड़ाई हर सभ्यता में दर्ज है। वहां से चलते हुए मनुष्य आधुनिक होते हुए आज तकनीकी पर इतना निर्भर हो चला है कि अपने आपको ज्यादा से ज्यादा आराम देना चाहता है। मगर इसके समांतर हुआ क्या है? ऐसा लगता है कि मशीनी बोझ के तले सांस ले रहा इंसान आज खुद भी एक मशीन-सा ही हो चला है। ऐसी मशीन, जो बढ़िया चमक-दमक के साथ चलती जाती है। उसकी अपनी कोई विचारधारा नहीं होती। उसमें न अहसास होते हैं, न भावुकता। यहीं पर दिखावा नामक नकारात्मक सोच बलवती हो जाती है। आज के इस अनूठे समय में बहुत सारे लोगों के पास आडंबर और शोशेबाजी के लिए तो समय निकल आता है, लेकिन आत्मविकास और आत्म-उन्नयन के नाम पर उनकी समय की कमी महसूस होती है। अपनी सोच और जीवनशैली को दुरुस्त करने की बात भी उनसे कहीं जाए तो वे टाल दिया करते हैं।

एक बार आभासी दुनिया के झरोखे से देख लिया जाए तो पता चलेगा कि मनुष्य के पास फालतू और अनगल चीजों के लिए उमंग है और फुर्सत भी। मेट्रो में रील बनाई जा रही है। रेलवे प्लेटफार्म पर कुछ लोग नाच-कूद रहे हैं। मगर प्लेटफार्म पर चाय-समोसे बेच रही किसी

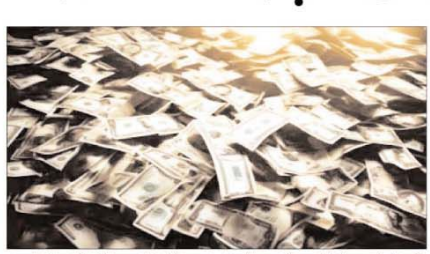

बुजुर्ग महिला से कोई इतना भी नहीं पूछना चाहता कि माताजी, आपको भरण-पोषण के लिए हर रोज इतना काम करना पड़ रहा है? बताइए अपनी कहानी अपना दुखड़ क्या हम कुछ कर सकते हैं..!

ऐसी तकलीफ कोई नहीं उठाना चाहता। कोई गलती से भी इस मजबूरी से गुजर रही महिला का दुख या कष्ट नहीं बांटना चाहता है। हमारे बुजुर्ग कहते थे कि अपने आसपास जो भी घटित हो रहा है, उसे गौर से देखा करो। उसका तुमसे भी कोई नाता है। मसलन कहीं भूख-गरीबी बीमारी है तो अनदेखा मत करो। कोई अगर करीब का परेशान है तो उसे सिर टिकाने के लिए अपना कंधा दो। उसका मन हल्का होने दो। अपनी तरफ से कुछ भी योगदान हो, जिससे आसपास का परिवेश सौहार्दपूर्ण हो, तो ऐसा किया करो। मगर इन बेहद जरूरी मुद्दों को खंगालने, संवारने, सुधारने, फैलाने और उस पर विचार करने आदि के लिए लोगों के पास वक्त नहीं है।

कई बार बेबसी होती है, कई बार चमक-दमक में फंसने के बाद जरा सरल होकर जीवन की गली से होकर गुजरने का भाव भी पैदा ही नहीं होता। हालांकि संसार को आज संवेदनशील तथा मानवीय भावना के विकास की बहुत आवश्यकता है, लेकिन मतलबीपन, तंगदिली या आडंबर के खेल में अत्यधिक रमने के कारण हम इस बात पर विशेष या उतना ध्यान नहीं दे पाते, जितना इस संसार को अच्छा बनाने के लिए जरूरी होता है। निश्चित रूप से मानव कहलाने योग्य वे ही हैं जो बात नहीं, कर्म करके किसी दुखी के चेहरे पर हंसी और खुशी लाने की सोच रखते हैं।

आज तो पाठशाला और पाठ्यक्रम भी इस तरह के कारोबारी हो गए हैं कि पांच साल का बालक भी जल्दी-जल्दी रुपए कमाने के सपने देखता है। किसी ने कितनी प्यारी बात कह दी है कि ऐसा कोई विद्यालय हो तो बताना, जहां बच्चों को पैसा कमाने की मशीन नहीं, संस्कार, सुविचार और विश्व बंधुत्व का पाठ पढ़ाया जाता हो। आज के असुरक्षित सामाजिक-आर्थिक परिवेश में अभिभावक भी अपनी संतान को चट पढ़ाई और पट दौलत का ही सूत्र रटाए जाते हैं। यह नहीं सोचते कि अपनी औलाद को ऐसा बनाया जाए, जहां मन और आत्मा अच्छे विचारों के आधार पर पुष्पित और पल्लवित हो। कितने ही अभिभावक अपने किशोर होते बच्चे से यह कहते हुए मिल जाते हैं कि बेटा तुम किसी पर भरोसा न करनाज किसी की बात में मत आना।

इस धरती पर तुम ही मनुष्य हो, बाकी की मनुष्यता तो खो गई है। मगर यह सब रटाते हुए अभिभावक मन ही मन यह कामना भी करते रहते हैं कि उनके बच्चे पर सारा संसार भरोसा करे। उनके बच्चे को सबसे ईमानदार और सच्चा मान ले। यह कैसी उलटबांसी है। जिस पेंसिल से वे बाकी लोगों का खराब छवि बनाकर दिखा रहे हैं, जरा उसी से अपनी शक्ल भी बनाकर ठीक से देख लेते। इसीलिए यह जगत विरोधाभास का शिकार हो रहा है। हम सब अच्छे और सुखद दुनिया तो चाहते हैं, लेकिन उसे तैयार करने के लिए कौन, कैसे बीड़ा उठाएगा, यह सवाल दूसरे के पाले में ही जाता हुआ प्रतीत होता है।

'येन-केन-प्रकारेण मेरे पास पर्याप्त दौलत आ जाए, चुपचाप से छल कपट कर लूंज मेरा मतलब सिद्ध हो जाए, मुझे लाइन में इंतजार न करना पड़ जाएज मेरे घर के सामने कचरा न होज मैं बाहर से अच्छा और संभ्रांत नजर आऊं..!' इस तरह के चिंतन मनन और ऐसी मनोवृत्ति ने ही आज की सुविधाभोगी पीढ़ी को भर-भर कर अवसाद, कुंठा और उदासी दी है। एक बार फिर से हर घर में कबीर को सुनना चाहिए कि मानव अपने लालच के फंदे में फंसी वह मछली है जो जल में रहकर भी प्यासी है। यह अपने भीतर झांकने और आत्मचिंतन के लिए समय निकालने का समय है। हमें जाग जाना चाहिए। हम किस तरह की दिनचर्या में जी रहे हैं। मतलबीपन को अपनी सोच से उखाड़ फेंकने का संकल्प आज ही लेना चाहिए। इसे हर समय याद करने की जरूरत है कि मनुष्य वही है, जो मनुष्य के लिए मरे।

अनुमंडल स्तरीय व्यवहार न्यायालय स्थापना की मुख्यमंत्री करें पहल : अधिवक्ता इन्द्रजीत

डुमरी (ससे): डुमरी अनुमंडल में अनुमंडल स्तरीय व्यवहार न्यायालय की स्थापना अब तक नहीं हो पाई है जिससे अनुमंडल क्षेत्र की जनता को व्यवहार न्यायालय के लिए गिरिडीह आना जाना पड़ता है। व्यवहार न्यायालय नहीं होने के कारण जनता को दीवानी एवं फौजदारी मुकदमों के लिए भारी कष्ट उठाना पड़ रहा है,उक्त बातें डुमरी अनुमंडल अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत कुमार जायसवाल ने रविवार को पत्रकारों को जारी प्रेस बयान में कही।

उन्होंने कहा कि ०७ फरवरी २०१४ को झारखंड केबिनेट की बैठक में तत्कालीन मुख्यमंत्री झारखंड के वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड में ६ अनुमंडल के गठन की घोषणा की और डुमरी अनुमंडल अस्तित्व में आया।४ मार्च को डुमरी के तत्कालीन विधायक जगरनाथ महतो और झारखंड सरकार के मंत्री हाजी हुसैन अंसारी ने अनुमंडल प्रांगण आकर डुमरी अनुमंडल का विधिवत उद्घाटन किए थे।परंतु ११ वर्ष बीत जाने के बाद भी डुमरी अनुमंडल की स्थिति यथावत है।

झारखंड के पूर्व शिक्षा मंत्री स्वर्गीय जगरनाथ महतो ने २०१९ के चुनाव में लोगों से वायदा किया था कि वह डुमरी को जिला बनाएंगे पर कोरोना के चपेट में आने के कारण उनकी देहावंसान हो गई और उनका जिला बनने का सपना अधूरा रह गया।उनके निधन के पश्चात डुमरी की जनता ने संपन्न उपचुनाव में उनकी धर्मपत्नी बेबी देवी को विधायक चुना और वह भी सरकार के मंत्री बनी।वर्तमान में संपन्न चुनाव में बेबी देवी चुनाव हार गई और अब सारी उम्मीदें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर ही टिकी हुई है। अनुमंडल स्तरीय न्यायालय का गठन होने से आपराधिक मामलों में गिरफ्तार हुए लोगों की जमानत यही से होना संभव हो पाएगा और जनता को काफी राहत मिलेगा।

अभी सिर्फ अनुमंडल में राजस्व न्यायालय का कार्य सम्पन्न हो रहा है।फौजदारी और दीवानी मामलों के लिए गिरिडीह न्यायालय से रिश्ता नहीं टूट पाया है।

श्री जायसवाल ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि जिस प्रकार आपने विधायक जगरनाथ महतो की मांग पर डुमरी अनुमंडल का गठन किया इसी प्रकार उनके अधूरे सपने को पूरे करने के लिए कम से कम अनुमंडल स्तरीय न्यायालय की स्थापना की दिशा में त्वरित कार्रवाई करने की कृपा करें।

बोकारो की छात्राओं ने कबड्डी चैंपियनशिप का खिताब जीता

बोकारो (ससे): बोकारो की प्रतिभाशाली छात्राओं ने ३० नवंबर, २०२४ को जी.जी.पी.एस. चास द्वारा आयोजित आर.के. सहोदय इंटर-स्कूल कबड्डी चैंपियनशिप २०२४-२५ में अपने कौशल, ताकत और दृढ़ संकल्प का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। १६ मजबूत टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा करते हुए, डीपीएस चास बोकारो की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और प्रथम रनर-अप का खिताब हासिल किया।

इस रोमांचक टूर्नामेंट के दौरान युवा एथलीटों ने असाधारण टीम वर्क और लचीलापन दिखाया, जिससे वे सबसे मजबूत दावेदारों में से एक बनकर उभरी। उनकी फाइनल तक की यात्रा रोमांचक मुकाबलों, रणनीतिक खेल योजनाओं और अटूट खेल भावना से भरी रही, जिसने उनकी सफलता को और भी खास बना दिया।

विद्यालय की मुख्य संरक्षक डॉ. हेमलता एस. मोहन ने टीम के शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, खेल हमें दृढ़ता, टीम वर्क और नेतृत्व के अनमोल सबक सिखाते हैं। डीपीएस चास बोकारो की छात्राओं ने न केवल मैदान पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, बल्कि अपनी मेहनत और समर्पण से दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हैं। उनकी यह उपलब्धि उनकी अद्वितीय प्रतिभा और उनके पीछे खड़े मजबूत समर्थन का प्रमाण है।

विद्यालय की निदेशक डॉ. मनीषा तिवारी ने छात्राओं की प्रशंसा करते हुए कहा, हमारी कबड्डी टीम ने जिस दृढ़ संकल्प और खेल कौशल का प्रदर्शन किया है, वह वाकई सराहनीय है। यह सफलता उस समग्र शिक्षा दृष्टिकोण को दर्शाती है, जिसे डीपीएस चास बोकारो बढ़ावा देता रहा है। हमारे छात्र-छात्राएँ हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, यह उपलब्धि न केवल खिलाड़ियों के समर्पण को दर्शाती है, बल्कि उनके कोचों के कुशल मार्गदर्शन का भी प्रमाण है, जिन्होंने उन्हें इस प्रतिष्ठित आयोजन के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संपूर्ण डीपीएस चास परिवार इस उल्लेखनीय प्रयास की सराहना करता है और इस सफलता को खेल और समग्र विकास में स्कूल की प्रतिबद्धता का प्रतीक मानते हुए गर्व के साथ इसका जश्न मना रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन एन. मुरलीधरन और डीएस मेमोरियल सोसायटी चास के सचिव सुरेश अग्रवाल ने भी छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा 7 को

बोकारो (ससे) : बोकारो की प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की एक महत्वपूर्ण आमसभा आगामी ७ दिसम्बर को परिषद की ओर से संचालित सेक्टर-४ स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में होगी। परिषद के महासचिव नीरज चौधरी ने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था की नई कार्यकारिणी समिति के गठन को लेकर विगत १३ अक्टूबर, २०२४ को सम्पन्न हुई मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा के निर्णयानुसार परिषद की दूसरी आमसभा दिनांक २० अक्टूबर, २०२४ को आहूत की गई थी।

परन्तु, विधानसभा चुनाव २०२४ के आलोक में आदर्श आचार संहिता लागू रहने के कारण अनुमंडल पदाधिकारी, चास के आदेशानुसार उक्त आमसभा की बैठक स्थगित कर दी गई थी। इसी वजह से परिषद की आमसभा अब आगामी सात दिसम्बर को संध्या ६.०० बजे से आहूत की गई है। श्री चौधरी ने उक्त आमसभा में परिषद के सभी सदस्यों से शामिल होने का आग्रह किया है।

मिट्टी के ढेर में दबकर 4 बच्चियों की मौत

बक्सर (एजेंसी): बिहार के बक्सर जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है. रविवार को राजपुर थाना क्षेत्र स्थित सरेंजा राजकीय बुनियादी विद्यालय के पास मिट्टी के टीले में पांच बच्चियां मिट्टी खोद रही थीं. इसी दौरान टीला भरभरा कर गिर पड़ा और बच्चियां दब गईं. इस हादसे में चार बच्चियों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई.

घायल बच्ची का फिलहाल इलाज जारी है. सरेंजा बुनियादी विद्यालय के पास पुराने मिट्टी के टीले में मिट्टी खोदने के लिए पांच बच्चियां गई थीं. ये बच्चियां पीढ़ी पर्व की तैयारी के लिए घर में सफाई और लिपाई-पुताई के लिए मिट्टी लेने गई थीं. जब वे टीले के पास मिट्टी खोद रही थीं, तभी अचानक टीला भरभरा कर गिर पड़ा और सभी बच्चियां इसके नीचे दब गईं.

मिट्टी के ढेर में दबने के बाद आसपास खेल रहे बच्चों ने शोर मचाया, इसके बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और मलबा हटाने की कोशिश की. ग्रामीणों की मदद से सभी बच्चियों को मलबे से निकाला गया और तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया. अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने चार बच्चियों की मौत की पुष्टि कर दी, जबकि एक बच्ची को गंभीर हालत में भर्ती किया गया है. मृतक बच्चियों में नयनतारा कुमारी (११ वर्ष), शालिनी कुमारी (८ वर्ष), शिवानी कुमारी (६ वर्ष), और संजू कुमारी (११ वर्ष) शामिल हैं. जबकि घायल बच्ची की पहचान करिश्मा कुमारी (१० वर्ष) के रूप में हुई है.

इस घटना के बाद मृतक बच्चियों के परिवारों में मातम का माहौल है, उनका रो-रो कर बुरा हाल है. घटना से आसपास के पूरे इलाके में गम का माहौल है. घटना की सूचना मिलते ही राजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है. प्रशासन ने भी घटना की जांच के आदेश दिए हैं. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मिट्टी का टीला बहुत पुराना था और उसमें गहरी खुदाई से वह खतरनाक हो गया था. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

गोपाल मंडल ने अपनी ही पार्टी के सांसद पर साधा निशाना

भागलपुर (एजेंसी): गोपालपुर से जेडीयू विधायक गोपाल मंडल आए दिन अपने बयानों के लिए सुर्खियों में बने रहते हैं. अपने बड़बोलेपन और विवादित बयानों के लिए मशहूर गोपाल मंडल ने आज फिर अपने प्रदेश अध्यक्ष के सामने अपनी ही पार्टी के सांसद पर निशाना साधा.

हद तो तब हो गई जब उन्होंने नवगछिया एसपी पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी. गोपाल मंडल ने भरी सभा में एसपी पूरण झा को शराबी बताते हुए कहा कि हम फेर में फंस जाएं तो फंस जाएं लेकिन बता देना चाहते हैं. यह जो एसपी यहां पुलिस महकमा का हेड है उनका धंधा बाजार में दबंगों के साथ दारू पीने का है.

गोपाल मंडल ने आगे कहा कि यहां के एसपी दबंगों को अपने आवास पर बिठाकर दारू पिलाता है. रंगरा में बलात्कार की घटना हुई पुलिस ने केस ही नहीं चलने दिया. जब तक ऊपर सुधार नहीं होगा बीजेपी में सुधार नहीं होगा तब तक यहां कभी सुधार नहीं होगा. मुख्यमंत्री से जब इसकी शिकायत करते हैं तो मुख्यमंत्री कहते है एसपी बढ़िया लड़का है. इस पर उन्होंने कहा कि बढ़िया क्या रहेगा आईएएस आईपीएस किसी का सुनता नहीं है. हमारे सांसद बैठे हैं हमने उन्हें लोकप्रिय कहा लेकिन उनसे कहेंगे कि पार्टी में दरार पैदा नहीं करें.

गोपाल ने आगे कहा कि हमने उन्हें जिताने का काम किया है. ४० हजार वोट से लीड करवाया. इसके बाद आप पूछते नहीं है. लोगों को सांसद का दर्शन नहीं मिल पा रहा है. आप लोगों के फ़ोन नहीं उठाते है. बता दें कि जेडीयू के बड़बोले विधायक का यह बड़बोलापन और आपत्तिजनक टिप्पणी नवगछिया में जेडीयू कार्यकर्ता सम्मेलन में सामने आया है. इससे पहले कल भी उन्होंने मंच से पार्टी की खूब फजीहत कराई थी.

सहरसा के वकील का बेटा बनेगा जज

पटना (एजेंसी) : बिहार लोक सेवा आयोग ने बीपीएससी ३२वीं न्यायिक सेवा परीक्षा का फाइनल रिजल्ट २०२४ जारी कर दिया है. इसमें सफल अभ्यर्थियों को असैनिक न्यायाधीश के पदों पर नियुक्ति दी जाएगी. जो उम्मीदवार ज्यूडिकल सर्विस इंटरव्यू राउंड में शामिल हुए थे, वे अब बीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट चेक कर सकते हैं.

इस परीक्षा में महिलाओं ने डंका बजाया है. सहरसा के अमरपुर पंचायत के हरिपुर गांव निवासी २६ वर्षीय युवक प्रकाश आनंद ने

बीपीएससी परीक्षा के ३२वीं बिहार न्यायिक सेवा में २७वीं रैक हासिल की है. उन्होंने जज बनकर पूरे गांव सहित जिले का नाम रौशन किया है. छात्र प्रकाश आनंद ने प्रथम प्रयास में ही न्यायिक सेवा में सफलता पाई है. छात्र प्रकाश आनंद की सफलता से पूरे परिवार सहित गांव में खुशी का माहौल है. छात्र प्रकाश आनंद के पिता हीरा कुमार सिंह पेशे से अधिवक्ता है, जो सहरसा व्यवहार न्यायलय में कार्यरत हैं. वहीं मां रूबी कुमारी गांव के ही एक सरकारी स्कूल में शिक्षिका के पद पर हैं.

प्रकाश आनंद ने प्रारंभिक शिक्षा गांव के स्कूल से ग्रहण की है. उसके बाद हाई स्कूल की पढ़ाई यूपी के मेरठ में स्थित एमएस हेरिटेज स्कूल से की और फिर उसके बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी से वर्ष २०१८ में ग्रेजुशन किया. फिर बनारस यूनिवर्सिटी से वर्ष २०२१ में एलएलबी की डिग्री हासिल की. इसके बाद सेल्फ स्टडी से न्यायिक सेवा के लिए तैयारी शुरू कर दी. कड़ी मेहनत और लगन के बाद छात्र प्रकाश आनंद को यह सफलता मिली. प्रकाश आनंद ने अपनी सफलता का श्रेय अपने मां-पिता और शिक्षकों सहित परिवार वालों को दिया है.

संभल मस्जिद जांच के दौरान हिंसा की जांच करने पहुंची न्यायिक आयोग टीम

संभल,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुई हिंसा की जांच करने न्यायिक आयोग की टीम आज रविवार सुबह पहुंची है। टीम के सदस्यों घटनास्थल का मुआयना करना शुरु कर दिया है। न्यायिक आयोग की ०३ सदस्यीय टीम ०४ बिंदुओं पर अपनी जांच केंद्रित करेगी।

संभल जामा मस्जिद के दूसरे सर्वे के दौरान हुई हिंसा की जांच करने ०१ दिसंबर रविवार की सुबह १० बजे न्यायिक आयोग की टीम संभल पहुंची है। टीम पहुंचने से पहले ही मस्जिद के बाहर व आस-पास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। यहां पहुंची न्यायिक आयोग की टीम में तीन सदस्य हैं, जो प्रमुख रूप से ०४ बिंदुओं पर अपनी जांच केंद्रित करेंगे। इन बिंदुओं में सर्व प्रथम क्या हिंसा किसी साजिश के तहत सुनियोजित ढंग से की गई थी? तब क्या पुलिस सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त थी? इसके साथ ही हिंसा किन कारणों से हुई और तब क्षेत्र के हालात क्या थे? इन सब की वजह क्या थी? भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा घटित न हो इसके लिए क्या उपाय करने होंगे।

इन प्रमुख बिंदुओं पर न्यायिक आयोग की टीम अपनी जांच करेगी। बताते चलें कि बीते २४ नवंबर को जामा मस्जिद के दूसरे सर्वे के बीच हिंसा भड़क गई थी जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में अनेक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके साथ ही प्रशासन ने शांति बहाली का हवाला देते हुए १० दिसंबर तक बाहरी लोगों की एंट्री पर रोक लगा दी है, जबकि निषेधाज्ञा को ०१ दिसंबर से बढ़ाकर ३१ दिसंबर किया गया है। संभल हिंसा की जांच के लिए यूपी सरकार द्वारा रिटायर्ड जज देवेंद्र अरोड़ा की अध्यक्षता में ०३ सदस्यीय न्यायिक आयोग की जांच टीम का गठन किया है। रिटायर्ड आईपीएस एके जैन और रिटायर्ड आईएएस अमित मोहन जांच टीम के सदस्य हैं।

जज साहब मस्जिद पर हमारा कंट्रोल नहीं : एएसआई

संभल (ईएमएस): संभल की शाही जामा मस्जिद को लेकर एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग) ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। एएसआई का कहना है कि जामा मस्जिद पर विभाग का कंट्रोल नहीं है। स्थानीय लोगों ने मस्जिद पर कब्जा कर रखा है। एएसआई को अपनी ही संपत्ति का निरीक्षण नहीं करने देते हैं। वहीं, मस्जिद में निर्माण कर मस्जिद के मूलरूप को बदल दिया गया है।

मस्जिद की सीढ़ियों पर रेलिंग लगाई गई है। दरअसल, संभल जिला कोर्ट में एएसआई के वकील ने हलफनामा पेश किया। जिसके अनुसार, २५ जून २०२४ को भी स्थानीय लोगों ने एएसआई को जामामस्जिद का निरीक्षण नहीं करने दिया था। इन मामलों में एएसआई ने अधिकारियों को रिपोर्ट भी की। लेकिन अब तक कोई नतीजा नहीं निकला।

एएसआई संरक्षित जामामस्जिद की सीढ़ियों पर मनमाने तरीके स्टील की रेलिंग लगाने के मामले में एएसआई ने संभल कोतवाली में साल २०१८ में जामामस्जिद कमेटी के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई थी। मस्जिद में मनमाने तरीके से नए निर्माण और असली रूप को मस्जिद कमेटी ने बदल दिया, यह बात हलफनामे में कही गई। आरोप है कि मस्जिद कमेटी ने न सिर्फ मस्जिद के मूल रूप को बदला है, बल्कि एएसआई संरक्षित धरोहर पर कब्जा कर किया और सर्वे करने से रोक दिया। जबकि प्राचीन संस्मारक पुरातत्वीय स्थल अवशेष अधिनियम २०१० के अनुसार स्मारक स्थल से १०० मीटर चारों ओर तक खनन और निर्माण पर रोक है।

पैक्स चुनाव के रिजल्ट के बाद कैमूर में खूनी खेल, 1 को मारी गोली

कैमूर (एजेंसी): बिहार में पैक्स चुनाव के रिजल्ट आने के बाद कई जगहों पर मारपीट की घटना सामने आई है. ताजा मामला कैमूर का है. जहां शनिवार की रात पैक्स चुनाव की मतगणना खत्म हुआ. वहीं चुनाव के रिजल्ट आने के बाद दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई. इस दौरान दोनों तरफ से जमकर लाठी डंडे चले और गोलीबारी भी की गई. दोनों पक्षों के बीच हुए इस मारपीट में छह लोग बुरी तरह से घायल हो गए हैं. छह में एक व्यक्ति फायरिंग की वारदात में घायल हुआ है वहीं पांच लोग मारपीट में घायल बताए जा रहे हैं. पूरा मामला कैमूर के कुदरा थाना क्षेत्र के ससना पंचायत के मधुबनी गांव का बताया जा रहा है.

वहीं मारपीट की इस घटना में घायल हुए सभी लोगों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुदरा में भर्ती कराया गया. जहां से बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों ने सभी को भभुआ सदर अस्पताल रेफर कर दिया है. वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस पूरे मामले के जांच में जुट गई है. इस घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है. घायलों ने बताया कि पैक्स चुनाव का परिणाम आने के बाद दो पक्षों में मारपीट हो हुई. इस दौरान लाठी, डंडा, भाला, गड़ासा से लोगों पर हमला किया गया और गोलीबारी भी की गई.

चुनाव आयोग पर कांग्रेस नेता की टिप्पणी

मुंबई(ईएमएस): भारतीय चुनाव आयोग पर कांग्रेस नेता भाई जगताप द्वारा की गई विवादित टिप्पणी पर भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस के लोग लंबे समय तक देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली देने के काम करते रहे हैं।

नए साल में यूपी बीजेपी को मिलेंगे युवा नेता

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश बीजेपी के संगठन में भारी फेरबदल की कवायद शुरू हो चुकी है. प्रदेश अध्यक्ष से लेकर बूथ स्तर तक संगठन में बदलाव की तैयारी है. इतना ही नहीं बीजेपी ने नए नए अध्यक्षों के लिए उम्र सीमा भी तय कर दी है. माना जा रहा है कि २०२७ का विधानसभा चुनाव को देखते हुए बीजेपी को नए साल में नया प्रदेश अध्यक्ष मिल सकता है.

दरअसल, बीजेपी ने प्रदेश में संगठनात्मक चुनाव का ऐलान कर दिया है. इसके तहत १ दिसंबर से लेकर १५ दिसंबर तक मंडल अध्यक्ष के लिए चुनाव होगा. वहीं, ३१ दिसंबर तक नए जिलाध्यक्ष चुन लिए जाएंगे. हालांकि, बीजेपी ने इनके चयन के लिए नई नियमावली भी जारी कर दी है. इसके मुताबिक, मंडल अध्यक्ष के लिए निर्धारित आयु सीमा ३५ से ४५ वर्ष होगी, जबकि जिलाध्यक्ष के लिए आयु ४० से ६० वर्ष के बीच होनी चाहिए. संगठनात्मक चुनाव के बाद नए प्रदेश अध्यक्ष की भी नियुक्ति होगी. इसके अलावा बूथ समितियों का गठन पांच दिसंबर तक होगा.

संगठनात्मक चुनाव के लिए प्रत्येक तीन जिलों के लिए एक केंद्रीय पर्यवेक्षक भी तय किया जाएगा. इतना ही नहीं सूत्रों के मुताबिक, तय किया गया है कि जिस पर अनुशासनहीनता की कार्रवाई हो, उसे संगठन के चुनाव से दूरी रखा जाएगा. साथ ही किसी भी तरह का आर्थिक अपराध न चल रहा है. पार्टी संगठन में युवा और अनुभवी नेतृत्व को प्राथमिकता देगी. बता दें कि पार्टी ने २.५ करोड़ से अधिक सदस्यों को जोड़ा है, जो कार्यकर्ता आधारित संगठन की ताकत को दर्शाता है.

बीजेपी ६ दिसंबर को डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि बूथ स्तर पर मनाएगी. २५ दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाएगा. इसके अलावा, २७ दिसंबर को बाल शहीद दिवस और गणतंत्र दिवस तक संविधान गौरव महोत्सव मनाने की योजना बनाई गई है.

बिहार के विकास के लिए केंद्र सरकार ने खजाना खोला : सम्राट चौधरी

पटना (एजेंसी): बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार के विकास के लिए केंद्र सरकार ने अपना खजाना खोल रखा है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार बढ़ रहा, इसमें केंद्र की नरेंद्र मोदी की सरकार पूर्णरूप से सहायता कर रही है.सम्राट चौधरी ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि आज भी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कार्यक्रम हुआ, जो बिहार के विकास में मील का पत्थर साबित होगा. केंद्रीय वित्त मंत्री ने शनिवार को बिहार के मधुबनी में ऋण आउटरीच कार्यक्रम की अध्यक्षता की. बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी इसमें उपस्थित थे.

कार्यक्रम में सांसद रामप्रीत मंडल, संजय कुमार झा, डॉ. अशोक कुमार यादव तथा विधायक विनोद नारायण झा, सुधांशु शेखर और घनश्याम ठाकुर भी मौजूद थे. वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के अध्यक्ष केवी शैजी, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक निदेशक एम.वी. राव, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक मनोज मित्तल, वित्तीय सेवा विभाग के अपर सचिव एम.पी. तंगिराला और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के उप-प्रबंध निदेशक सुरिंदर राणा ने भी ऋण आउटरीच कार्यक्रम में भाग लिया. सम्राट चौधरी ने कार्यक्रम के लिए मधुबनी आने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री का आभार व्यक्त किया. उन्होंने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री की देखरेख में किए जा रहे प्रयासों का विशेष उल्लेख किया. निर्मला सीतारमण ने विभिन्न बैंकों द्वारा ५०,२९४ लाभार्थियों को १,१२१ करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए.

क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम के दौरान ७० वर्ष और अधिक आयु के कुछ वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) कार्ड भी प्रदान किए गए.नाबार्ड और सिडबी ने विभिन्न ग्रामीण सड़क परियोजनाओं के लिए क्रमशः १५५.८४ करोड़ रुपये और ७५.५२ लाख रुपये से अधिक की मंजूरी की घोषणा की. केंद्रीय वित्त मंत्री ने विशिष्ट व्यक्तियों के साथ लगभग २५ स्टॉलों का निरीक्षण किया, जहां बैंकों और नाबार्ड द्वारा वित्तपोषित उद्यमियों के विभिन्न स्थानीय उत्पाद और हस्तशिल्प प्रदर्शित किए गए थे. इस अवसर पर कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत विभिन्न गतिविधियों की भी घोषणा की गई. बैंकों ने सीएसआर के तहत स्कूलों, खास तौर पर बालिका विद्यालयों में आधारभूत ढांचा बेहतर बनाने के लिए सहायता को मंजूरी दी.

15 दिसंबर से महिला संवाद यात्रा पर निकलेंगे सीएम नीतीश

पटना (एजेंसी): बिहार में अगले साल यानी २०२५ में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. बीजेपी सहित एनडीए में शामिल दलों ने एक बार फिर से नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ने का ऐलान किया है. 'मिशन २०२५' के लिए मुख्यमंत्री ने भी कमर कस ली है और वो आगामी १५ दिसंबर से 'महिला संवाद यात्रा' निकालने वाले हैं. इसको लेकर राजनीति शुरू हो गई. सीएम नीतीश कुमार की यात्रा पर राजद ने तंज कसा है. राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि झारखंड का चुनाव परिणाम बता रहा है कि बिहार में एनडीए की सरकार जा रही है. बता दें कि १५ दिसंबर से शुरू होने वाली नीतीश कुमार की इस यात्रा को 'महिला संवाद यात्रा' नाम दिया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को अपने पक्ष में करना है.

बिहार सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में महिला वोटरों की अहम भूमिका होती है. हाल के महाराष्ट्र और झारखंड चुनावों में महिलाओं ने भाजपा गठबंधन और हेमंत सोरेन की पार्टी को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया. इसी कारण नीतीश कुमार भी महिलाओं को अपने पक्ष में लाने की कोशिश कर रहे हैं. महिलाएं हमेशा से नीतीश कुमार के समर्थन में रही हैं, और इसके पीछे कई योजनाओं का योगदान है, जैसे स्कूल जाने वाली लड़कियों को मुफ्त साइकिल देने की योजना या स्नातक करने वाली बालिकाओं को ५० हजार रुपये की मदद देने की योजना.

इन योजनाओं का नीतीश कुमार को काफी लाभ हुआ है. हालांकि, पिछले विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान के प्रभाव ने नीतीश कुमार को नुकसान पहुंचाया था.

बिहार सरकार देगी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को विज्ञापन

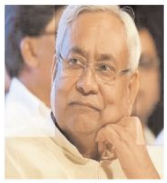

पटना (एजेंसी): बिहार सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को सोशल मीडिया के ज़रिए आम जनता तक पहुंचाने वाले इन्फ्लुएंसर्स के लिए सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने सोशल मीडिया एवं अन्य ऑनलाइन मीडिया नियमावली २०२४ बनाई है. बिहार सोशल मीडिया एवं अन्य ऑनलाइन मीडिया नियमावली २०२४ को राज्य सरकार की कैबिनेट ने स्वीकृत कर दिया है. इसके बारे में एक प्रसे विज्ञप्ति जारी करके जानकारी दी गई. इस नियमावली लागू होने होने के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म जैसे गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि पर विज्ञापन का प्रसारण करना आसान हो जाएगा.

इसके अलावा विभाग के अंतर्गत प्रमुख सोशल मीडिया साइट जैसे फेसबुक, यूट्यूब, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम के साथ-साथ वेबसाइट, न्यूज़ पोर्टल, वेब मीडिया, न्यूज़ मोबाइल ऐप, पॉडकास्ट आदि को सूचीकृत किया जा सकता है. राज्य कैबिनेट द्वारा इसे १४ नवंबर २०२४ को स्वीकृत किया गया है. इस नियम के तहत वेब मीडिया के लिए प्रति माह एवरेज यूनीक यूजर तथा सोशल मीडिया के लिए सब्सक्राइबर और फॉलोअर्स के आधार पर योग्यता निर्धारित की जाएगी. इस नियमावली को लागू करने का सरकार का मुख्य उद्देश्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का इन प्लेटफॉर्म्स के ज़रिए लोगों तक जानकारी पहुंचाना है. नियमावली के तहत वेब मीडिया के लिए हर महीने कम से कम एवरेज यूनिक यूज़र और सोशल मीडिया के लिए सब्सक्राइबर/फॉलोअर्स के आधार पर सूचीबद्ध किया जाएगा.

इस नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध किसी मीडिया द्वारा यदि राष्ट्र विरोधी अभद्र, असामाजिक या साम्प्रदायिक वैमनस्य को बढ़ाने वाली अथवा सरकारी संदेशों के मानदंड के विपरीत या प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के गाईडलाईन के विरुद्ध सामग्री प्रसारित की जाती है तो वैसी मीडिया के लिए सूचीबद्धता समाप्त करने या ब्लैकलिस्टिंग का भी प्रावधान किया गया है.

बिहार उपचुनाव में करारी हार के बाद टूटने लगी जन सुराज

पटना (एजेंसी): प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज अपनी पहली परीक्षा में ही फेल हो गई. बिहार उपचुनाव में जन सुराज को करारी हार का सामना करना पड़ा था. जिसके बाद अब जन सुराज पार्टी में बगावत के सुर बुलंद होने लगे हैं. इसी कड़ी में प्रशांत किशोर को मुजफ्फरपुर में बड़ा झटका लगा है. यहां जन सुराज के एक बड़े मुस्लिम नेता ने अपने २०० कार्यकर्ता के साथ शनिवार (३० नवंबर) को पार्टी से इस्तीफा दिया है. इतना ही नहीं कार्यकर्ताओं ने प्रशांत किशोर का पुतला दहन भी किया.

जानकारी के मुताबिक, मुजफ्फरपुर में जन सुराज के सचिव जावेद अख्तर ने प्रशांत किशोर के खिलाफ बगावत कर दी. उन्होंने अपने २०० मुस्लिम कार्यकर्ताओं के साथ जन सुराज पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. बताया जा रहा है कि प्रशांत किशोर ने तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए चउउ प्रत्याशी डॉक्टर विनायक गौतम के चुनाव प्रचार के दौरान जावेद अख्तर को बेइज्जत कर दिया था. यह कार्यक्रम २२ नवंबर को मुजफ्फरपुर के चन्द्रहठी पहुंचे थे.

बताया जा रहा है कि उस कार्यक्रम में जावेद अख्तर कुछ कहना चाह रहे थे, लेकिन प्रशांत किशोर ने उन्हें बुरी तरह डांटकर बैठा दिया था. पीके ने कहा था कि आपसे विवेचना नहीं चाहते हैं. आप नॉन स्टॉप काहे बोलते जा रहे हैं. आप बैठिए पहले, नहीं तो जाइए बाहर. पार्टी का अनुशासन है. कौन आपको अनुमति दिया है, बोलने के लिए. आरजेडी बना रखा है इसको. घटना से नाराज मुजफ्फरपुर के पूर्व पार्षद और जनसुराज के प्रवक्ता जावेद अख्तर उर्फ गुड्डू ने पार्टी से इस्तीफा देते हुए प्रशांत किशोर को मुस्लिमों विरोधी बताया. उन्होंने मुस्लिमों से प्रशांत को वोट नहीं देने की अपील की. जावेद अख्तर ने पीके पर मुस्लिम वोट काटने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि झंघ का मतलब पॉलिटिकल किलर है.

नीतीश की यात्रा पर कांग्रेस का हमला,सरकारी खजाने की लूट : राजेश राठौड़

पटना (एजेंसी): कांग्रेस प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने शनिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के १५ दिसंबर से निकाली जा रही यात्रा और स्मार्ट मीटर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी. कांग्रेस प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा, सरकार को इसकी जरूरत क्यों पड़ी कि नीतीश कुमार के यात्रा के लिए अलग से २२५ करोड़ का आवंटन किया गया. पहली बार ऐसा हो रहा है कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के लिए सरकारी खजाने की लूट हो रही है और उसमें महिलाओं को इकट्ठा किया गया है.

मेरा मानना है कि नीतीश कुमार कमजोर और सहम गए हैं कि लोग उनके कार्यक्रम में नहीं आएंगे. इसलिए २२५ करोड़ रुपए, करीब १० करोड़ रुपए से अधिक हर जिले में खर्च होंगे. कई छोटे जिले हैं, वहां पर वो जाते भी नहीं हैं. इसमें सहायिका, सेविका और आशा दीदी जैसे लोगों को बुलाया जाएगा. कांग्रेस प्रवक्ता ने आगे कहा कि भीड़ में नीतीश कुमार से लिखित भाषण पढ़वाया जाएगा. अगर वो लिखित भाषण नहीं पढ़ेंगे, तो सबको पता है कि परिवार नियोजन पर उन्होंने कैसे बहकी-बहकी बातें की थी. ऐसे में अगर वह महिलाओं के बीच में ऐसी बहकी-बहकी बातें करेंगे तो हमें लगता है कि यह बहुत ही लज्जा की बात होगी.

जनता दल (यूनाइटेड) को इस बात की गारंटी देनी चाहिए कि नीतीश कुमार ने परिवार नियोजन पर जैसी बहकी-बहकी बातें की थी, महिला संवाद में वह वैसी भद्दी और गंदी बात नहीं करेंगे.

बिहार में स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर हो रहे बवाल पर कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, एनडीए सरकार को इसके लिए कमीशन और करोड़ों-अरबों रुपए का टेंडर मिला है. इसलिए वो इसको बंद नहीं करना चाहेग. मैंने पहले भी कहा है कि इससे दोगुनी लूट हो रही है. पहला टेंडर के माध्यम से सरकारी खजाने की और दूसरा स्मार्ट मीटर की बिलिंग को तेज करके जनता का खून चूसा जा रहा है.

पहले जिसका बिजली का बिल ३०० रुपये आता था, आज उसका बिल ३,००० से ५,००० रुपए आ रहा है. इसके लिए हम आंदोलन करेंगे. नीतीश कुमार के कार्यकाल के सभी बिजली टेंडर की जांच हो, बिजली विभाग के प्रधान सचिवों के संपत्ति की ईडी जांच हो, तो सभी जेल जाएंगे। साथ ही ऊर्जा मंत्री भी जेल जाएंगे.

बदायूं की जामा मस्जिद पर पहले था नीलकंठ महादेव मंदिर : मुकेश पटेल

बदायूं (ईएमएस): यूपी में संभल जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे के बाद सर्वे के दौरान हुआ विवाद अभी सुर्खियों में बना हुआ है। इस बीच बदायूं में नीलकंठ महादेव मंदिर बनाम जामा मस्जिद विवाद भी कोर्ट के दरवाजे पहुंच गया है। यहां हिंदू पक्ष ने बदायूं की जामा मस्जिद को लेकर दावा कर कहा हैं कि ये पहले नीलकंठ महादेव मंदिर था। यह मामला फिलहाल फास्ट ट्रैक कोर्ट में चल रहा है, जहां तीन दिसंबर को सुनवाई होनी है। बदायूं के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) अमित कुमार की अदालत ने मामले में ३० नवंबर को मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अधिवक्ता की बहस सुनी। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए तीन दिसंबर की तारीख दी है।

यह मामला सबसे पहले २०२२ में चर्चा में आया था। तब अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश संयोजक मुकेश पटेल ने दावा किया था कि वर्तमान में जहां बदायूं की जामा मस्जिद है, वहां पहले नीलकंठ महादेव का मंदिर था।

उन्होंने वहां पूजा-अर्चना की इजाजत के लिए अदालत में याचिका दायर की थी। जबकि मुस्लिम पक्ष बदायूं जामा मस्जिद के ८५० साल पुरानी होने का दावा करता है। मस्जिद पक्ष का कहना है कि मामले में हिंदू महासभा को ऐसी याचिका दायर करने का कोई अधिकार ही नहीं है। यहां पूजा-अर्चना की इजाजत देने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

मंत्री के काफिले की गाड़ी टकराई, 3 जवान घायल

गोरखपुर,(ईएमएस): प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की कार दुर्घटना का शिकार हो गई। इस हादसे में मंत्री की सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ के तीन जवान और बोलेरो गाड़ी के चालक घायल हो गए हैं। दुर्घटना उस समय हुई, जब मंत्री की सुरक्षा में चल रही बोलेरो गाड़ी एक ट्रैक्टर से टकरा गई।

आरोप है कि ट्रैक्टर चालक ने लापरवाही से वाहन चलाया, जिसके कारण यह हादसा हुआ। बोलेरो गाड़ी में मंत्री की सुरक्षा में तैनात तीन सीआरपीएफ जवान और चालक सवार थे। इस दुर्घटना में सीआरपीएफ के दो जवानों को सिर में चोटें आई है, जबकि एक जवान के हाथ में गंभीर चोट लगी। बोलेरो चालक को भी मामूली चोटें आई। हादसे के बाद मंत्री नंदी ने घायल जवानों को अपनी गाड़ी में बिठाया और प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले गए। यहां उनका इलाज किया गया। इसके बाद मंत्री ने घायलों को बेहतर इलाज के लिए लखनऊ भेजने का फैसला लिया। घटना की जानकारी मिलते ही बस्ती के एडिशनल एसपी और सीओ सिटी अस्पताल पहुंचे।

प्राथमिक उपचार के बाद मंत्री नंदी घायल जवानों को लेकर लखनऊ के लिए रवाना हो गए। बताया जा रहा है कि हादसे के समय मंत्री नंदी जिस फॉर्च्यूनर गाड़ी में सवार थे, वह बोलेरो गाड़ी से कुछ सेकंड पहले ही आगे निकली थी, वरना वह भी दुर्घटना का शिकार हो जाती।

बोलेरो गाड़ी के बाद चल रही ट्रैक्टर से टकरा गई थी। वहीं यह दुर्घटना प्रदेश के मंत्री की सुरक्षा में तैनात जवानों के लिए चिंता का कारण बन गई है, जबकि ट्रैक्टर चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया गया है।

200 गाड़ियों का जलना गहरी साजिश

वाराणसी (ईएमएस): २०० गाड़ियों का एक झटके में जलकर नष्ट होने की घटना में शार्ट सर्किट से होने की रिपोर्ट थाने में दर्ज हुई है। इसके बावजूद रेल प्रशासन पूरी घटना में कहीं न कहीं साजिश की आशंका देख रहा है। रेलवे अधिकारी चाहते हैं कि अग्नि प्रकरण की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस उसकी गहराई से जांच करे। केस दर्ज कराने का प्रयास रेलवे अधिकारी देर रात तक करते रहे। हालांकि, अग्नि प्रकरण को खुफिया एजेंसियां अभी तक एक्सीडेंट मान रही है।

रेल अधिकारियों का कहना था कि शार्ट सर्किट होने पर हमारे यहां आपूर्ति खुद से बाधित हो जाती है। विद्युत इंजीनियरों ने आग की घटनाएं रोकने के लिए इसतरह के उपकरण लगाए हैं। शुक्रवार की रात ऐसा नहीं हुआ, तब सवाल उठना लाजिमी है। दरअसल कुछ माह से ट्रेन पलटने की देश में कई कोशिशें की जा चुकी है। अवांछनीय तत्वों ने इसके लिए ट्रेन पर लकड़ी का बोटा, एलपीजी सिलिंडर, बोल्डर आदि रख चुके हैं। हालांकि, ऐसी घटनाएं वाराणसी में नहीं हुई, लेकिन रेलवे अधिकारी चाहते हैं कि एक बार जांच हो जाए। वहीं जांच विशेषज्ञों का कहना है कि फोरेंसिक टीम की जांच में बहुत से क्लू सामने आ सकते हैं। अलग-अलग बाइकों की चेकिंग में यह सामने आ सकती है कि ब्लास्ट टंकियों के पीछे की आखिर वजह क्या रही? आग में चेसिस नंबर तक गल जाने से सवाल उठ रहे थे।

रसूलाबाद घाट नहीं, अब शहीद चंद्रशेखर आजाद घाट कहिये

प्रयागराज (ईएमएस): संगम नगरी प्रयागराज में आगामी महाकुंभ की तैयारी जोरों पर है। योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली भाजपा सरकार एक्शन मोड में कुंभ की तैयारी में जुटी हुई है। यह देखकर प्रयागराज में गंगा नदी किनारे प्राचीन रसूलाबाद घाट का नाम बदल दिया गया है। अब यह घाट शहीद चंद्रशेखर आजाद घाट के नाम से जाना जाएगा। नगर निगम में पास हुए प्रस्ताव पर मेयर की मुहर के बाद घाट का नाम बदल दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यह बदलाव किया गया है। इस घाट का नाम अमर शहीद के नाम पर करने के लिए १९९१ में हुई नगर निगम की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया था। इस महापौर गणेश केसरवानी ने अनुमोदित कर दिया है। महापौर ने अफसरों को निर्देश दिया है कि जल्द शिलापट्ट बनवाकर यहां स्थापित करा दिया जाए।

दरअसल, इसी घाट पर शहीद चंद्रशेखर आजाद की अंत्येष्टि हुई थी और घाट पर उनके नाम का स्मारक भी लगाया गया है। मेयर ने सदन में पारित संकल्प के अनुसार रसूलाबाद घाट का नाम चंद्रशेखर आजाद घाट घोषित कर दिया और जल्द ही शिलापट्ट लगवाकर इसका लोकार्पण कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने बीते दिनों प्रयागराज भ्रमण के दौरान कुंभ की तैयारी का निरीक्षण किया था। दशाश्वमेघ घाट और गंगा रिवर फ्रंट रोड के निरीक्षण के दौरान सीएम योगी ने प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात और कुंभ मेलाधिकारी विजय किरण आनंद को रसूलाबाद घाट का नाम बदलने के निर्देश दिए थे।

योगी सीएम ने गोरखनाथ मंदिर में लगाया जनता दरबार

गोरखपुर (ईएमएस): उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की। सीएम योगी ने लोगों की समस्या सुनने के बाद कहा कि वह किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। हर पीड़ित की समस्या का निराकरण होगा और न्याय मिलेगा।

इस बारे में सीएम योगी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। दरअसल, रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दर्शन के लिए दरबार लगाया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब ३०० लोगों से मुलाकात की।

लोगों के प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित कर त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए तत्पर और प्रतिबद्ध है।

जमीनी विवाद की शिकायतों पर सीएम योगी ने कहा कि अगर विवाद पारिवारिक हो तब संबंधित पक्षों के बीच वार्ता कराए और बात न बनने पर विधिक कार्रवाई करे। यदि कोई दबंग किसी की जमीन पर अवैध कब्जा कर रहा हो, तब उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

सीएम योगी के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे।

सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण कराकर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर का भ्रमण करने के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिजनों के साथ मंदिर आए बच्चों को प्यार, दुलार और आशीर्वाद दिया।

सोनिया गांधी ने एक घंटे तक फोन पर कराया इंतजार :नजमा हेपतुल्ला

नई दिल्ली,(ईएमएस): पूर्व अल्पसंख्यक मंत्री और राज्यसभा उपसभापति रहीं नजमा हेपतुल्ला ने अपनी किताब में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि १९९९ में जब उन्हें अंतरसंसदीय संघ (आईपीयू) का अध्यक्ष चुना गया था तब उन्होंने यह खुशखबरी देने के लिए यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी को फोन किया था।

उन्हें उम्मीद थी कि इस खबर को सुनकर सोनिया बहुत खुश होंगी लेकिन फोन पर उनके कर्मचारी ने कह दिया कि मैडम बहुत बिजी हैं। इसके बाद वह एक घंटे तक फोन पर ही इंतजार करती रहीं लेकिन सोनिया गांधी ने उनसे बात नहीं की। बता दें कि सोनिया से अनबन के चलते ही उन्होंने कांग्रेस पार्टी छोड़कर २००४ में बीजेपी ज्वाइन कर ली थीं। हाल ही में उनकी आत्मकथा इन परश्यू ऑफ डेमोक्रेसी, बियॉन्ड पार्टी लाइन्स का विमोचन हुआ है। उन्होंने कहा कि आईपीयू की अध्यक्षता मिलना उनके लिए बहुत बड़ा मौका था। देश की संसद से दुनिया की संसद तक पहुंचने का यह अवसर मेरे लिए बहुत अहम था।

हेपतुल्ला ने आत्मकथा में लिखा कि उन्होंने पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को बर्लिन से फोन किया। उन्होंने तुरंत बात कर खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा, जब अटल जी ने यह खबर सुनी, तब उन्हें बहुत खुशी हुई और अटल जी ने कहा कि यह भारत का सम्मान है। भारत की एक मुस्लिम महिला का इस पद पर सुशोभित होना सच में गर्व की बात है। उन्होंने कहा, आप वापस आइए हम मिलकर जश्न मनाएंगे। इसके बाद उपराष्ट्रपति से भी बात हुई।

राज्यसभा की पूर्व उपसभापति ने लिखा, मैंने सोनिया गांधी को फोन मिलाया। वह मेरी नेता थीं। पहले एक कर्मचारी ने कहा, मैडम बिजी हैं। जब मैंने कहा कि मैं बर्लिन से फोन कर रही हूं और यह अंतरराष्ट्रीय कॉल है, तब उसने कहा, कृपया होल्ड रखें। इसके बाद मैंने एक घंटा इंतजार किया। सोनिया गांधी ने मुझसे बात ही नहीं की। हेपतुल्ला ने कहा कि वह बहुत ही निराश हो गई थीं।

बता दें कि २०१४ में नरेंद्र मोदी की सरकार में नजमा को अल्पसंख्यक मंत्री बनाया गया था। उन्होंने कहा कि आईपूयी का अध्यक्ष बनाने के बाद वाजपेयी ने उनके कार्यालय का स्टेटस राज्य मंत्री से बढ़ाकर कैबिनेट मंत्री के बराबर कर दिया था। इसके अलावा अटल जी ने १ करोड़ रुपये का बजट उन देशों की यात्राओं के लिए दिया था जिनके लिए आईपीयू काउंसिल भुगतान नहीं करती है। इसके बाद वसुंधरा राजे और अन्य सांसदों ने पार्टी का आयोजन किया।

हेपतुल्ला ने कहा कि सोनिया गांधी का ऐसा सिस्टम हो गया था कि नेता और व्यक्ति के बीच कई लेयर हो गए। १० जनपथ पर कोई बात पहुंचाने के लिए क्लर्क लेवल के कर्मचारियों से कहना पड़ता था। उन्होंने नेताओं से मिलने के रास्ते ही बंद कर दिए थे। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी के वक्त में ऐसा नहीं था।

शिर्डी के साईबाबा के लड्डू प्रसाद से करोड़ों का कारोबार

शिर्डी, (ईएमएस): शिर्डी के साईबाबा के दर्शन के बाद भक्तों को लड्डू का प्रसाद निःशुल्क मिलता है, लेकिन अधिक लड्डू के लिए संस्थान ने अब आठ सशुल्क काउंटर शुरू किए हैं और वहां से करोड़ों का कारोबार हो रहा है।

मालूम हो कि श्री साईं बाबा के दर्शन के लिए करोड़ों भक्त शिरडी आते हैं।

आंबेडकर ग्राउंड में क्रिकेट मैच

पुटकी (ससे) : लोयाबाद पावर स्थित आंबेडकर ग्राउंड में इलेक्ट्रिक सप्लाई डिवीजन लोयाबाद द्वारा एक दिवसीय क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। जिसमे विद्युत मानव दिवस ११ ने विद्युत आपूर्ति क्षेत्र धनबाद ११ को ७ रनों से हराकर ट्रॉफी अपने नाम किया। बताया जाता है कि मानव दिवस कर्मी ११ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित १२ ओवरों में १०२ रन बनाए। रनों का पीछा करते हुए विद्युत आपूर्ति क्षेत्र धनबाद ९५ रन पर ही सिमट गई।

मैन ऑफ द मैच अनुज झा, बेस्ट बॉलर ओम प्रकाश पासवान, बेस्ट कैच का पुरुष्कार वारिश खान को दिया गया। विजेता टीम के कप्तान मुन्ना मुखर्जी एवं उपविजेता टीम के कप्तान पंकज कुमार थे।

मुख्य अथिति के रूप में विद्युत आपूर्ति क्षेत्र धनबाद के महाप्रबंधक अशोक कुमार सिन्हा, विद्युत आपूर्ति क्षेत्र धनबाद के सीनियर मैनेजर उदय भूषण प्रसाद, जूनियर मैनेजर सत्यनारायण भद्रा, समाजसेवी जय प्रकाश पासवान उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से शाहिद खान, पप्पू अंसारी, बजरंगी पासवान, अमित पासवान, किशन सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

कोयला उत्पादन पर बैठक

जोड़ापोखर (ससे) : रविवार को कुईयां विभागीय पैच में सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विभागीय कोयला उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में क्षेत्रीय महाप्रबंधक एके सिन्हा, परियोजना पदाधिकारी डी के सिंह, प्रबंधक श्री सीएस सिंह, अन्य अधिकारी, जनरल शिफ्ट के सभी ओवरमैन और माइनिंग सरदार उपस्थित थे।

बैठक के दौरान सभी ने विभागीय उत्पादन बढ़ाने के विभिन्न उपायों पर अपने विचार साझा किए। क्षेत्रीय महाप्रबंधक एके सिन्हा ने आश्वस्त किया कि उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी आवश्यक संसाधन और हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने सभी को बीसीसीएल की उत्थान और प्रगति के लिए हमारे सीएमडी और अन्य निदेशकों द्वारा उठाए गए दूरदर्शी कदमों के बारे में भी जानकारी दी एवं सभी को कोयला उत्पादन के निर्धारित टारगेट को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।

सदन के कामकाज के हर क्षण का उपयोग जनकल्याण के लिए किया जाना चाहिए : उपराष्ट्रपति

कानपुर (ईएमएस): उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि संसद जनकल्याण के लिए है और सदन के कामकाज के हर क्षण का उपयोग जनकल्याण के लिए किया जाना चाहिए. धनखड़ कानपुर में सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल के स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे. उपराष्ट्रपति धनखड़ की यह टिप्पणी पिछले सप्ताह संभल और मणिपुर में हिंसा जैसे विभिन्न मुद्दों पर संसद के दोनों सदनों में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद आई है.

धनखड़ ने कहा, हम भारतीय संविधान को अपनाने की सदी की चौथी तिमाही में प्रवेश कर चुके हैं. इसलिए हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि लोकतंत्र के मंदिर में हर क्षण का उपयोग बड़े पैमाने पर लोगों के कल्याण के लिए किया जाए.

उपराष्ट्रपति ने कहा, संसद जनकल्याण के लिए है और इसे अपवित्र नहीं किया जाना चाहिए. मुझे यकीन है कि संबंधित पक्षों, खासकर निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा सभी कदम उठाए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हम अपने आचरण को अनुशासन और शिष्टाचार के साथ निभाएं.

उन्होंने समारोह में मौजूद उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की ओर इशारा करते हुए कहा, हर बार जब मैं राज्यपाल (पटेल) से बात करता हूं, तो एक बात जो आम तौर पर सुनने को मिलती है वह यह कि क्या हम वास्तव में शिक्षा के अधिकार के सार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं? यह उन लोगों के लिए है, जिनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच नहीं है और इसलिए एक प्रावधान आया कि हमें समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों के लिए विशेष वर्गीकरण करना चाहिए.

धनखड़ ने ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिभाओं को पोषित करने का आह्वान किया और विशेष रूप से उन लोगों को, जिनके पास सस्ती गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच नहीं है. उपराष्ट्रपति ने कहा, मैं कॉरपोरेट्स (व्यवसायियों), व्यापारिक घरानों से अपील करता हूं और उन्हें इसे (शिक्षा) एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र बनाए. उन्हें अच्छे स्कूल खोलने चाहिए, जिसका उद्देश्य सभी को, खासकर कमजोर वर्गों को सस्ती गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराना है.

ट्रक की टक्कर से कार सवार 5 युवकों की मौत

सरगुजा (ईएमएस): छत्तीसगढ़ के सरगुजा में रविवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने स्कोडा कार को टक्कर मार दी। हादसे में स्कोडा सवार पांच युवकों की मौत हो गई। चार युवकों ने मौके पर और एक युवक ने अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज लाने के दौरान रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

उदयपुर थाना प्रभारी से प्राप्त जानकारी के मुताबिक जिले के नेशनल हाइवे १३० में गुमगा के पास स्कोडा कार और ट्रक के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल की अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई। हादसा इतना दर्दनाक था कि ट्रक की टक्कर से कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए गैस कटर मशीन का इस्तेमाल करना पड़ा। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। हादसे में जान गंवाने वाले कार सवार सभी रायपुर के चंगोराभाठा इलाके के निवासी थे।

अकेले चुनाव लड़ेगी दिल्ली विधानसभा चुनाव:केजरीवाल

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव आम आदमी पार्टी अकेले अपने दम पर लड़ेगी। कांग्रेस पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। दिल्ली में विधानसभा का कार्यकाल २३ फरवरी को खत्म हो रहा है। यानी अगले साल जनवरी में किसी भी समय विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है। फरवरी में चुनाव होंगे और नई सरकार का गठन होगा।

लोकसभा चुनाव से पहले आप और कांग्रेस विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा हैं। दिल्ली में लोकसभा चुनाव दोनों एक साथ लड़े थे। हालांकि इसमें दोनों पार्टियों को कोई भी सीट नहीं मिली। अक्टूबर में हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले आप और कांग्रेस सीट-बंटवारे के समझौता नहीं हो सका। इसके बाद दोनों अलग-अलग चुनाव लड़े थे। केजरीवाल ने दिल्ली की कानून व्यवस्था के लिए फिर एक बार केंद्र सरकार पर हमला किया। उन्होंने कहा- दिल्ली में बिजनेसमैन को फिरोती के कॉल आते हैं। पैसे न देने पर दुकान के बाहर फायरिंग हो जाती है।पिछले २-३ साल में दिल्ली की कानून व्यवस्था बद से बत्तर होती जा रही है। इससे पहले केजरीवाल ने शुक्रवार को शनिवार को पंचशील पार्क में भी कानून व्यवस्था पर गृह मंत्री अमित शाह पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था- मैं अमित शाह से पूछना चाहता हूं - आप इसके खिलाफ कब कार्रवाई करेंगे? जब से वे गृह मंत्री बने हैं, दिल्ली में स्थिति बद से बदतर होती चली गई है।

शंकर केशरी की मनी पुण्यतिथि

झरिया (ससे) : स्वर्गीय मनी शंकर केशरी की पांचवीं पुण्यतिथि लक्ष्मण वाटिका झरिया में मनायी गयी। फेडरेशन ऑफ धनबाद जिला चैम्बर के पूर्व अध्यक्ष और झरिया चैंबर ऑफ कॉमर्स के संरक्षक थे। जिसमें सर्व प्रथम उनकी पत्नी मीना देवी के द्वारा माला पहनाया गया और इसमें उनके परिवार के सभी लोग मौजूद थे। मुख्य रूप से झरिया चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष अमित साहू दीपू, राजेश श्रीवास्तव, नवीन केशरी, आनंद केशरी, प्रवीन केशरी, अमोल केशरी आदि लोग उपस्थित थे।

आपके सपने जितने बड़े होते हैं, दुनिया उतनी ज्यादा आपकी परीक्षा लेती : गौतम अडानी

जयपुर (ईएमएस): राजस्थान की राजधानी जयपुर में अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने हिंडनबर्ग विवाद और अमेरिका में लगे रिश्वत देने के आरोपों पर पहली बार सार्वजनिक बयान दिया। उन्होंने कहा, अडाणी ग्रुप के रास्ते में आई हर बाधा उसकी सफलता की सीढ़ी बनी है। गौतम अडानी ने कहा कि आपके सपने जितने बड़े होते हैं, दुनिया उतनी ज्यादा आपकी परीक्षा लेती है।

उन्होंने कहा कि चुनौतियां हमें कभी तोड़ नहीं पाई, बल्कि उन्होंने हमें और मजबूत बनाया। हमारे अंदर ये विश्वास पैदा किया कि हर गिरावट के बाद हम और मजबूत तरीके से ऊपर उठने वाले है। गौतम अडाणी शनिवार शाम को जयपुर में ५१वें इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी अवॉर्ड (आईजीजेए) समारोह में बोल रहे थे। इस मौके पर अपने विरोधियों को सुनकर अडाणी ने कहा कि हमें राजनीतिक विवाद में फंसाया गया है।

अडानी ने कहा कि साल २०१० में जब कंपनी ने ऑस्ट्रेलिया में कोल माइनिंग शुरू की थी, तब हमारा उद्देश्य था कि हमें भारत को एनर्जी सेक्टर में और मजबूत करना है। हमारा उद्देश्य था कि भारत में होने वाले २ टन खराब कोयले को ऑस्ट्रेलिया से १ टन अच्छी क्वालिटी के कोयले से रिप्लेस किया जाएगा। हालांकि गैर सरकारी संगठनों ने इसका बहुत ज्यादा विरोध किया और ये १० साल तक चला। ये विरोध इतना ज्यादा था कि १० बिलियन डॉलर के पूरे प्रोजेक्ट की फंडिंग हमने अपने इक्विटी शेयर से की। आज हमारे पास ऑस्ट्रेलिया में वर्ल्ड क्लास कोल माइन है। यह हमारे लचीलेपन को दिखाता है।

वहीं जनवरी २०२३ में जब हम फॉलोऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) लांच करने जा रहे थे, तब अडानी समूह ने विदेश से कंपनी के खिलाफ शॉर्ट सेलिंग (शेयर बाजार में कंपनी के शेयर की बिकवाली) अटैक का सामना किया। ये सिर्फ आर्थिक हमला नहीं था, ये डबल अटैक था।

हमारी आर्थिक स्थिरता को टारगेट किया ही, हमें राजनीतिक विवाद में भी फंसाया गया। कई मीडिया संस्थानों ने इस विवाद को अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए और बढ़ाया। उन विपरीत हालातों में भी हमने हमारे सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई। २० हजार करोड़ रुपए का देश का सबसे बड़ा एफपीओ लाने के बाद हमने कुछ असाधारण फैसले लिए। हमने कई अंतरराष्ट्रीय स्रोतों से पैसा जुटाया और हमारा डेब्ट टू एबिटडा रेश्यो २.५ गुना से कम कर दिया। ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर स्पेस में यह मैट्रिक अनमैच है। इसी साल हमारे फाइनेंशियल रिजल्ट ने हमारी श्रेष्ठता की प्रतिबद्धता को दिखाया। एक भी भारतीय और विदेशी रेटिंग एजेंसी ने हमें डाउन ग्रेड नहीं किया और आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने भी हमारे कार्य को सही ठहराया और दृष्टिकोण को वैधता दी।

इस दौरान गौतम अडानी ने कहा कि २ सप्ताह पहले हमने अमेरिका से अडाणी ग्रीन एनर्जी के कामों को लेकर कुछ आरोपों का सामना किया। सच ये है कि अडाणी कंपनी के किसी भी व्यक्ति के ऊपर अमेरिका के फॉरेन करप्ट प्रैक्टिस एक्ट (एफसीपीए) के उल्लंघन या साजिश के आरोप तय नहीं हुए हैं। आज की दुनिया में नकारात्मकता तथ्यों से ज्यादा तेजी से फैलती है।

अडाणी ने कहा कि ऐसी चुनौती हमने पहली बार फेस नहीं की है। हर आक्रमण आपको मजबूत बनाता है। हर बाधा अडाणी ग्रुप की सीढ़ी बन जाती है। हमने जो बाधाएं फेस की है, वहां हमारे लीडर बनने की कीमत है।

भूस्खलन के पीड़ितों के पुनर्वास के लिए केंद्र-राज्य पर दबाव डालूंगी : प्रियंका

वायनाड (ईएमएस): कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी कहा है कि वह केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को पत्र लिखेंगी और वायनाड में भूस्खलन के पीड़ितों के पुनर्वास के लिए केंद्र पर यथासंभव दबाव डालेंगी। प्रियंका ने कलपेट्टा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं केरल के मुख्यमंत्री को पत्र लिखूंगी और केंद्र पर भी यथासंभव दबाव बनाने की कोशिश करूंगी ताकि पीड़ितों का उचित पुनर्वास किया जा सके। उन्होंने कहा, ''लेकिन मैं प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री, दोनों से आग्रह करना चाहूंगी कि वे राजनीति से परे जाकर पुनर्वास की सुविधा प्रदान करें।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि वह उनसे कहेंगी कि वे इस बात को स्वीकार करें कि वहां जो कुछ हुआ वह किसी भी तरह की राजनीति से परे है। उन्होंने कहा, ''यहां जो कुछ हुआ वह एक वृहद और विनाशकारी मानवीय त्रासदी थी। वायनाड लोकसभा उपचुनाव में जीत के बाद पहाड़ी जिले के दो दिवसीय दौरे पर आईं प्रियंका ने ३० जुलाई को यहां हुए बड़े पैमाने पर भूस्खलन के मुद्दे को उठाया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भूस्खलन की घटना और पूरे भारत में इसके प्रचार के कारण बहुत से लोग अब भी मानते हैं कि यहां आना असुरक्षित है, लेकिन वे यह नहीं समझते कि प्रकृति का प्रकोप एक बहुत छोटे भौगोलिक क्षेत्र तक ही सीमित है और बाकी हिस्सा सुंदर है तथा यहां आना पूरी तरह सुरक्षित है।

निगम के जेई के साथ मारपीट

जोड़ापोखर (ससे) : धनबाद नगर निगम के कार्यों की बरारी में निरीक्षण को आए जेई अनिकेत कुमार के साथ बिल भुगतान में टालमटोल को लेकर संवेदक रंजन कुमार सिंह एवं तीन चार अन्य लोगों द्वारा मारपीट किए जाने की जेई ने लिखित शिकायत जोड़ापोखर पुलिस से की है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बताया जाता है कि संवेदक रंजन कुमार सिंह शिमलाबाद का रहनेवाला है और नगर निगम में संवेदक का कार्य करता है। एक ठेका कार्य की बिल प्रक्रिया पूरा करने को लेकर संवेदक का जेई अनिकेत के साथ विवाद चल रहा है।

इसी क्रम में शनिवार को जेई अनिकेत कुमार जब बरारी में एक कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे तो मौके पर संवेदक रंजन कुमार सिंह अपने तीन अन्य साथियों के साथ पहुंचकर जे ई के साथ गली गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। मामले को लेकर जे ई अनिकेत कुमार ने रविवार की शाम को जोरापोखर थाना प्रभारी से मिलकर घटना की लिखित शिकायत किया है। थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा ने कहा कि शिकायत मिली है मामले की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

भौंरा मोहलबनी में मनेगी आंबेडकर की पुण्यतिथि

जोड़ापोखर (ससे) : बहुजन एकता मंच के केन्द्रीय कार्यालय भौंरा में जंगबहादुर जैसवार की अध्यक्षता में एक बैठक हुईं। जिसमें मुख्य रूप से मंच कि पांचवीं सम्मेलन आगामी जनवरी माह में भौंरा मोहलबनी ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम को लेकर बैठक की गई। डॉ भीमराव अम्बेडकर साहब का छह दिसंबर को भौंरा बाई क्वाटर प्रतिमा स्थल में पुण्यतिथि मनायी जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से मंच के अध्यक्ष रंजीत यादव लक्ष्मन भुंईया रामेश बाउरी जंग बहादुर जैसवार प्रमोद कुमार तिवारी महेंद्र यादव प्रदीप कुमार सोनू हेम्ब्रम उपस्थित थे।

एकांतवास में अपने गाँव गए एकनाथ शिंदे मुंबई लौटे

मुंबई, (ईएमएस): महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद सरकार बनाने को लेकर एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की काफी खींचतान चली। हालांकि, मुख्यमंत्री पद समेत महत्वपूर्ण विभागों को लेकर अभी भी महायुति में दरार बनी हुई है। अब चर्चा है कि भाजपा ने नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख और समय की घोषणा कर एकनाथ शिंदे द्वारा अपनाई गई दबाव तंत्र को खारिज कर दिया है। क्योंकि चर्चा यही थी कि गुरुवार को दिल्ली में अमित शाह के साथ बैठक करने के बाद एकनाथ शिंदे उसी रात अकेले मुंबई पहुंचे और दूसरे दिन मुंबई की बैठकें रद्द कर सतारा स्थित अपने गांव जाने का फैसला लेकर दबाव तंत्र का इस्तेमाल किया।दरअसल २८८ विधानसभा सीटों में से १३७ सीट पर भाजपा पहुंच गई है। सरकार बनाने के लिए १४४ सदस्यों की आवश्यकता रहती है। उधर अजित पवार ने भी बीजेपी को समर्थन दिया हुआ है। सूत्रों की मानें तो एकनाथ शिंदे के दबाव तंत्र को देखते हुए भाजपा ने भी शपथ ग्रहण समारोह के तारीख और समय की घोषणा कर शिंदे को सांकेतिक चेतावनी दे दी। शायद बीजेपी ने शिंदे को यह संदेश दे दिया है कि पार्टी उनके दबाव में नहीं आएगी? इसलिए रविवार को अपने गांव से मुंबई पहुंचे एकनाथ शिंदे ने बीजेपी द्वारा मुख्यमंत्री पद की घोषणा किए बिना शपथ ग्रहण समारोह की तारीख घोषित करने के मुद्दे पर सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि शपथ ग्रहण की तारीख तय हो चुकी है, लेकिन मंत्री पद का बंटवारा दिल्ली बैठक के बाद ही किया जाएगा। बहरहाल अब देखने वाली बात ये होगी कि अब जब बीजेपी ने शिंदे के दबाव को खारिज करते हुए शपथ ग्रहण समारोह की तारीख की घोषणा कर दी है।

आयकर विभाग के आयुक्त ने किया माइंस का विजिट

पुटकी (ससे) : भारत सरकार न्यू दिल्ली आयकर विभाग के आयुक्त शिव स्वरुप सिंह के नेतृत्व मे रविवार को विभागीय अधिकारियो की टीम नें रविवार को डब्ल्यू जे एरिया मुनीडीह प्रोजेक्ट के लोंगवाल माइंस का विजिट किया। इसी क्रम में मुनीडीह प्रोजेक्ट के १६ नम्बर सीम का दौरा कर अंडरग्राउंड माइंस की जानकारी ली। टीम में सुनील भारती, सोनल कुमार, मुकेश कुमार, लखन रक्षित, जय प्रकाश, उमेश वर्मा, राजीव सिन्हा थे। पुरे टीम का मूनीडीह प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट ऑफिसर एसके पांजा नें बुके देकर स्वागत किया। मौके पर मैनेजर डॉ सन्नी राव, सेफ्टी ऑफिसर पी राज कुमार डी, उप प्रबंधक सीता राम राउत व अन्य थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न के खिलाफ विहिप का प्रदर्शन

बांग्लादेश में चिन्मय दास की अविलंब रिहाई की उठी मांग 0 हिंदुओं पर लगातार उत्पीड़न विराम के लिए आगे आए विश्व समुदाय

रांची (एजेंसी): विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत ने रांची के रेलवे स्टेशन के समीप रविवार को हिंदुओं पर हो रहे उत्पीड़न के खिलाफ प्रदर्शन किया. साथ ही बंग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास की अविलंब रिहाई की मांग की.

विहिप झारखंड प्रांत के मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने कहा कि बांग्लादेश प्रशासन द्वारा वहां के इस्कॉन मंदिर के मुख्य पुजारी की गिरफ्तारी प्रशासन की कायरता पूर्ण और अलोकतांत्रिक कार्रवाई है.

बजरंग दल प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो ने कहा कि बांग्लादेश सरकार के इस कायरतापूर्ण और अलोकतांत्रिक घटना का पुरजोर विरोध करती है. इस प्रकार से अलोकतांत्रिक तरीके से गिरफ्तार करना, अलोकतांत्रिक और अमानवीय है. हिंदू समाज के मानवाधिकारों का हनन भी है.

हिंदू समाज का हो रहा दमन

विहिप के प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने कहा कि बांग्लादेश में जो घटनाक्रम चल रहा है उसमें वामपंथी, इस्लामिक तत्वों के साथ मिलकर वहां के हिंदू समाज का दमन कर रहे हैं.

दुर्भाग्य की बात है कि पूरे विश्व समुदाय ने, वैश्विक संगठनों ने इस घटनाक्रम पर जितनी चिंता व्यक्त करनी चाहिए थी, ऐसी रोक नहीं लगाई है.

विश्व हिंदू परिषद पूरे विश्व समुदाय से यह अपेक्षा करती है कि वहां पर हो रहे घटनाक्रम को ध्यान से देखे, उसकी गंभीरता को समझे और बांग्लादेश के प्रशासन पर दबाव बनाए कि हिंदुओं के मानवाधिकारों की रक्षा की जाए, सुरक्षा की जाए.

विहिप प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह ने कहा कि भारत सरकार का प्रति-उत्तर इस विषय में बहुत ही सावधानीपूर्वक और न्यूनतम रहा है. एक बड़े हिंदू समुदाय के इस प्रकार के उत्पीड़न को भारत सरकार सिर्फ देखती रहे, लंबे समय तक यह भी स्वीकार नहीं किया जा सकता.

सीएम हेमंत और हिमंता आमने-सामने असम के सीएम भी झारखंड में भेजेंगे टीम

रांची : विधानसभा चुनाव के बाद एक बार फिर सीएम हेमंत सोरेन और असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा आमने-सामने हो गये हैं. इसकी वजह झारखंड सरकार का एक फैसला है. दरअसल २८ नवंबर को झारखंड कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया कि असम के चाय बागान में कार्यरत झारखंड मूल के जनजातीय समूह की दशा और उन्हें भविष्य में दिये जाने वाले सुविधा के अध्ययन के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल व पदाधिकारियों का दल असम जाकर जमीनी स्तर पर अध्ययन करेगा. साथ ही सरकार को अपना प्रतिवेदन समर्पित करेगा. इस निर्णय पर असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने भी झारखंड में एक निरीक्षण दल भेजने की बात कही है. सरमा ने कहा है कि झारखंड में कुछ चीजों का अध्ययन करने के लिए दो प्रतिनिधिमंडल भेजा जायेगा. उन्होंने कहा कि पांच दिसंबर को होने वाली असम सरकार की कैबिनेट में इसका निर्णय लिया जायेगा. हिमंता ने कहा कि हम भी झारखंड जायेंगे और वहां दो-तीन चीजें देखेंगे.

अवैध बालू पर रोक लगाएं डीसीः हेमंत सोरेन

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बालू और लॉटरी के अवैध धंधे पर उपायुक्तों को तत्काल रोक लगाने का निर्देश दिया है. सोशल मीडिया पर बोकारो में ट्रैक्टर से बालू की अवैध ढुलाई करती तस्वीर पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिया. साथ ही अन्य जिलों के डीसी को भी कार्रवाई करने को कहा है. उधर दुमका में लॉटरी के अवैध धंधे पर भी डीसी को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. सोशल मीडिया पर डाली गयी एक खबर के अनुसार दुमका में रातों रात करोड़पति बनने के चक्कर में युवाओं के बर्बाद होने की जानकारी दी गयी है. कहा गया है कि प्रतिबंधित लॉटरी के चक्कर में दुमका के युवा अपनी मेहनत और समय को गवां रहे हैं.

चक्रवाती तूफान फेंगल धीरे-धीरे कमजोर हो रहा, झारखंड में हुई बारिश, बढ़ी ठंड

रांची (एजेंसी): उत्तरी तटीय तमिलनाडु और पुदुचेरी पर चक्रवाती तूफान फेंगल (फेनजल के रूप में उच्चारित) पुडुचेरी के करीब, कुड्डालोर से लगभग ३० किमी उत्तर में, विल्लुपुरम से ४० किमी पूर्व में और चेन्नई से १२० किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम पर केंद्रित था. इसके धीरे-धीरे पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले ६ घंटों के दौरान धीरे-धीरे कमजोर होकर उत्तरी तटीय तमिलनाडु और पुडुचेरी पर एक गहरे दबाव में तब्दील होने की संभावना है. चेन्नई और कराईकल में डॉपलर मौसम रडार द्वारा प्रणाली की लगातार निगरानी की जा रही है. झारखंड के मौसम की बात करें तो राज्य में पिछले २४ घंटे में कहीं-कहीं पर हल्के दर्जे की वर्षा हुई.

उच्चतम तापमान २९.८ ओउ गोड्डा में जबकि न्यूनतम तापमान ११.२ओउ गढ़वा में दर्ज किया गया. बारिश ने राज्य में ठंड बढ़ा दी है, इसका असर दिन में दिख रहा है. दिन में बादल होने के कारण अगले ३ दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है. इसके बाद ३ से ५ ओउ की गिरावट हो सकती है. आने वाले दो दिनों में राज्य में सुबह में हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाया रहेंगे. इसके बाद सामान्यत बादल छाये रहेंगे और मौसम शुष्क रहेगा.

तीन दिवसीय ताइक्कांडो रेफरीशिप सेमिनार का पहला फेज संपन्न

रांची (एजेंसी): सीफू विश्वजीत ताइक्कांडो क्लब के तत्वावधान में एवं रांची ताइक्कांडो एसोसिएशन के तहत हटिया स्थित एनआईएमटी के सभागार में तीन दिवसीय ताइक्कांडो रेफरीशिप सेमिनार का पहला फेज संपन्न हुआ. इस रेफरी शिप सेमिनार में २६ ताइक्कांडो खिलाड़ियों ने भाग लिया. जिसे रांची ताइक्कांडो एसोसिएशन के सीनियर कोच एवं महासचिव मास्टर सैयद फारूक इकबाल उर्फ नदीम ने प्रशिक्षित किया. ताइक्कांडो प्रतियोगिता में आए बदलाव एवं पॉइंट तकनीक के बारे गहरी जानकारी दी. रेफरीशिप सेमिनार के तीसरे फेज में सभी प्रतिभागियों का टेस्ट लिया जायेगा एवं सफल प्रतिभागियों को जिला स्तर का प्रमाण पत्र भी दिया जायेगा.

उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता को संपन्न करने के लिए रेफरी और निर्णायक भूमिका निभाने वाले लोगों की जरूरत पड़ती है, ऐसे में यदि ताइक्कांडो के सीनियर खिलाड़ी अपने खेल के साथ-साथ इन तकनीकों के जानकार रहेंगे तो प्रतियोगिता आसानी से कराई जा सकेगी. सेमिनार में भाग देने वाले प्रतिभागियों में लखन उरांव, अशफाक अंसारी, नितेश कुमार, रवि राज, आकाश कुमार, अमित उरांव, ईशान भगत, शशांक, आरित उरांव, कुमकुम कुमारी, खुशी कुमारी, अदिति श्री, अकसाना, वंशिका कुमारी, अंजू कुमारी, एलिना, अरहान आलम, फरहान अख्तर, वेदांत कुमार, देवराम ठाकुर, रोशनी, सृष्टि, अनीशा, चंदन कुमार, संजय महतो शामिल थे. पहले फेज के रेफरीशिप प्रशिक्षण शिविर के सफल आयोजन में मास्टर सैयद फारूक इकबाल, मास्टर मो शहाबुद्दीन, सीफू विश्वजीत एवं मास्टर इस्माइल अंसारी अहम योगदान रहा.

पुराना वीडियो वायरल होने से चंपाई नाराज, कहा-झूठी अफवाहों से बचे

रांची : पूर्व सीएम चंपाई सोरेन का सोशल मीडिया पर पुराना वीडियो वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो में चंपाई सोरेन को हेमंत सोरेन की तारीफ करते हुए दिखाया गया है. चंपाई वीडियो में यह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि हेमंत सोरेन ने अपने कार्यकाल में काफी सारे काम किये हैं. इस वायरल वीडियो पर चंपाई सोरेन ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि एक एजेंडे के तहत, पुराना वीडियो वायरल करवाकर, मेरे संबंध में कुछ भ्रामक अफवाहें फैलाई जा रही हैं. चुनाव के समय भी ऐसा किया गया था. कृपया ऐसी झूठी अफवाहों से बचें.

आस्सीएच कार्यालय से दुर्लभ प्रजाति का सांप रेस्क्यू किया गया

रांची (एजेंसी): नामकुम स्थित आरसीएच कार्यालय में दवा के कार्टून के अंदर से ओरनेट फ्लाईंग स्नेक (तक्षक नाग) को रेस्क्यू किया गया.

इसे पिठोरिया निवासी स्नेक रेस्क्यूवर रमेश कुमार महतो ने किया. सांप लगभग ३ फीट का था. रमेश ने बताया कि यह सांप दुर्लभ प्रजाति का है और झारखंड में पहली बार इसे रेस्क्यू किया गया है.

यह सांप ज्यादातर पठारी क्षेत्र के झाड़ीनुमा जगहों पर पाया जाता है. यह सांप १०० फीट ऊपर से नीचे जंप कर सकता है. यह जमीन में बहुत कम आता है. अधिकतर यह पेड़ पर ही रहता है. इसका भोजन मुख्य रूप से छिपकली एवं कीड़े-मकौड़े हैं. यह सांप विलुप्ति के कगार पर है. यह भारत में रेयर कैटेगरी में आता है. इस सांप के जेनेटिक के बारे में रिसर्च होगा. इसलिए इसे बिरसा जैविक उद्यान को सुपुर्द कर दिया जाएगा.

राजद विधायक की सीएम से मांग, भईया योजना भी चलाएं

रांची : राजद विधायक सुरेश पासवान ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की है कि झारखंड में भईया योजना भी चलाया जाना चाहिए. यह योजना मईया योजना के तर्ज पर चलाना चाहिए. बताते चलें कि सुरेश पासवान देवघर से विधायक हैं. उन्होंने चुनाव में भाजपा के नारायण दास को शिकस्त दी है.

नयी झारखंड सरकार के बारे में हम छह माह बाद करेंगे बात : निशिकांत दूबे

रांची (एजेंसी): गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दूबे ने कहा है कि मैं राज्य (हेमंत सरकार) सरकार के बारे में अभी कोई कमेंट नहीं करना चाहता. अभी पूरी तरह से सरकार नहीं बनी है. मंत्रिमंडल का भी विस्तार नहीं हुआ है.

सरकार के बारे में छह माह बाद बात करेंगे. फिलहाल इस सरकार को मौका दिया जाना चाहिए. निशिकांत रविवार को देवघर में मीडिया से बात कर रहे थे.

उन्होंने कहा कि झारखंड में घुसपैठ की जांच होनी चाहिए. एनआरसी भी लागू होना चाहिए. उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने प्रधानमंत्री के नारे एक हैं तो सेफ हैं के खिलाफ काम किया है. उनके लिए राजनीतिक मुश्किलें बढ़ेंगी और भविष्य में वे राजनीति नहीं कर पायेंगे.

प्रदेश बीजेपी ने की हार की समीक्षा, संगठन में फेरबदल की संभावना

रांची (एजेंसी): प्रदेश बीजेपी ने दो दिनों तक विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार की समीक्षा की. समीक्षा बैठक के दौरान जो बातें निकल कर सामने आई हैं अब उसे आलाकमान को अवगत कराया जाएगा. तीन दिसंबर को दिल्ली में प्रदेश नेताओं संग बैठक होगी. यह बैठक कई मायनों में अहम होगी. इस बैठक में संगठन के आगे की रूपरेखा तय की जाएगी. जानकारी के अनुसार प्रदेश संगठन में बड़े फेर-बदल की संभावना जताई जा रही है. चर्चा इस बात की भी हो रही है कि झारखंड भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष से लेकर संगठन मंत्री, जिलाध्यक्ष, सहित कई जिलों के प्रभारियों को भी बदला जा सकता है. बताते चलें कि इस बार के चुनाव में भाजपा २१ सीटों पर ही सिमट गई. संताल में १८ सीटों में से १७ सीटें पर शिकस्त झेलनी पड़ी.

समीक्षा बैठक के दौरान कई नेताओं ने दो टूक कहा कि चुनाव में स्थानीय मुद्दों की अनदेखी की गई. बाहरी नेताओं को टिकट देना भी हार का कारण बना. वहीं प्रमंडलीय प्रभारियों ने भी कोई कारगर कदम नहीं उठाया. टॉप लीडर तक स्थानीय समस्याओं को भी सही तरीके से नहीं पहुंचाया गया.

बैठक में प्रमंडल स्तर के नेताओं की भूमिका पर सवाल खड़े किए गए. वहीं बूथ से जिला स्तर के संगठन, कई जिलाध्यक्षों और प्रभारियों पर भी सवाल खड़े किए गए. कई नेताओं ने कहा कि प्रमंडल प्रभारियों की भी भूमिका संदिग्ध रही. नेताओं ने यह भी कि जिन्हें टिकट नहीं मिला वे जुगाड़ से प्रभारी बन गए. लेकिन किसी भी प्रमंडल में बीजेपी उम्मीदवारों को आपेक्षित जीत नहीं मिली. भाजपा ने अपने संगठन के छह प्रमंडलों में कोल्हान के लिए आदित्य साहू, दक्षिणी छोटानागपुर के लिए गणेश मिश्र, पलामू के लिए विकास प्रीतम, धनबाद के लिए प्रदीप वर्मा, हजारीबाग के लिए मनोज सिंह और संताल के लिए बालमुकुंद सहाय को प्रभारी बनाया गया था.

समीक्षा बैठक में शामिल नेताओं ने कहा कि अब कठोर कदम उठाने की जरूरत है. इस पर चिंतन और मंथन करने की जरूरत है. प्रभारियों द्वारा चुनाव दे दौरान सिर्फ खानापूर्ति की गई. वे एसी रूम तक ही सिमटे रहे. उन्होंने भ्रमण करने के अलावा कुछ भी नहीं किया. नेताओं ने कहा कि चुनाव के दौरान पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय का अभाव रहा. बागियों ने भी भाजपा को नुकसान पहुंचाया. साथ ही नेताओं ने यह भी मांग किया कि झारखंड में दलित और आदिवासी का कोई क्रांतिकारी नेता होना चाहिए, जो आदिवासी वोटों को एकजुट कर सके.

बैठक में सदस्यता अभियान शुरू करने पर भी चर्चा की गई. प्रदेश नेताओं ने कहा कि सभी खामियों को दूर किया जाएगा. जिससे जनता की मजबूत आवाज बन सकेंगे.

बैठक में राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेई, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र राय सहित जिलाध्यक्ष और जिला प्रभारी मौजूद थे.

विश्व एड्स दिवस पर संत जेवियर्स कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम

रांची (एजेंसी): विश्व एड्स दिवस के अवसर पर रविवार को संत जेवियर्स कॉलेज रांची में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक अबू इमरान शामिल हुए. कार्यक्रम में रेड रिबन क्लब के सदस्य, संत जेवियर कॉलेज के विद्यार्थियों एवं एनएसएस के सदस्यों के द्वारा स्वागत गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए गए. साथ ही एड्स से बचाव को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया. छात्र-छात्राओं के बीच क्विज कंपटीशन, पेंटिंग कंपटीशन इत्यादि का भी आयोजन किया गया.

कार्यक्रम में असिस्टेंट प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ एसएस पासवान ने बताया कि २००२ में राज्य में एड्स कार्यक्रम की शुरुआत हुई है. वर्तमान में राज्य में ५९ आईटीसी सेंटर कार्यरत है. जिसमें हाई रिस्क ग्रुप के मरीजों का टेस्ट किया जाता है. साथ ही जो मरीज पॉजिटिव पाए जाते हैं फिर उन्हें एआरटी सेंटर में भेजा जाता है, जहां उनका मुफ्त इलाज किया जाता है. राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड लो प्रीवैलेंस रेट के अंतर्गत आता है. जबकि झारखंड में हजारीबाग जिला हाई प्रीवैलेंस रेट के अंतर्गत आता है, जहां विभिन्न एनजीओ एवं कैंप इत्यादि के माध्यम से हाई रिस्क ग्रुप के लोगों का पहचान कर जागरूक किया जाता है और टेस्टिंग की जाती है.

अभियान निदेशक अबु इमरान ने बताया कि एड्स एक संक्रामक एवं जानलेवा बीमारी है जिसका सही समय पर संपूर्ण जानकारी से ही बचाव एवं रोकथाम संभव है. वर्तमान में झारखंड में करीब १७००० एड्स के मरीज हैं. सरकार ने एचआईवी से पीड़ित मरीजों के लिए कई योजना शुरू की है. इसकी रोकथाम के लिए धार्मिक स्थान, बाजार, जेल इत्यादि स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है. जिन चीजों से एड्स का वायरस फैलता है उनसे बचने की जरूरत है. अनसेफ सेक्स प्रेक्टिस को रोकने की आवश्यकता है जो कि इसका एक प्रमुख कारण है. एड्स संक्रमित जो भी मरीज है उनसे लोगों को भेदभाव नहीं करना चाहिए साथ ही सहानुभूति रखनी चाहिए एवं अच्छा व्यवहार करना चाहिए. कार्यक्रम में सिविल सर्जन रांची डॉक्टर प्रभात कुमार, असिस्टेंट प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ एस एस पासवान, राज्य कार्यक्रम प्रबंधक अणिमा किस्कू, सत्यप्रकाश प्रसाद, रवि शंकर समेत विभाग के कई लोग शामिल हुए.

पृष्ठ एक का शेषांश

सीमा सुरक्षा बल के---

हुए हर सीमा प्रहरी अपने कर्तव्यों के प्रति पूर्ण समर्पण से कटिबद्ध हैं। बीएसएफ स्थापना दिवस १ दिसंबर को मनाया जाता है क्योंकि शांति काल में भारत की भूमि सीमा की रक्षा करने और अंतरराष्ट्रीय अपराध से निपटने के लिए जिम्मेदार सैन्य इकाई की स्थापना १९६५ में इसी दिन की गई थी। भारत की विस्तृत सीमाएं १५ हजार किलोमीटर से ज्यादा फैली हुई हैं। बीएसएफ इन सीमाओं की सुरक्षा की बहुत बड़ी जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाती है।

टीपू सुल्तान इतिहास की---

इस कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा कि टीपू सुल्तान इतिहास में एक बहुत ही जटिल शख्सियत हैं। एक ओर, उन्हें एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में प्रतिष्ठा मिली है, जिन्होंने भारत पर ब्रिटिश नियंत्रण का विरोध किया। साथ ही यह एक तथ्य है कि उनकी हार और मृत्यु को प्रायद्वीपीय भारत के भाग्य के लिए एक अहम मोड़ माना जा सकता है। जयशंकर ने कहा कि समकालीन इतिहास लेखन, निश्चित रूप से राष्ट्रीय स्तर पर, मुख्य रूप से पूर्व पर केंद्रित रहा है और बाद वाले को कम करके आंका या उपेक्षा नहीं की। ईमानदारी से कहें तो यह कोई दुर्घटना नहीं थी। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक दुनिया से होने के नाते मैं टीपू सुल्तान पर इस पुस्तक में दी गई जानकारी और अंतर्दृष्टि से वास्तव में प्रभावित हुआ हूं।

भारत ने बांग्लादेश में---

बयानबाजी और हिंसा को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की अपील की है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना जरूरी है और इन घटनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। स्थिति को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भी नजर अब बांग्लादेश सरकार के अगले कदमों पर है।

देश में बिगड़ते सांप्रदायिक---

कि हालांकि देश विभाजन के दौरान और उसके बाद सांप्रदायिक अशांति के दौर से गुजरा था, लेकिन पिछले १० वर्षों की घटनाएं काफी अलग हैं क्योंकि वे कई राज्य सरकारों और उनके प्रशासनिक तंत्र की पक्षपातपूर्ण भूमिका स्पष्ट रूप से दर्शा रही हैं। भारत में बढ़ते सांप्रदायिक बयानबाजी का जिक्र करते हुए पत्र में कहा गया है, 'जो गोमांस ले जाने के आरोप में मुस्लिम युवाओं को धमकाने या पीटने की घटनाओं से शुरू हुआ, वह निर्दोष लोगों की लिंचिंग में बदल गयाइसके बाद स्पष्ट रूप से नरसंहार के इरादे से इस्लामोफोबिक नफरत भरे भाषण दिए गए। हाल के दिनों में मुस्लिम व्यापारिक प्रतिष्ठानों का बहिष्कार करने का आह्वान भी किया गया है और मुख्यमंत्रियों के इशारे पर एक क्रूर स्थानीय प्रशासन के नेतृत्व में मुस्लिम घरों को बेरहमी से बुलडोजर से गिराया गया है।'

नागालैंड भारत की समृद्ध---

राज्य दिवस की पूर्व संध्या पर एक वीडियो संदेश में राज्यपाल गणेशन ने कहा कि प्रदेशवासियों की अटूट भावना और मजबूत संकल्प हमारे लोगों की ताकत का प्रमाण है, जिन्होंने भारत के विशाल क्षेत्र में नागालैंड के लिए एक विशिष्ट पहचान बनाने के लिए अथक परिश्रम किया है। उन्होंने कहा कि हमारे जीवंत त्यौहार और समृद्ध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां हमारी एकता और विविधता के प्रमाण हैं। यह एक अनमोल उपहार है जिसे अत्यंत सावधानी और जिम्मेदारी के साथ संरक्षित किया जाना चाहिए। वहीं केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक्स पर लिखा- नागालैंड राज्य की स्थापना दिवस पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं! समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए यह प्रदेश प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर रहे, यही कामना करते हैं।

महबूबा मुफ्ती ने बांग्लादेश---

जो अपने धर्मनिरपेक्ष चरित्र के लिए दुनिया भर में जाना जाता है।'' विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री का बयान हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में हार का सामना करने के बाद अपनी पार्टी को पुनर्जीवित करने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा, ''पीडीपी पूरी तरह खत्म हो चुकी है और महबूबा अपनी पार्टी को फिर से स्थापित करने के प्रयास में मुसलमानों को भड़काने के लिए इस तरह के बयान दे रही हैं। वह इस तरह के बयानों से लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही हैं जबकि उन्हें पूरी तरह पता है कि देश में, खासकर जम्मू-कश्मीर में मुसलमान सुरक्षित हैं।

बेथेल की डेब्यू मैच में फिफ्टी और कार्से के 6 विकेट

- इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड को हराया

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। जैकब बेथेल के डेब्यू मैच में नाबाद अर्धशतक और उसके बाद ब्रायडन कार्से (6-42) की करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड ने रविवार को हेगले ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन 8 विकेट से जीत दर्ज की। इंग्लैंड की 8 विकेट की जीत ने उन्हें तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त दिलाने में मदद की और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में उनके स्टैंडिंग पॉइंट प्रतिशत को 43.75 के साथ सुधारा है। दूसरी ओर न्यूजीलैंड ने अपने पॉइंट प्रतिशत को 50 प्रतिशत तक गिरा दिया और उनके डब्ल्यूटीसी फाइनल क्वालीफिकेशन की संभावनाओं को भारी झटका लगा। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन हैगले ओवल में 155/6 से आगे खेलने के बाद न्यूजीलैंड ने अपने ओवरनाइट स्कोर में 99 रन जोड़े, क्योंकि कार्से ने सुबह के सत्र में मेजबान की सकारात्मक शुरुआत को बाधित करते हुए रविवार को अपनी दूसरी पारी में 254 रन पर समेट दिया। कार्से ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 6/42 के आंकड़े की मदद से शेष चार विकेटों में से तीन को चटकाया जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि इंग्लैंड को जीत हासिल करने के लिए केवल 104 रनों का पीछा करना पड़ा।

यह कार्य 8.21 की प्रभावशाली स्कोरिंग दर से आसानी से पूरा हुआ, क्योंकि जैकब बेथेल ने अपने डेब्यू पर शानदार नाबाद अर्धशतक लगाया जिसे केवल 37 गेंदों में हासिल किया गया, जिससे इंग्लैंड ने दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। जबकि कार्से अपने 10/106 के गेंदबाजी आंकड़े के लिए प्लेयर ऑफ द मैच रहे, जो 16 वर्षों में विदेश में 10 विकेट लेने वाले पहले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज हैं।

बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर न्यूजीलैंड ने वापसी कर रहे केन विलियमसन के शानदार 93 रनों की बदौलत पहली पारी में 348 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड 71/4 पर संघर्ष कर रहा था इससे पहले हैरी ब्रूक के 171 रनों की मदद से मेहमान टीम ने 151 रनों की शानदार बढ़त हासिल की जो उनकी जीत की वजह बना।

मार्को यानसेन के 11 विकेट, दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका को 233 रन से हराया

डरबन (एजेंसी)। तेज गेंदबाज मार्को यानसन के 11 विकेट से दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को पांचवें दिन किंग्समीड में खेले गए पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को 233 रनों से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की अजेय बढ़त बना ली। श्रीलंका ने जीत के लिए 516 रनों के लगभग असंभव जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी दूसरी पारी में 282 रन बनाए। टीम के लिए दिनेश चांदीमल ने सबसे ज्यादा 83 रन बनाए।

श्रीलंका की टीम ने दिन की शुरुआत 5 विकेट पर 103 रन से आगे से की और चांदीमल ने 174 गेंद की पारी में 12 चौके लगाने के साथ छठे विकेट के लिए कप्तान धनंजय डिसिल्वा (59) के साथ 95 और सातवें विकेट के लिए कुसल मेंडिस (48) के साथ 75 रन की साझेदारी कर दक्षिण अफ्रीका के जीत के इंतजार को लंबा किया। वह गेराल्ड कोएत्जी की गेंद पर उन्हीं को कैच देकर आउट हुए जिससे श्रीलंका ने आखिरी 4 विकेट 11 रन के अंदर गंवा दिए।

भारत-आस्ट्रेलिया

दूसरे टेस्ट में भारत की प्लेइंग 11 में होंगे 3 बदलाव

सुनील गावस्कर ने बताया पडिक्कल और जुरेल की हो सकती है छुट्टी

- 6 दिसंबर से एडिलेड ओवल में शुरू होगा दूसरा टेस्ट मैच
- भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा मुकाबला 6 दिसंबर से खेला जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह मैच एडिलेड ओवल में होगा। परिवारिक कारणों से रोहित शर्मा ने पहला टेस्ट नहीं खेला था। ऐसे में दूसरे टेस्ट में वापसी के लिए तैयार हैं। रोहित पर्थ टेस्ट के दौरान ही भारतीय टीम के साथ जुड़ गए थे। रोहित की वापसी के बाद दूसरे टेस्ट में भारत की प्लेइंग 11 में बदलाव तय है। इतना ही नहीं शुभमन गिल भी चोट से उबर रहे हैं और वापी कर सकते हैं। इस बीच दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने बताया कि तीसरे टेस्ट में भारत की प्लेइंग 11 क्या होगी।

भारत की प्लेइंग 11 में हो सकते 3 बदलाव

गावस्कर ने कहा है कि पिंक बॉल टेस्ट में भारत की प्लेइंग 11 में 3 बदलाव हो सकते हैं। 7क्रिकेट पर बातचीत के दौरान गावस्कर ने कहा कि रोहित शर्मा और शुभमन गिल निश्चित रूप से देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की जगह प्लेइंग इलेवन में वापस आएंगे।

उन्होंने सुझाव दिया कि मैनेजमेंट बैटिंग ऑर्डर में बदलाव कर सकता है। रोहित की गैरमौजूदगी में केएल राहुल ने ओपनिंग की थी। दूसरे टेस्ट में राहुल मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी कर सकते हैं। साथ ही रोहित शर्मा यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करते नजर आ सकते हैं।

गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि निश्चित रूप से दो बदलाव होंगे, रोहित शर्मा और शुभमन गिल दोनों की प्लेइंग 11 में वापसी हो रही है। मुझे लगता है कि बल्लेबाजी क्रम बदल जाएगा। जहां रोहित शर्मा राहुल की जगह लेंगे, वहीं शुभमन गिल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की प्लेइंग 11 से छुट्टी होगी। वहीं राहुल छठे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे।

जडेजा को मिल सकता मौका

गावस्कर ने सुझाव दिया कि भारतीय मैनेजमेंट वॉशिंगटन सुंदर की जगह रवींद्र जडेजा को मौका दे सकता है। उन्होंने कहा, और एक और बदलाव जो हो सकता है वह यह है कि वॉशिंगटन सुंदर की जगह रवींद्र जडेजा को मौका मिल सकता है।

गावस्कर के अनुसार भारत की प्लेइंग 11

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

रूट ने चौथी पारी में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ा

कार्से ने झटके कुल 10 विकेट

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान एक खास उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। रूट ने टेस्ट की चौथी पारी में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। अपना 150वां टेस्ट खेलने वाले रूट ने अपनी टीम की जीत में योगदान दिया और वह 15 गेंदों पर 22 रन बनाकर नाबाद रहे।

सबसे आगे निकले रूट - रूट भले ही बड़ी पारी नहीं खेल पाए, लेकिन वह चौथी पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में सभी से आगे निकल गए हैं। रूट के अब टेस्ट की चौथी पारी में 1630 रन हो गए हैं, जबकि सचिन ने अपने करियर में इस दौरान 1625 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलेस्टियर कुक हैं और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ हैं। इन दोनों ही बल्लेबाजों ने चौथी पारी में कुल एक समान 1611 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपॉल ने 1580 रन बनाए हैं।

इंग्लैंड ने आठ विकेट से जीता मैच - मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हरा दिया है। इस तरह इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्से की शानदार गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी 254 रन पर ऑलआउट की। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के सामने 104 रनों का लक्ष्य रखा जिसे इंग्लैंड ने 12.4 ओवर में दो खोकर हासिल कर लिया।

डे-नाइट टेस्ट में भारत का रिकॉर्ड

75 प्रतिशत मैच जीते, एडिलेड में ही मिली है एकमात्र हार

नईदिल्ली(एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एडिलेड में छह दिसंबर से खेला जाएगा। यह गुलाबी गेंद से खेला जाने वाला डे-नाइट टेस्ट होगा। पर्थ में 295 रन से जीत हासिल करने के बाद भारतीय टीम आत्मविश्वास से लबरेज है। वहीं, दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घर में हार से परेशान है। हालांकि, डे-नाइट टेस्ट अलग बात होगी। ऐसे मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम कड़ी टक्कर देती है और उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है।

रोहित और शुभमन गिल फिट हुए

भारत के लिए अच्छी बात यह है कि नियमित कप्तान रोहित शर्मा की वापसी हो चुकी है। इसके अलावा शुभमन गिल भी फिट होने की कगार पर हैं। इन दोनों की वापसी से भारतीय बल्लेबाजी मजबूत हो जाएगी। हालांकि, टीम मैनेजमेंट के सामने प्लेइंग-11 को लेकर परेशान होगा। रोहित और गिल को विनिंग कॉम्बिनेशन में फिट करना चिंता का विषय है। देवदत्त पडिक्कल का बेंच पर बैठना तय माना जा रहा है। इसके अलावा ध्रुव जुरेल भी बेंच पर बैठे दिख सकते हैं। सबसे बड़ी परेशानी यह होगी कि केएल राहुल को ओपनिंग भेजा जाएगा या उन्हें फिर से नंबर पांच पर भेजा जाएगा। आइए उससे पहले हम डे-नाइट टेस्ट या पिंक बॉल टेस्ट में भारत के आंकड़े देखते हैं...

भारत ने अब तक चार डे नाइट टेस्ट खेले

भारत ने अब तक चार डे-नाइट टेस्ट खेले हैं। इसमें से तीन में उन्हें जीत मिली है, जबकि एक में हार का सामना करना पड़ा है। टीम इंडिया ने डे-नाइट टेस्ट में 75 फीसद मैच जीते हैं। जिस एकमात्र टेस्ट में भारतीय टीम को हार मिली थी, वह चार साल पहले एडिलेड में ही खेला गया था। यह 2020/21 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे का पहला टेस्ट था। विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम इंडिया को इसमें आठ विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था।

2020 में एडिलेड में भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच में क्या हुआ था

एडिलेड में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 244 रन बनाए थे। चेतेश्वर पुजारा ने 43 रन और अजिंक्य रहाणे ने 42 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 191 रन पर ही सिमट गई थी। मार्नस लाबुशेन 47 रन और कप्तान टिम पेन ने 73 रन बनाए थे। भारतीय टीम दूसरी पारी में तहस नहस हो गई थी और सिर्फ 36 रन पर सिमट गई थी। यह भारत का टेस्ट में सबसे कम स्कोर भी है। पृथ्वी शॉ चार रन, मयंक अग्रवाल नौ रन, जसप्रीत बुमराह दो रन, विराट कोहली चार रन, हनुमा विहारी आठ रन और ऋद्धिमान साहा चार रन बनाकर आउट हुए थे। वहीं, पुजारा, रहाणे और अश्विन खाता भी नहीं खोल सके थे।

भारत ने पहला डे नाइट टेस्ट 2019 में खेला था

भारत ने अपना पहला डे नाइट टेस्ट 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था और 46 रन से जीत हासिल की थी। यह मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में खेला गया था। इसके बाद 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने के बाद टीम इंडिया ने फरवरी 2021 में इंग्लैंड को अहमदाबाद में डे-नाइट टेस्ट में 10 विकेट से और फिर बेंगलुरु में मार्च 2022 में श्रीलंका को 238 रन से शिकस्त दी थी। डे-नाइट टेस्ट में भारत का उच्चतम स्कोर 347/9 का है। बांग्लादेश के खिलाफ टीम इंडिया ने इतने रन बनाए थे। वहीं, न्यूनतम स्कोर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 36 रन का है। टीम इंडिया 2020 में मिली हार को भुलाकर एक नई शुरुआत करना चाहेगी और पर्थ की तरह एडिलेड भी फतह करना चाहेगी।

विराट डे नाइट टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय

भारत के लिए डे-नाइट टेस्ट में सबसे ज्यादा रन विराट ने ही बनाए हैं। उन्होंने ऐसे चार मैचों में 46.16 की औसत से 277 रन बनाए हैं। वहीं, रोहित शर्मा तीन मैचों में 43.25 की औसत से 173 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। लिस्ट में तीसरे स्थान पर श्रेयस अय्यर हैं। उन्होंने एक डे नाइट टेस्ट में 79.50 की औसत से 155 रन बनाए हैं। वहीं, गेंदबाजों की बात करें तो डे नाइट टेस्ट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट रविचंद्रन अश्विन ने लिए हैं। उन्होंने ऐसे चार मैचों में 18 विकेट झटके हैं। वहीं, अक्षर पटेल ने दो पिंक बॉल टेस्ट में 14 विकेट झटके हैं। उमेश यादव ने ऐसे दो मैचों में 11 विकेट लिए हैं।

डे-नाइट टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन

खिलाड़ी	मैच	कुल रन	औसत
विराट कोहली	4	277	46.16
रोहित शर्मा	3	173	43.25
श्रेयस अय्यर	1	155	79.50

डे-नाइट टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट

खिलाड़ी	मैच	कुल विकेट	औसत
रविचंद्रन अश्विन	4	18	13.83
अक्षर पटेल	2	14	9.14
उमेश यादव	2	11	15.54

- डे नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के आंकड़े - ऑस्ट्रेलिया के लिए चिंता की बात यह है कि 2020 में कहर बरपाने वाले हेजलवुड दूसरे टेस्ट में नहीं खेलेंगे। वह चोटिल हैं। ऑस्ट्रेलिया का डे नाइट टेस्ट में असाधारण रिकॉर्ड है। उन्होंने अब तक 12 डे-नाइट टेस्ट खेले हैं, जिनमें से 11 में जीत हासिल की है, जबकि सिर्फ एक में हार का सामना करना पड़ा है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे सूर्यकुमार यादव

हैदराबाद(एजेंसी)। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव तीन दिसंबर को आंध्र के खिलाफ मुंबई के अगले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमए्टी) के शेष मैचों और उसके बाद 21 दिसंबर से शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में भी खेल सकते हैं। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को 3-1 से सीरीज में जीत दिलाने वाले सूर्यकुमार सोमवार को हैदराबाद में मुंबई की टीम से जुड़ेंगे और अगले मैच में भी खेलने की उम्मीद है। रुप ई में चौथे स्थान पर काबिज मुंबई ने अब तक अपने तीन मैचों में से दो जीते हैं और रविवार को नागालैंड के खिलाफ होने वाले मैच के बाद उनके पास दो लीग मैच शेष हैं। मौजूदा एसएमए्टी में दक्षिण अफ्रीका के टी-20 दौरे के बाद हार्दिक पांड्या, श्रेयस, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, युजवेंद्र चहल, वरुण चक्रवर्ती और अन्य खिलाड़ी खेल रहे है।

त्रीसा और गायत्री की जोड़ी ने सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन में महिला युगल खिताब जीता

लखनऊ (एजेंसी)। भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने रविवार को यहां सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में बाओ ली जिंग और ली कियान की चीन की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर अपना पहला सुपर 300 खिताब जीता। चीन में सत्र के अंत में होने वाले विश्व टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी त्रीसा और गायत्री ने चीन की प्रतिद्वंद्वियों को महज 40 मिनट में 21-18, 21-11 से मात दी।

राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता जोड़ी के लिए यह जीत ऐतिहासिक है क्योंकि त्रीसा और गायत्री इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला युगल जोड़ी बन गईं। यह जोड़ी 2022 चरण में उपविजेता रही थी। भारतीय जोड़ी ने मजबूत शुरुआत की और शुरुआती गेम में 4-0 की बढ़त बना ली। हालांकि बाओ और ली ने वापसी की और 14-14 से मुकाबला

काफी करीबी हो गया। चीन की खिलाड़ियों की गलतियों ने भारतीयों को 17-15 से आगे कर दिया।

गायत्री के नेट पर फुर्तीले शॉट से भारतीय जोड़ी को दो गेम प्वाइंट हासिल करने में मदद मिली और उन्होंने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में त्रीसा और गायत्री ने ब्रेक तक 11-5 की बढ़त हासिल कर ली। भारतीयों ने लगातार शानदार प्लेयों से अंतर 18-7 तक बढ़ा दिया। गायत्री के ताकतवर स्मैश से उन्हें 11 मैच प्वाइंट दिलाए और भारतीय जोड़ी ने खिताब अपने नाम कर लिया। भारत के पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक की पुरुष युगल जोड़ी तथा तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल टीम ने अपना अभियान उप विजेता के तौर पर समाप्त किया। पृथ्वी और साइ ने 71 मिनट तक चले पुरुष युगल फाइनल में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन उन्हें चीन के हुआंग डि और लियु यांग से 14-21, 21-19, 17-21 से हार का मुंह देखना पड़ा। इससे पहले पांचवी वरीयता प्राप्त तनीषा और ध्रुव की जोड़ी एक गेम की बढ़त गंवाकर मिश्रित युगल के फाइनल में थाईलैंड के डेचापोल पुआवारानुकोह और सुपिसरा पाएवसम्पान की जोड़ी से 21-18 14-21 8-21 से पराजित हो गई।

आईपीएल 2025

153 करोड़ में बिके 'स्टार' प्लेयर्स प्रदर्शन से चूके, 'सस्ते' खिलाड़ियों ने किया कमाल

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में 27 करोड़ की बोली के साथ ऋषभ पंत इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं जबकि श्रेयस अय्यर और वेंकटेश अय्यर को क्रमशः 26.75 करोड़ और 23.75 करोड़ में बिके। लेकिन आगामी सीजन में ये खिलाड़ी कैसा प्रदर्शन करते हैं इस पर नजरें रहेंगी। इसका बड़ा कारण पिछले 3 सीजन में टॉप 3 सबसे महंगे खिलाड़ियों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। 153 करोड़ रुपए की कीमत वाले इन 9 प्लेयर्स की तुलना में पिछले तीन सीजन के 9 सबसे सस्ते सफल खिलाड़ियों की कुल कीमत महज 3.35 करोड़ रुपए रही। आइए आंकड़ों पर नजर डालते हैं-

- मिचेल स्टार्क - 24.75 करोड़, कोलकाता नाइट राइडर्स - 14 पारी में 26.12 के औसत से 17 विकेट
- पैट कमिंस -20.5 करोड़, सनराइजर्स हैदराबाद - 18 विकेट लिए। फाइनल में पहुंचाया।
- डैरिल मिचेल - 14 करोड़, चेन्नई सुपर किंग्स - 13 मैच में 70 के औसत से 1 विकेट
- शशांक सिंह - 20 लाख, पंजाब किंग्स - 44.25 के औसत के साथ 354 रन।
- स्टब्स - 50 लाख, दिल्ली कैपिटल्स - 13 पारी में 191 के रेट से 378 रन ठोके
- रमनदीप - 20 लाख, कोलकाता नाइट राइडर्स - ने फिनिशर की भूमिका निभाई।

(2023)

- सैम करन - 18.5 करोड़, पंजाब किंग्स - 14 पारी में 49 के औसत से रन लुटाकर मात्र 10 विकेट
- कैमरून ग्रीन -17.5 करोड़, मुंबई इंडियंस - मात्र 6 ही विकेट लिए।
- बेन स्टोक्स - 16.25 करोड़, चेन्नई सुपर किंग्स, चोट के चलते अधिकतर सीजन नहीं खेले और 15 रन ही बनाए।
- मोहित - 50 लाख, गुजरात - 8.17 के इकोनॉमी रेट से 27 विकेट लिए। दूसरे ओवर गेंदबाज।
- स्पिनर पीयूष-50 लाख, मुंबई - 22 विकेट, चौथे सफल गेंदबाज।
- अजिंक्य रहाणे - 50 लाख, चेन्नई - 11 इनिंग्स में 326 रन बनाए।

(2022)

- इशान किशन - 15.25 करोड़, मुंबई इंडियंस - 14 पारी में 32 के औसत से 418 रन।
- ● 14 करोड़, चेन्नई सुपर किंग्स, चोट के चलते एक भी मैच नहीं खेले।
- श्रेयस अय्यर - 12.25 करोड़, कोलकाता नाइट राइडर्स, 14 मैच में 134 के स्ट्राइक रेट से 401 रन। 3 अर्धशतक भी।
- मोहसिन खान - 20 लाख, लखनऊ सुपर जाइंट्स - 9 पारियों में 14 विकेट, मात्र 14 का औसत।
- मुकेश चौधरी - 20 लाख, चेन्नई सुपर किंग्स - 13 पारी में 16 विकेट।
- रिंकू सिंह - 55 लाख, कोलकाता नाइट राइडर्स - 7 मैच में 174 रन, 35 का औसत।

कंप्यूटर हार्डवेयर में अवसरों की कमी नहीं

पिछले दो दशक में अगर किसी क्षेत्र में सबसे ज्यादा विकास और कामकाज को लेकर निर्भरता बढ़ी है तो वह कंप्यूटर है। दरअसल कंप्यूटर आज हर एक की जिंदगी में इस तरह से पैठ बना चुका है कि इसके बिना कोई काम नहीं हो सकता। यह संभव है कि आपको कंप्यूटर का संचालन करना नहीं आता हो लेकिन समय पड़ने पर इसे सीखना आवश्यक होता जा रहा है। ऐसे में कंप्यूटर का रख-रखाव भी अहम हो जाता है। जब भी कभी इसमें खराबी आ जाती है तो इसे ठीक करने का काम कंप्यूटर हार्डवेयर प्रोफेशनल्स करते हैं।

कंप्यूटर हार्डवेयर क्या है

कंप्यूटर के कलपुर्जों को सम्मिलित रूप से हार्डवेयर कहा जाता है। हार्डवेयर तकनीक के अंतर्गत इसके निर्माण और रख-रखाव की जानकारी दी जाती है। इसे दो भागों में बांटा जा सकता है। कार्ड लेवल और चिप लेवल। दरअसल, सभी कंप्यूटर उपकरणों में कई तरह के कार्ड लगे होते हैं, जिनमें कई चिप होती हैं। पहले किसी भी चिप में कोई खराबी होने पर पूरे कार्ड को बदल दिया जाता था। इसे 'कार्ड लेवल हार्डवेयर तकनीक कहते हैं। इसमें लगने वाले कार्ड काफी महंगे होते हैं, इस कारण यह तकनीक काफी महंगी है। अब जब से कार्ड में लगे चिप को बदलने की तकनीक विकसित हो चुकी है तो कंप्यूटर में इससे संबंधित किसी भी तरह की खराबी आने पर कार्ड में लगे चिप को बदलकर ही खराबी दूर कर दी जाती है। कार्ड के मुकाबले चिप काफी सस्ती पड़ती है। इसके कारण यह तकनीक काफी लोकप्रिय है।

योग्यता

कई पॉलिटेक्निक और निजी संस्थानों द्वारा चिप लेवल हार्डवेयर में डिप्लोमा का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की अवधि एक से तीन वर्ष के बीच होती है। इन कोर्सेज में प्रवेश के लिए योग्यता बारहवीं पास है, जबकि पॉलिटेक्निक में दसवीं के बाद ही प्रवेश लिया जा सकता है। अधिकतर जगहों पर दाखिला प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही होता है। कुछ निजी संस्थान बारहवीं के अंकों के आधार पर भी प्रवेश देते हैं।

संभावनाएं

कंप्यूटर और उसके उपभोक्ताओं की लगातार बढ़ती संख्या के साथ ही हार्डवेयर इंजीनियरों की मांग भी काफी तेजी से बढ़ी है। निजी संस्थानों और कार्यालयों में कंप्यूटर के बिना काम करने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कंप्यूटर में थोड़ी-सी गड़बड़ी लाखों का नुकसान करा सकती है, इसलिए निजी कंपनियों और सरकारी कार्यालयों में पर्याप्त संख्या में हार्डवेयर प्रोफेशनल नियुक्त किए जाते हैं। घरों, दुकानों आदि में कंप्यूटर के बढ़ते प्रयोग के कारण स्वतंत्र रूप से रिपेयरिंग का काम करके काफी आमदनी की जा सकती है। आप हार्डवेयर अपग्रेडेशन में भी टेलीकॉम, मोबाइल और कंप्यूटर से संबंधित इलेक्ट्रॉनिक गुड्स के क्षेत्र में काम कर सकते हैं। साथ ही अगर आप नौकरी नहीं करना चाहते हैं तो खुद का व्यवसाय भी कर सकते हैं।

हर कोई डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस... बनना चाहता है, लेकिन हर किसी का यह सपना पूरा नहीं होता है। लेकिन आप वोकेशनल कोर्स के माध्यम भी अपने करियर को एक नए मुकाम तक पहुंचा सकते हैं।

जमाना वोकेशनल कोर्स का

अगर आप उच्च शिक्षा हासिल करने में फाइनेंशियल रूप से सक्षम नहीं है, तो वोकेशनल कोर्सेज आपके लिए बेहतर विकल्प हैं। इंडस्ट्री की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सरकारी और प्राइवेट संस्थानों द्वारा कई तरह के शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म कोर्सेज चलाए जा रहे हैं। इस तरह के कोर्स करने के बाद नौकरी भी आसानी से मिल जाती है।

हेयर स्टाइल

इन दिनों फैशन का खूब पैशन है। इसलिए लोग अपने हेयर स्टाइल के प्रति काफी सजग हो गए हैं। यही वजह है कि बाजार में संभावनाओं को देखते हुए कुछ संस्थानों ने इससे जुड़े कोर्स शुरू कर दिए हैं। आप 10वीं और 12वीं पास करने के बाद इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं।

इंस्टीट्यूट

- पॉलिटेक्निक फॉर वूमन, साउथ एक्सटेंशन-1, नई दिल्ली,
- हबिब्स हेयर एकेडमी, साउथ एक्सटेंशन-2 नई दिल्ली,
- मैन्स वर्ल्ड इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

ब्यूटी कल्चर

फैशन के इस दौर में हर कोई सुंदर दिखना चाहता है और लोगों की इसी चाहत की वजह से ब्यूटी कल्चर का कारोबार काफी बढ़ रहा है। यदि आप ऑफबीट करियर में कदम रखना चाहते हैं, तो ब्यूटी कल्चर से जुड़े कोर्स 10वीं और 12वीं के बाद भी कर सकते हैं।

इंस्टीट्यूट

- अहिंसा वूमन पॉलिटेक्निक, शंकर रोड, नई दिल्ली,
- लोयला इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, लोयला कॉलेज, चेन्नई

फैशन डिजाइनिंग

फैशन डिजाइनिंग का क्षेत्र काफी विस्तृत है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां कैरियर के लिए अपार गुंजाइश है। बदलते फैशन की समझ और नए डिजाइन क्रिएट करने की क्षमता आपको इस क्षेत्र में सफल बना सकती है। फैशन की दुनिया में जाने के लिए 10+2 के उपरांत फैशन से संबंधित किसी भी पाठ्यक्रम में एडमिशन ले सकते हैं। फैशन डिजाइनिंग से संबंधित संस्थान तीन वर्ष का डिग्री कोर्स करवाने के साथ-साथ कुछ शार्ट टर्म कोर्स भी करवाते हैं, जो छह महीने से लेकर एक साल तक के हैं। कोर्स पूरा करने के बाद फैशन टेक्नोलॉजी, स्टिचिंग ऑफ गारमेंट्स, गारमेंट टेक्नोलॉजी, अपैरल मर्चेंडाइजिंग को अपैरल कोऑर्डिनेटर, रीटेलर, सेल प्रमोशन, फैशन फोटोग्राफी, ड्रेस ऐंड एक्सेसरी डिजाइनर, गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजिस्ट, निटवियर डिजाइनर, टेक्सटाइल आदि के तौर पर नौकरी मिल सकती है। अपैरल पैटर्न मेकिंग का कोर्स दसवीं कक्षा के बाद कर सकते हैं। इसकी अवधि चार से छह माह की है। कपड़ा मंत्रालय के तहत अपैरल एक्सपोर्ट काउंसिल के अंडर में भी अपैरल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेंटर से इस कोर्स को किया जा सकता है। फैशन टेक्नोलॉजी का कोर्स करने के बाद आपको सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की गारमेंट कंपनियों, फैशन ब्राडों, टैक्सटाइल मिलों, फैशन संस्थानों में रोजगार मिल सकता है। स्वरोजगार के तौर पर रेडीमेट गार्मेंट बुटीक खोलकर भी कमाई की जा सकती है।

इंस्टीट्यूट

- नेशनल वोकेशनल ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट फॉर वुमेन, नोएडा।

इसके अलावा पॉलीटेक्नीक फॉर वूमेंस संस्थानों से भी ये कोर्स किए जा सकते हैं।

फुटवियर टेक्नोलॉजी ऐंड लेदर गुड्स मेकिंग

फुटवियर टेक्नोलॉजी या लेदर गुड्स में प्रशिक्षण हासिल करके बेहतर करियर बनाया जा सकता है। इसमें डिप्लोमा कोर्स के बाद अच्छी नौकरियां पाई जा सकती हैं। फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग और फुटवियर डिजाइनिंग एक्सपर्टस की मार्केट में काफी डिमांड है। किसी भी स्ट्रीम में बारहवीं पास युवा इन कोर्सेज में प्रवेश पा सकते हैं।

ज्वैलरी डिजाइनिंग

फैशन एसेसरीज में ज्वैलरी हमेशा से ही हॉट डिमांड में रही है। इस क्षेत्र में मुख्य काम ज्वेलरी मेकिंग, डिजाइनिंग आदि है। इसके अलावा, वैलरी डिजाइन, स्टोन कटिंग ऐंड इनेमलिंग, जेमोलॉजी कॉस्टिंग टेक्नोलॉजी, आईडेंटीफिकेशन ऑफ स्टोन ऐंड जेम्स आदि पाठ्यक्रम भी किए जा सकते हैं। इसमें रत्नों की शुद्धता मापने, रत्नों का चुनाव, मूल्य,काटने-तराशने का ज्ञान, कास्टिंग, सैटिंग, पॉलिशिंग, सोइंग तथा सोल्डरिंग आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता बारहवीं है। कोर्स करने के बाद किसी भी ज्वैलरी कंपनी से जुड़कर काम की शुरुआत कर सकते हैं। इसकी पढ़ाई दिल्ली, जयपुर और नोएडा के अलावा कई शहरों में होती है।

इंटीरियर डिजाइनिंग

घर हो, दफ्तर, होटल या शोरूम, इनको डिफरेंट लुक देने का काम इंटीरियर डिजाइनर का होता है। इंटीरियर डिजाइनर स्थान की साज-स'जा के अलावा जगह का भी प्लान करता है। ये कस्टमर की रुचि, बजट तथा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पूरी रूपरेखा तैयार करते हैं। इसमें दीवार, फर्श, छत की स'जा, फर्नीचर और दूसरी सामग्रियों की जमावट, विंडो ट्रीटमेंट, लाइटिंग, विजुअल और साउंड इफेक्ट्स आदि शामिल होते हैं। एक अच्छा इंटीरियर डिजाइनर बनने के लिए कल्पनाशीलता और रचनात्मकता बेहद जरूरी गुण है। इंटीरियर डिजाइनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता बारहवीं है। यूं तो इंटीरियर डिजाइनिंग में तीन साल के भी कोर्स हैं, लेकिन करियर बनाने के लिए आर्किटेक्चर में पांच वर्षीय डिग्री कोर्स बेहतर होता है। साइंस स्ट्रीम के बारहवीं पास स्टूडेंट्स इंटीरियर डिजाइनिंग के डिग्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं, जबकि कला स्ट्रीम के छात्र एक से दो साल का डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। अधिकांश शहरों के पॉलीटेक्निक और वोकेशनल ट्रेनिंग स्कूलों में ये कोर्स कराए जाते हैं। यह कोर्स करने के बाद विभिन्न इंटीरियर डिजाइनिंग संस्थानों, आर्किटेक्ट फर्म, कंसल्टेंसी फर्म या बिल्डर और कॉन्ट्रैक्टर के साथ काम कर सकते हैं। इसके अलावा बड़े होटलों, हॉस्पिटल्स, शॉपिंग मॉल या डिजाइन स्टूडियो और फर्नीचर स्टोर्स में डिजाइन कंसल्टेंट की जरूरत होती है। खुद का उद्यम भी शुरू कर सकते हैं।

टेक्नोलॉजी में तेजी से आई प्रगति से सिर्फ सुविधाएं ही नहीं, बल्कि अपराध भी बढ़ रहे है और इसी के साथ बढ़ रही है अपराधों की छानबीन के क्षेत्र में करियर की प्रबल संभावनाएं भी।

क्रिमिनोलॉजिस्ट चुनौतियों भरा कॅरियर

क्रिमिनोलॉजिस्ट का काम है घटना स्थल से अपराधी के खिलाफ सबूत जुटाने में जांच दल की मदद करना। विशेषज्ञों के अनुसार, बेशक यह जॉब चैलेंजिंग है, परंतु तेजी से लोकप्रिय हो रहा करियर विकल्प भी है। फोरेंसिक साइंस की सभी शाखाओं में इसके विशेषज्ञों की हमेशा मांग रहती है।

केंद्रीय व राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही 24 फोरेंसिक लैब में विशेषज्ञों की भर्ती संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती है। फोरेंसिक मेडिसिन के विशेषज्ञों को सभी मेडिकल कालेजों, शोध संस्थानों में मौका दिया जाता है। अपराध अनुसंधान से संबंधित सभी लैबों में फोरेंसिक विज्ञान की शाखाओं के लिए अलग-अलग विभागों में विशेषज्ञों की मांग हमेशा बनी रहती है। क्रिमिनोलॉजी विशेषज्ञों के लिए सीबीआई और आईबी में भी मौके होते हैं। यह करियर रोमांच और चुनौतियों से भरा है। अगर आप अपने जीवन में जोखिम को तवज्जो देते हैं तो आप इस करियर से नाता जोड़ सकते हैं। आप इस करियर में जितनी मेहनत करेंगे, उतना ही मेहनताना और मान-सम्मान भी पाएंगे।

उपलब्ध कोर्स

- बीए/बीएससी इन क्रिमिनोलॉजी (3 वर्ष)
- एमए/एमएससी इन क्रिमिनोलॉजी (2 वर्ष)
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्रिमिनोलॉजी (1 वर्ष)

कैसे मिलेगा दाखिला

क्रिमिनोलॉजी के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए बीए या बीएससी इन क्रिमिनोलॉजी में दाखिला ले सकते हैं, जिसकी अवधि 3 वर्ष है। इसके लिए आर्ट या साइंस में बारहवीं पास होना अनिवार्य है। इसके अलावा, पोस्ट ग्रेजुएट, डिग्री या डिप्लोमा इन क्रिमिनोलॉजी भी कर सकते हैं, जिसके लिए आर्ट या साइंस विषय में स्नातक डिग्री आवश्यक है।

कार्य

क्रिमिनोलॉजिस्ट का काम अपराध से संबंधित परिस्थितियों का अध्ययन करना, अपराधी के खिलाफ सबूत जुटाना और अपराध करने का कारण तथा समाज पर इसका प्रभाव जानना होता है। क्रिमिनोलॉजिस्ट समाज को अपराध से बचाने में मदद भी करता है।

संभावनाएं

आज जिस तरह से क्राइम बढ़ रहा है, उसे देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि सन् 2014 तक इस क्षेत्र में ऐसे प्रोफेशनल्स की बहुत जरूरत पड़ेगी। क्रिमिनोलॉजिस्ट पब्लिक व प्राइवेट कंपनियों, सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट, एनजीओ, रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन, प्राइवेट सिक्योरिटी तथा डिटेक्टिव एजेंसियों में रोजगार प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा, क्रिमिनोलॉजिस्ट काउंसलर तथा फ्रीलांसर के तौर पर भी कार्य कर सकता है।

किस तरह के मिलते हैं जॉब

क्रिमिनोलॉजी से कोर्स करने के बाद क्राइम इंटेलिजेंस एनालिस्ट, लॉ रिफॉर्म रिसर्चर, कम्यूनिटी करेक्शन कोऑर्डिनेटर, ड्रग पॉलिसी एडवाइजर, कंज्यूमर एडवोकेट, इनवायरनमेंट प्रोटेक्शन एनालिस्ट के पद पर कार्य कर सकते हैं।

आवश्यक गुण

कानून व्यवस्था पर आस्था और जिज्ञासा एक सफल क्रिमिनोलाजिस्ट बनने के लिए सबसे आवश्यक गुण होते हैं। इसके अलावा, यदि आप लॉजिक व प्रैक्टिकल सोच रखते हैं तथा टीम भावना के साथ काम कर सकते हैं, तो आप आसानी से इस फील्ड से जुड़कर नाम कमा सकते हैं।

सैलरी पैकेज

भारत में एक क्रिमिनोलॉजिस्ट शुरुआती स्तर पर प्रतिमाह 30 से 45 हजार रुपये कमा सकता है। इसके अलावा, फ्रीलांसर के तौर पर वह केस की जरूरत के अनुसार अपनी फीस तय कर सकता है। भारत की तुलना में विदेशों में क्रिमिनोलॉजिस्ट की मांग ज्यादा है।

संक्षिप्त समाचार

खैबर पख्तूनख्वा में शिया, सुन्नी समुदायों के बीच हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 124 हुई

इस्लामाबाद, एजेंसी। जिले में अलीजाई और बागान समुदायों के बीच संघर्ष 22 नवंबर को शुरू हुआ था। इससे एक दिन पहले पाराचिनार के पास यात्री गाड़ियों के काफिले पर हमला हुआ था जिसमें 47 लोग मारे गए थे। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में संघर्ष विराम समझौते के बावजूद शिया और सुन्नी समूहों के बीच गोलीबारी जारी रहने के बीच खुर्रम कबायली सांप्रदायिक हिंसा में शनिवार को दो और लोगों की मौत हो गई। इसी के साथ मृतकों की संख्या बढ़कर 124 हो गई है। प्राधिकारियों ने बताया कि पिछले 10 दिन से जारी सांप्रदायिक हिंसा में 170 से अधिक लोग घायल हुए हैं। प्रांत के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर को अशांत क्षेत्र का व्यक्तिगत रूप से दौरा करने का प्रस्ताव दिया। जिले में अलीजाई और बागान समुदायों के बीच संघर्ष 22 नवंबर को शुरू हुआ था। इससे एक दिन पहले पाराचिनार के पास यात्री गाड़ियों के काफिले पर हमला हुआ था जिसमें 47 लोग मारे गए थे। गंभीर रूप से घायल हुए कई यात्रियों ने बाद में दम तोड़ दिया, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 57 हो गई थी। बागान बाजार क्षेत्र से शुरू हुई हिंसा में पिछले दो दिनों में कम से कम 37 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए। यह हिंसा बालिशखेल, खार, काली, जुंज अलीजई और मकबल जैसे अन्य हिस्सों में फैल गई। सरकार ने शिया और सुन्नी समुदायों के बीच गत रविवार को सात दिन का संघर्ष विराम कराया था। बाद में इसे बढ़ाकर 10 दिन कर दिया गया था।

अमेरिका में तेलंगाना के एक छात्र की गोली मारकर हत्या

वाशिंगटन, एजेंसी। तेलंगाना विधान परिषद में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सदस्य मधुसूदन थाथा ने अमेरिका से प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के हवाले से बताया कि साईं तेजा नुकारापु (22) को भारतीय समयानुसार शुक्रवार देर रात शिकागो के निकट पेट्रोल पंप पर हमलावरों ने गोली मार दी। मधुसूदन ने खम्मम के निकट स्थित अपने आवास पर पीड़िता के माता-पिता से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि घटना के समय साईं तेजा ड्यूटी पर नहीं थे, बल्कि एक दोस्त की मदद कर रहे थे, जिसने उन्हें कुछ समय के लिए रुकने के लिए कहा था। दोस्त किसी काम से बाहर गया हुआ था। उसने भारत में बीबीए की पढ़ाई की थी और वह अमेरिका में एमबीए कर रहा है और वहां अंशकालिक काम कर रहा था। उन्होंने बताया कि यह जानकर दुख हुआ कि साईं तेजा की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वह अपने दोस्त की मदद करने के लिए काम पर रुका था।

किडनैप बलूच युवक की बहन की भूख हड़ताल के आगे झुका पाकिस्तान, जल्द खोजने का किया वादा

शख्स को घर से जबरिया उठाकर ले गए थे सुरक्षाबल

भाई की सुरक्षित वापसी के लिए बहन ने शुरू की थी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल

भूख हड़ताल ने पाकिस्तानी सेना की निरंकुशता के खिलाफ फैलाया जनाक्रोश

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान को एक बलूच युवक की बहन की भूख हड़ताल के आगे झुकना पड़ा है। वह करीब छह महीने पहले जबरन उठाए गए अपने भाई की सुरक्षित वापसी की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गई थी। उनके इस कदम से पाकिस्तानी सेना की निरंकुशता के खिलाफ स्थानीय स्तर पर जनाक्रोश बढ़ रहा था।

नतीजन स्थानीय प्रशासन को हड़ताल खत्म कराने के लिए यह कहना पड़ा कि वह दस दिन में उनके भाई को खोज निकालेगा। यह मामला बलूचिस्तान के अवारन जिले का है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ ही बलूचों पर भी अत्याचार बढ़ता जा रहा है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की ओर से अक्सर ही बलूच समुदाय के लोगों को जबरिया उठा लिया जाता है और उनको यातनाएं दी जाती हैं। बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सुरक्षा बल ने 12 जून, 2024 को दिलजान बलोच को अवारन स्थित उनके घर से उठा लिया था। तब से उनके बारे में कोई जानकारी नहीं है। दिलजान की वापसी की मांग को लेकर उनके परिवार के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने 18 नवंबर को अवारन में मुख्य सड़क पर जाम लगा दिया। जबकि दिलजान की बहन ने उपायुक्त कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठने की घोषणा कर दी। लंबा इंतजार किया है। यह भूख हड़ताल ही हमारी आखिरी उम्मीद है। इसके बाद स्थानीय प्रशासन को उनकी मांग के आगे झुकना पड़ा। अधिकारियों ने दस दिन में इस मामले के समाधान का वादा करके उनका प्रदर्शन खत्म कराया। हालांकि अभी तक इस मामले में कोई प्रगति सामने नहीं आई है। इस बीच, बलूच वायस फार जस्टिस संगठन ने जबरन लापता किए गए दिलजान और उनके परिवार के प्रति एकजुटता बढ़ाने के लिए इंटरनेट मीडिया पर अभियान चलाया। संगठन ने बताया कि दिलजान की वापसी की मांग को लेकर अक्टूबर में भी कई दिनों तक धरना दिया गया। इधर, कराची समेत पाकिस्तान के कई इलाकों से दस बलूच पुरुषों को जबरन लापता किए जाने का मामला सामने आया है।

ऊंचाई पर रखे कंटेनर से शख्स को सुरक्षाबलों ने दे दिया धक्का; मंत्री बोले- व्यक्ति पूरी तरह ठीक

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों ने एक व्यक्ति को कंटेनरों के ढेर से धक्का दे दिया। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें बताया जा रहा है कि वह व्यक्ति कंटेनर पर नमाज पढ़ रहा था। हालांकि दैनिक जागरण उस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

बीबीसी की एक रिपोर्ट में इमरान खान की पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का हवाला देते हुए कहा गया है कि वह व्यक्ति कंटेनर के शीर्ष पर नमाज कर रहा था, जब सुरक्षा बलों ने उसे बेरहमी से तीन मंजिल के बराबर ऊंचाई से धक्का दे दिया। हालांकि इस मामले पर पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने शनिवार को कहा कि इस्लामाबाद में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के विरोध प्रदर्शन के दौरान कंटेनर से गिरते हुए वायरल वीडियो में देखा गया व्यक्ति पूरी तरह से ठीक है। पीटीआई समर्थक अपने नेता और पार्टी प्रमुख इमरान खान की रिहाई की मांग कर रहे थे। 26 नवंबर को विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया और पीटीआई समर्थकों पर सुरक्षा बलों द्वारा तीव्र आंसू गैस के गोले दागे गए। डॉन के मुताबिक, एक फोटोग्राफर ने एक तस्वीर खींची जिसमें एक आदमी कंटेनर के किनारे से लटका हुआ है जबकि वर्दीधारी लोग उसके ऊपर खड़े हैं। घटना का एक वीडियो भी वायरल हो गया, जिससे सोशल मीडिया पर कई तरह के दावे किए गए, कुछ पोस्ट में आरोप लगाया गया कि उस व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। इन दावों को खारिज करते हुए मंत्री तरार ने कहा कि प्रचार किया गया कि नमाज पढ़ रहे एक व्यक्ति को धक्का देकर मार दिया गया। वह मंडी बहाउद्दीन का रहने वाला है और पूरी तरह से ठीक है।

भारतीयों के लिए अब दुबई जाना-रहना और घूमना होगा मुश्किल, सरकार ने वीजा नियमों में किया बड़ा बदलाव

दुबई , एजेंसी। सऊदी सरकार ने वीजा नियमों में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं, जिनका असर खासकर उन लोगों पर पड़ेगा जो दुबई में अपने परिवार या दोस्तों के साथ रुकने की योजना बनाते हैं। नए नियम 8 दिसंबर से लागू होंगे और क्रिसमस व नए साल के मौके पर दुबई की यात्रा करने वाले हजारों भारतीयों को प्रभावित करेंगे। इन नियमों के चलतेअब भारतीयों के लिए दुबई की यात्रा करना आसान नहीं रहेगा। यह नियम 8 दिसंबर से 14 जनवरी तक लागू रहेगा, जब दुबई में शॉपिंग फेस्टिवल और छुट्टियों का मौसम होता है। दुबई में दोस्तों या रिश्तेदारों के साथ रुकने वाले यात्रियों को वीजा के लिए आवेदन करते समय मेजबान का रेंटल एग्रीमेंट, एमिरेट्स आईडी, निवास वीजा की प्रति और संपर्क जानकारी देनी होगी। इन दस्तावेजों के बिना वीजा आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। जो यात्री होटल में रुकने की योजना बना रहे हैं, उन्हें होटल बुकिंग के दस्तावेज और वापसी की टिकट का विवरण प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। इन नियमों के कारण जो यात्री अपने परिचितों या दोस्तों के घर पर रुकना चाहते हैं लेकिन जरूरी दस्तावेज नहीं जुटा पाते, उन्हें मजबूरन होटल में रुकना पड़ेगा। दुबई में होटल का खर्च प्रति रात 20,000 से 1,00,000 तक हो सकता है। दस्तावेज़ न जुटा पाने के कारण कई लोग अपनी यात्रा रद्द करने पर मजबूर हो सकते हैं। बता दें कि 8 दिसंबर से शुरू होने वाले दुबई शॉपिंग फेस्टिवल में बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटक शामिल होते हैं। लेकिन इन कड़े नियमों के कारण इस बार पर्यटकों की संख्या में गिरावट की संभावना है।

हमास ने पल-पल घुटकर मर रहे इजरायली बंधक युवक का वीडियो किया जारी, कहा- ट्रंप और पीएम नेतन्याहू से मांगों मदद

गाजा एजेंसी। इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध के दौरान हमास ने 20 वर्षीय इजरायली-अमेरिकी बंधक एडन अलेक्जेंडर का वीडियो जारी किया है। वीडियो में अलेक्जेंडर ने अमेरिका के राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से अपनी रिहाई के लिए हस्तक्षेप करने की अपील की है। हमास के सशस्त्र संगठन एज़ेदीन अल-क़स्साम ब्रिगेड द्वारा जारी 3 मिनट के इस वीडियो में अलेक्जेंडर को एक अंधेरे कमरे में पीला और कमजोर हालत में बैठे देखा जा सकता है। वह हिब्रू और अंग्रेजी में बोलते हुए कहते हैं इजरायली नागरिक अपनी सरकार पर दबाव बनाएं ताकि वह बंधकों की रिहाई के लिए कदम उठाए। डोनाल्ड ट्रंप, कृपया अमेरिकी प्रभाव का इस्तेमाल करें और मेरी रिहाई सुनिश्चित करें।

अलेक्जेंडर की मां येल ने इस वीडियो को देखकर कहा कि यह बेहद परेशान करने वाला है, लेकिन इसे उम्मीद की किरण भी बताया। तेल अवीव में एक रैली के दौरान उन्होंने कहा, यह वीडियो दिखाता है कि एडन और अन्य बंधक कितनी कठिन परिस्थितियों में हैं। यह उनकी रिहाई के लिए तत्काल कार्रवाई की जरूरत को भी उजागर करता है। उन्होंने इजरायली सरकार से हमास के साथ समझौता कर युद्ध खत्म करने और बंधकों को छुड़ाने की अपील की।

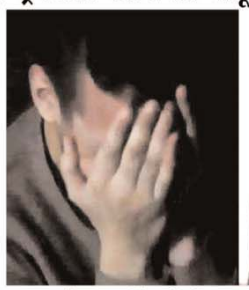

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वीडियो को क्रूर मनोवैज्ञानिक युद्ध बताया। उन्होंने अलेक्जेंडर के परिवार को भरोसा दिलाया कि सरकार सभी बंधकों की सुरक्षित रिहाई के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। हमास ने 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजरायल पर हमले के दौरान अलेक्जेंडर को अगवा कर लिया था। वह उन 251 बंधकों में शामिल हैं जिन्हें हमास ने बंधक बनाया। अब तक 97 बंधक अभी भी हमास की कैद में हैं। इनमें से कुछ की मौत हो चुकी है और उनके शव गाजा में होने की पुष्टि हुई है।

व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने वीडियो को हमास के आतंक की क्रूर याद दिलाने वाला करार दिया। प्रवक्ता सीन सेवेट ने कहा, अगर हमास बंधकों को रिहा करने के लिए सहमत हो जाता है, तो गाजा में युद्ध तुरंत खत्म हो सकता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में अभी 101 बंधकों में से आधे के जीवित होने का अनुमान है। नवंबर 2023 में युद्धविराम के दौरान 80 इजरायली और 25 विदेशी बंधकों को रिहा किया गया था। बदले में इजरायल ने 240 फिलिस्तीनियों को जेल से रिहा किया था। हमास के नेता मिस्र के अधिकारियों के साथ काहिरा में वार्ता कर रहे हैं। इस वार्ता का उद्देश्य फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले में इजरायली बंधकों की अदला-बदली करना है।

इमरान खान पिछले साल हुए दंगों के मामले में साजिश रचने और उकसाने के दोषी: पाक अदालत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एक अदालत ने जेल में बंद देश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पिछले साल हुए दंगों में अपराधियों को उकसाने और साजिश रचने का दोषी करार दिया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक पर नौ मई 2023 की हिंसा के संबंध में लाहौर में कई मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें अपने समर्थकों को सरकारी और सैन्य भवनों पर हमला करने के लिए उकसाने का आरोप भी शामिल था।

आतंकवाद निरोधक अदालत के न्यायाधीश मंजर अली गिल ने पिछले साल नौ मई के दंगों के आठ मामलों में पूर्व प्रधानमंत्री की गिरफ्तारी के बाद जमानत याचिकाओं के बारे में जारी एक लिखित आदेश में टिप्पणी की, ''ये अपराध सीआरपीसी की धारा 497 के निषेधात्मक खंड के अंतर्गत आते हैं। याचिकाकर्ता इमरान खान को दोषी पाया जाता है।'' न्यायाधीश ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने षड्यंत्र रचने के आरोप को साबित करने के लिए गवाहों के बयान तथा याचिकाकर्ता के खिलाफ उकसावे और उकसाने के आरोप को साबित करने के लिए ऑडियो/विजुअल साक्ष्य पेश किए।

न्यायाधीश ने कहा, '' अदालत यह भी जानती है कि याचिकाकर्ता कोई साधारण व्यक्ति नहीं है। वह पीटीआई का अध्यक्ष है और उसके निर्देश और संचार कार्यकर्ताओं, अन्य वरिष्ठ नेताओं, मतदाताओं और समर्थकों के लिए महत्वपूर्ण हैं...''। खान कई मामलों में पिछले साल अगस्त से जेल में बंद हैं। उन्हें कुछ मामलों में दोषी ठहराया गया है और कुछ में जमानत मिल गई है।

ट्रंप बुद्धिमान मगर सुरक्षित नहीं, पुतिन बोले- अमेरिका में उनके साथ जैसा हुआ वैसा रूस में डाकू भी नहीं करते

मॉस्को, एजेंसी। अमेरिका के अगले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सुरक्षित नहीं है। यह बयान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिया है। पुतिन ने कहा कि ट्रंप एक बुद्धिमान व्यक्ति हैं। सतर्क हैं। मगर वे अब भी सुरक्षित नहीं हैं। पुतिन ने कहा कि पिछले कुछ समय में डोनाल्ड ट्रंप पर हर तरह के हमले किए गए हैं।

मुझे लगता है कि ट्रंप सब समझते हैं। पुतिन ने कहा कि अमेरिका में ट्रंप के साथ जैसा किया गया है, वैसा रूसी गैंगस्टर भी अपने दुश्मन के साथ नहीं करते हैं। रूस में अक्सर यह कहा जाता है कि दुश्मन के परिवार पर हमला नहीं करना है। मगर ट्रंप के मामले में उनके परिवार और बच्चों तक को निशाना बनाया गया।

कजाकिस्तान की अपनी राजकीय यात्रा के बाद पुतिन ने एक संबोधन में डोनाल्ड ट्रंप को बुद्धिमान और अनुभवी नेता बताया। जब पुतिन से पूछा गया कि मौजूदा बाइडन प्रशासन ने यूक्रेन को अमेरिकी मिसाइल इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। क्या इसका असर ट्रंप प्रशासन से रिश्ते बनाने पर पड़ेगा इस पर पुतिन ने कहा कि संभव है कि बाइडन प्रशासन भविष्य के लिए अतिरिक्त कठिनाइयों को पैदा करना चाहता हो। पुतिन ने कहा कि रूस आने वाले ट्रंप प्रशासन के साथ बातचीत को तैयार है। उन्होंने कहा कि जहां तक मैं कल्पना कर सकता हूं... नवनिर्वाचित राष्ट्रपति एक बुद्धिमान और पहले से ही काफी अनुभवी व्यक्ति हैं। मुझे लगता है कि वे इसका समाधान निकाल लेंगे। चुनाव के दौरान डोनाल्ड ट्रंप पर दो बार हमला हुआ। उनको जान से मारने की कोशिश की गई। अब पुतिन ने भी ट्रंप की सुरक्षा पर बड़ी बात कही।

कनाडाई नेता ने भारत-कनाडा रिश्तों में गिरावट के लिए ट्रूडो को ठहराया जिम्मेदार

कहा- पीएम ने खालिस्तानी समर्थकों को देश में दी पनाह

टोरंटो , एजेंसी। कनाडा की विपक्षी पार्टी पीपुल्स पार्टी के संस्थापक मैक्सिम बर्नियर ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर भारत-कनाडा संबंधों में गिरावट के लिए निशाना साधा है। बर्नियर का कहना है कि ट्रूडो ने खालिस्तानी समर्थकों को कनाडा में शरण देकर उनकी हिंसक गतिविधियों को नजरअंदाज किया। उन्होंने अपनी सरकार बचाने के लिए खालिस्तान समर्थक जगमीत सिंह की पार्टी से समझौता किया, जो अब दोनों देशों के संबंधों पर नकारात्मक असर डाल रहा है। बर्नियर का मानना है कि ट्रूडो के 10 साल के शासन के दौरान खालिस्तानी समर्थकों को कनाडा में आने की अनुमति दी गई।

खालिस्तानी गतिविधियों को रोकने की बजाय इन्हें वोटबैंक के लिए बढ़ावा दिया गया। किसान आंदोलन के दौरान ट्रूडो और अन्य नेताओं के भारत-विरोधी बयान स्थिति को और खराब कर गए। भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने की कोई जरूरत नहीं थी, लेकिन राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा किया गया। बर्नियर ने स्पष्ट कहा कि पंजाब भारत का आंतरिक मुद्दा है और इसमें कनाडा को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खालिस्तान समर्थकों को कनाडा में जगह नहीं मिलनी चाहिए। हरदीप सिंह निज्जर को आतंकवादी घोषित किया जाना चाहिए। निज्जर ने फर्जी दस्तावेज़ों के जरिए कनाडा की नागरिकता हासिल की थी। बर्नियर ने यह भी कहा कि ट्रूडो सरकार ने बिना किसी ठोस सबूत के निज्जर की हत्या के लिए भारतीय राजनयिकों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि भारत के साथ बिगड़ते कूटनीतिक संबंधों के कारण कनाडा को व्यापार और निवेश में भारी नुकसान हो रहा है। भारत एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति है और इसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। दोनों देशों के बीच तनाव से आर्थिक और राजनीतिक सहयोग बाधित हो रहा है। खालिस्तानी समर्थकों के चलते कनाडा को और नुकसान हो सकता है।

पिछले साल की तुलना में 89 प्रतिशत बढ़ी धोखाधड़ी, एफबीआई ने क्रोम, सफारी और ऐज यूजर्स के लिए जारी की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। ब्लैक फ्राइडे के साथ छुट्टियों की खरीदारी की भीड़ शुरू होती है, ऐसे में ऑनलाइन घोटालेबाज से संबंधित मामलों में भी होती है। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट से पता चला है कि पिछले साल की तुलना में धोखाधड़ी वाली वेबसाइटों में 89 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, लगभग 80 प्रतिशत शॉपिंग-संबंधित ईमेल को घोटाले के रूप में चिह्नित किया गया है। यहां तक कि लभश्यद्दद्द के सर्च रिजल्ट में भी हेरफेर किया गया है।फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने ऑनलाइन शॉपिंग करने वालों के लिए एक चेतावनी जारी की है, जिसमें ब्लैक फ्राइडे, साइबर मंडे और बाकी छुट्टियों के मौसम के दौरान इन घोटालों से खुद को बचाने के कदमों पर प्रकाश डाला गया है। यह अलर्ट क्रोम, सफारी और एज जैसे लोकप्रिय वेब ब्राउजर के यूजर के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो अमेरिकी बाजार के 95 प्रतिशत हिस्से पर हावी हैं। दुकानदारों से आग्रह किया जाता है कि वे सतर्क रहें और इन खतरों का शिकार होने से बचने के लिए सुरक्षा युक्तियों का पालन करें।

जांच एजेंसी ने चेतावनी दी है कि छुट्टियों के मौसम में या साल के किसी भी समय ऑनलाइन खरीदारी करते समय हमेशा उन सौदों से सावधान रहें जो सच होने के लिए बहुत अच्छे लगते हैं। किसी घोटालेबाज का अगला शिकार न बनें। हर साल, हजारों लोग बनते हैं छुट्टियों के घोटालों के शिकार घोटालेबाज आपकी मेहनत की कमाई, व्यक्तिगत जानकारी और, कम से कम, उत्सव के मूड को लूट सकते हैं।

ऐसे कीजिए प्रार्थना ईश्वर जल्द सुनेंगे

जब हम अंदर से भरपूर होते हैं, तब हमें किसी की भी कोई मदद की आवश्यकता नहीं रहती, परंतु ज्यों ही हमारा स्टॉक खत्म हो जाता है, त्यों ही हम एक असहाय बच्चे की तरह अपने दोनों हाथ जोड़कर ईश्वर से प्रार्थना करने लगते हैं।

संसार में ऐसा कोई भी मनुष्य प्राणी नहीं होगा जो प्रार्थना न करता हो। अमीर, गरीब, छोटे, बड़े जो भी हैं, वे सभी प्रार्थना अवश्य करते हैं, मगर हममें से अधिकांश लोग दुःख की घड़ी में प्रार्थना ज्यादा करते हैं, इसलिए ही तो संत कबीर जी ने यह कहा है कि...

दुख में सुमिरन सब करे, सुख में करै न कोय।
जो सुख में सुमिरन करे दुख काहे को होय॥

वास्तव में देखा जाए तो ऐसा ही है, क्योंकि जब हम अंदर से भरपूर होते हैं, तब हमें किसी की भी कोई मदद की आवश्यकता नहीं रहती, परंतु ज्यों ही हमारा स्टॉक खत्म हो जाता है, त्यों ही हम एक असहाय बच्चे की तरह अपने दोनों हाथ जोड़कर ईश्वर से प्रार्थना करने लगते हैं।

अनुभव के आधार परऐसा अनेक बार देखा गया है कि सच्चे हृदय से यदि भगवान की प्रार्थना की जाती है तो अपना इच्छित मनोरथ व कार्य जरूर पूरा होता है।

इसके पीछे का अध्यात्मिक रहस्य यह है कि प्रार्थना करने वाले को यह विश्वास रहता है कि परमात्मा ऐसा शक्तिशाली है कि वह आसानी से मेरी इच्छा को पूरा करेंगे ही। इसके साथ-साथ वह यह भी सोचता है कि मैं अपने अन्त:करण का श्रेष्ठतम भाग, श्रद्धा, विश्वास, परमात्मा पर आरोपण करते हुए सच्चे हृदय से प्रार्थना कर रहा हूं।

इसलिए मेरी पुकार सुनी जाएगी। मनोवैकित्सकों के अनुसार कोई भी मनुष्य जब अपनी मानसिक स्थिति ऐसी बना ले कि मेरा मनोरथ सफल होने की पूरी आशा, पूरी संभावना है ही, तो अधिक मौकों पर उसके मनोरथ पूरे हो ही जाते हैं, क्योंकि आशा और संभावनामयी मनोदशा के कारण मनुष्य की शारीरिक और मानसिक शक्तियां असाधारण रूप से जाग उठती हैं जिसके फलस्वरूप सफलता का मार्ग बहुत आसान बनता जाता है और प्राय: वह प्राप्त भी हो जाता है।

परमात्मा की दृष्टि में सभी प्राणी एक समान हैं, अत:-वे समदर्शी कहलाते हैं। किंतु उस समदर्शी को भी विवश होकर एक बार यह कहना पड़ा कि समदर्शी मोहि कह सबकोऊ। सेवक प्रिय अनन्य गति सोऊ॥

अर्थात सभी मुझे समदर्शी कहते हैं, पर मुझे सेवक प्रिय हैं, क्योंकि वह अनन्य गति होता है। इसीप्रकार से विष्णु चतुर्भुज की प्रार्थना में जब भक्तयह कहते हैं कि

अविनयमपनय विष्णो दमयमनशमय विषयमृगतृष्णाम।
भूतदया विस्तारयतारय संसारसागरत

तब उनकी यह प्रार्थना में कितनी श्रद्धा, विश्वास एवं नम्रता दिखती हैं। अब ऐसा कौन मनुष्य होगा जो इस नम्रता परन पिघल उठे? यह तो फिर उस महान विभूति के लिये प्रयुक्त है जो अपनी दयालुता के लिए दया सागर के नाम से विख्यात हैं।

इस प्रार्थना के बाद क्या कोई चिन्ता, दुःख क्लेशादि टिक सकते हैं? बिलकुल नहीं! गीता में प्रभु स्वयंजब यह गारंटी देते हैं कि जो मनुष्य एकमात्र मुझे लक्ष्य मान कर अनन्य-भाव से मेरा ही स्मरण करते हुए कर्तव्य-कर्म द्वारा पूजा करते हैं, जो सदैव निरन्तर मेरी भक्ति में लीनरहता है उस मनुष्य की सभी आवश्यकता और सुरक्षा की जिम्मेदारी मैं स्वयं निभाता हूं,तो फिर उसे न मानने की कोई गुंजाइश नहीं रहती।

परमात्मा की ओर अपना ध्यान केंद्रित करें- यहां वहां हाथ फैलाने से बेहतर है की हम उस एक परमात्मा की ओर अपना ध्यान केंद्रित करें और अपनी हर समस्याओं का समाधान प्राप्त करने के लिए केवल उस एक सर्व शक्तिमान के सामने अपना माथा टेकें। सच्चे हृदय से यदि ईश्वर की प्रार्थना की जाएतो भक्तों की हर इच्छा व मनोरथ वह जरूर पूरी करते हैं।

घर के नजदीक हो ये पेड़-पौधे तो अवश्य करें पूजा होते हैं ढेरों लाभ

प्राचीनकाल से सनातन संस्कृति में पेड़-पौधों का पूजन होता आया है। ज्योतिष और वास्तु विद्वान भी मानते हैं की इनके पूजन करने से जीवन में आ रही बहुत सारी बाधाओं से मुक्ति पाई जा सकती है। कुछ ऐसे पेड़-पौधे होते हैं, जिन्हें घर में अवश्य रोपित करना चाहिए। यदि आपके घर में स्थान न हो तो आसपास भी ये दिखें तो अवश्य इनका पूजन करें। इससे आपको ढेरों लाभ प्राप्त होंगे।

तुलसी

विष्णु प्रिया हर हिंदू घर में विराजित होनी चाहिए। यदि आपके घर में नहीं है तो आज ही ले आएं। सुबह-शाम इन्हें जल अर्पित कर दीपदान करना चाहिए। जिस घर में ऐसा होता है वहां कभी किसी चीज का अभाव नहीं रहता।

पीपल

इस पेड़ को घर में नहीं लगाना चाहिए और न ही इसकी छाया आपके आशियाने पर पड़नी चाहिए। घर से थोड़ी दूरी पर रोपित इस पेड़ का पूजन अवश्य करें। पीपल को जल से सींचने पर सभी पापों का जहां नाश हो जाता है वहीं पितर भी प्रसन्न होकर जीव पर कृपा करते हैं।

बिल्व

भगवान शिव के प्रिय बिल्व वृक्ष को काटने से वंश का अंश समाप्त हो जाता है और उसे लगाने से वंश में वृद्धि होती है। बिल्व पत्र के अभाव में शिव पूजा अधूरी रहती है। नौकरी में प्रमोशन पानी हो या दुख-दर्द से छुटकारा, करें इस पेड़ की पूजा।

केला

घर में केले का पेड़ ईशान कोण में लगाने से धन वृद्धि होती है। यदि इसके साथ तुलसी का पौधा भी रोपित कर दिया जाए तो घर-परिवार पर श्रीविष्णु-लक्ष्मी की कृपा सदा बनी रहती है।

बरगद

बरगद का पूजन करने से घर-परिवार में सुख-समृद्धि सदा बनी रहती है।

आंवला

प्रतिदिन इसका पूजन करने से जाने-अनजाने किए गए पापों से मुक्ति मिलती है।

शमी

घर में शमी का पेड़ लगाने से दैवीय कृपा बनी रहती है।

अशोक

ये पेड़ जीवन से हर शोक का नाश करता है। जो लोग प्रतिदिन अशोक के पेड़ पर जल अर्पित करते हैं उन पर दैविय कृपा बनी रहती है। उन्हें बीमारी, दुख, अशान्ति जैसी चिंताएं छू भी नहीं पाती।

बड़े ही विचित्र तरीके से हुआ था राधा का जन्म

पुराणों में वर्णित है कि एक बार गोलोक में किसी बात पर राधा और श्रीदामा नामक गोप में विवाद हो गया। श्रीराधा ने उस गोप को असुर योनि में जन्म लेने का श्राप दिया। तब उस गोप ने भी श्रीराधा को यह श्राप दिया कि आपको भी मानव योनि में जन्म लेना पड़ेगा। वहां गोकुल में श्रीहरि के ही अंश महायोगी रायाण नामक एक वैश्य होंगे। आपका छाया रूप उनके साथ रहेगा। भूतल पर लोग आपको रायाण की पत्नी ही समझेंगे, श्रीहरि के साथ कुछ समय आपका विछोह रहेगा। ब्रह्म वैवर्त पुराण के अनुसार जब भगवान विष्णु के श्रीकृष्ण अवतार का समय आया तो उन्होंने राधा से कहा कि तुम जल्द ही वृषभानु के घर जन्म लो। श्रीकृष्ण के कहने पर ही राधा ब्रज में वृषभानु वैश्य की कन्या हुईं। राधा देवी अयोनिजा यानी माता के गर्भ से उत्पन्न नहीं हुई थीं उनकी माता ने गर्भ में वायु को धारण कर रखा था। उन्होंने योगमाया की प्रेरणा से वायु को ही जन्म दिया परंतु वहां स्वेच्छा से श्रीराधा प्रकट हो गईं।

तीर्थ यात्रा करते वक्त ध्यान रखनी चाहिए ये 5 बातें

तीर्थ दर्शन की परंपरा काफी पुराने समय से चली आ रही है। मान्यता है कि तीर्थ यात्रा से जाने-अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिल जाती है। साथ ही, अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। यदि आप भी किसी तीर्थ स्थान पर जाना चाहते हैं तो यहां जानिए 5 ऐसी बातें जो यात्रा में ध्यान रखना चाहिए

- तीर्थ क्षेत्र में जाने पर मनुष्य को स्नान, दान, जप आदि करना चाहिए। अन्यथा वह रोग एवं दोष का भागी होता है।
- अन्यत्र हिकृतं पापं तीर्थ मासाद्य नश्यति। तीर्थेषु यत्कृतं पापं वज्रलेपो भविष्यति। इस श्लोक का अर्थ यह है कि किसी दूसरी जगह किया हुआ पाप तीर्थ में जाने से नष्ट हो जाता है, लेकिन तीर्थ में किया हुआ पाप कभी नष्ट नहीं हो पाता है। अत: तीर्थ क्षेत्र में कोई अधार्मिक कर्म नहीं करना चाहिए।
- जब कोई व्यक्ति अपने माता-पिता, भाई, परिजन अथवा गुरु को पुण्य फल दिलवाने के उद्देश्य से तीर्थ में स्नान करता है, तब स्नान करने वाले व्यक्ति को पुण्य फल का बारहवां भाग प्राप्त होता है।
- जो व्यक्ति दूसरों के धन से तीर्थ यात्रा करता है, उसे पुण्य का सोलहवां भाग प्राप्त होता है।
- जो व्यक्ति किसी दूसरे कार्य से तीर्थ में जाता है तो व्यक्ति को तीर्थ जाने का आधा पुण्य फल प्राप्त होता है।

इस कारण स्त्रियां कभी नहीं फोड़ती है नारियल!

नारियल को श्रीफल के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है की जब भगवान विष्णु ने पृथ्वी पर अवतार लिया तो वे अपने साथ तीन चीजें- लक्ष्मी, नारियल का वृक्ष तथा कामधेनु लाए इसलिए नारियल के वृक्ष को श्रीफल भी कहा जाता है। श्री का अर्थ है लक्ष्मी अर्थात नारियल लक्ष्मी व विष्णु का फल। नारियल में त्रिदेव अर्थात ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास माना गया है। श्रीफल भगवान शिव का परम प्रिय फल है। मान्यता अनुसार नारियल में बनी तीन आंखों को त्रिनेत्र के रूप में देखा जाता है। श्रीफल खाने से शारीरिक दुर्बलता दूर होती है। इष्ट को नारियल चढ़ाने से धन संबंधी समस्याएं दूर हो जाती हैं। भारतीय पूजन पद्धति में नारियल अर्थात श्रीफल का महत्वपूर्ण स्थान है। कोई भी वैदिक या दैविक पूजन प्रणाली श्रीफल के बलिदान के बिना अधूरी मानी जाती है। यह भी एक तथ्य है कि महिलाएं नारियल नहीं फोड़ती। श्रीफल बीज रूप है, इसलिए इसे उत्पादन अर्थात प्रजनन का कारक माना जाता है। श्रीफल को प्रजनन क्षमता से जोड़ा गया है। स्त्रियां बीज रूप से ही शिशु को जन्म देती हैं और इसलिए नारी के लिए बीज रूपी नारियल को फोड़ना अशुभ माना गया है। देवी-देवताओं को श्रीफल चढ़ाने के बाद पुरुष ही इसे फोड़ते हैं। शनि की शांति हेतु नारियल के जल से शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने का शास्त्रीय विधान भी है। भारतीय वैदिक परंपरा अनुसार श्रीफल शुभ, समृद्धि, सम्मान, उन्नति और सौभाग्य का सूचक माना जाता है। किसी को सम्मान देने के लिए उनी शॉल के साथ श्रीफल भी भेंट किया जाता है। भारतीय सामाजिक रीति-रिवाजों में भी शुभ शगुन के तौर पर श्रीफल भेंट करने की परंपरा युगों से चली आ रही है। विवाह की सुनिश्चित करने हेतु अर्थात तिलक के समय श्रीफल भेंट किया जाता है। विदाई के समय नारियल व धनराशि भेंट की जाती है। यहां तक की अंतिम संस्कार के समय भी चिता के साथ नारियल जलाए जाते हैं। वैदिक अनुष्ठानों में कर्मकांड में सूखे नारियल को वेदी में होम किया जाता है।

श्रीफल कैलोरी से भरपूर होता है। इसकी तासीर ठंडी होती है। इसमें अनेक पोषक तत्व होते हैं। इसके कोमल तनों से जो रस निकलता है उसे नीरा कहते हैं उसे लज्जतदार पेय माना जाता है। सोते समय नारियल पानी पीने से नाड़ी संस्थान को बल मिलता है तथा नींद अच्छी आती है। इसके पानी में पोटेशियम और क्लोरीन होता है जो मां के दूध के समान होता है। जिन शिशुओं को दूध नहीं पचता उन्हें दूध के साथ नारियल पानी मिलाकर पिलाना चाहिए। डि-हाइड्रेशन होने पर नारियल पानी में नींबू मिलाकर पिया जाता है। इसकी गिरी खाने से कामशक्ति बढ़ती है। मिश्री संग खाने से गर्भवती स्त्री की शारीरिक दुर्बलता दूर होती है तथा बच्चा सुंदर होता है।